THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 210 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.6 2082 सोमवार, 27 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीएमएस-03 का दो नवंबर को प्रक्षेपण

बेंगलूरू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) नौसेना के लिए विकसित सीएमएस-03 उपग्रह का दो नवंबर को प्रक्षेपण करेगा। इस उपग्रह से नौसेना की नेटवर्क केंद्रित युद्धक क्षमताओं में इजाफा होगा। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने हाल ही में बेंगलूरू में इस उपग्रह से जुड़ी जानकारी साझा की थी। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

यह सैन्य संचार उपग्रह नौसेना की संचार और निगरानी क्षमताओं को नई ऊंचाई देगा। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन से मिल रही चुनौतियों के मद्देनजर सेनाओं के समन्वय, खुफिया जानकारी साझा करने और खतरे का तुरंत जवाब देने के लिए उन्नत संचार बेहद जरूरी है।

हर संकट में साथ खड़े हैं : मोदी

पीएम मोदी ने आसियान समिट से दुनिया को दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आसियान शिखर सम्मेलन में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आसियान के देश साझा मूल्यों की डोर से बंधे हुए हैं। 21वीं सदी आसियान देशों की सदी है। बता दें कि आसियान की यह बैठक मलयेशिया में हो रही है।

पीएम मोदी ने मलयेशियाई पीएम को दी बधाई :

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री और मेरे मित्र अनवर इब्राहिम आपने मुझे आसियान परिवार में शामिल होने का अवसर दिया, इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। मैं आपको इस सफल शिखर सम्मेलन के लिए बधाई देता हूं। पीएम ने कहा, समावेशीपन और स्थिरता इस वर्ष के आसियान शिखर सम्मेलन के विषय हैं और यह विषय हमारे साझा प्रयासों को दर्शाता है। चाहे वह डिजिटल समावेशन हो, खाद्य सुरक्षा हो, या इस अशांत वैश्विक समय में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं हों। हम साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, भारत के देश समन्वयक की भूमि का कुशलता से निभाने पर फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस का धन्यवाद करता हूं।

थाईलैंड की राजमाता के निधन पर जताया शोक :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, थाईलैंड की राजमाता के निधन पर मैं सभी भारतवासियों की ओर से थाईलैंड के राज परिवार और जनता के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ :

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा, भारत और आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम न केवल भूगोल साझा करते हैं, बल्कि गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझे मूल्य के जोड़ से जुड़े हुए हैं। हम वैश्विक दक्षिण का हिस्सा हैं। हमारे बीच न केवल व्यापारिक संबंध हैं, बल्कि सांस्कृतिक संबंध भी हैं। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ है। भारत ने हमेशा आसियान की केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। अनिश्चितता के इस दौर में भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी निरंतर मजबूत हुई है। हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार बनकर उभर रही है।

आज देशव्यापी एसआईआर का एलान कर सकता है चुनाव आयोग

10 से 15 राज्यों में पहले चरण में चलेगा अभियान

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग सोमवार शाम को एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगा, जिसमें पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की घोषणा की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारियों के तहत उठाया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोग के अधिकारी प्रक्रिया और पहले चरण के राज्यों की जानकारी साझा करेंगे।

एसआईआर का क्या है उद्देश्य :

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में सुधार करना और

इसमें नए मतदाताओं का समावेश करना है। इसमें नामों की जांच, पुराने मतदाताओं की पुष्टि, और आवश्यक संशोधन शामिल होंगे। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर कर नए मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिससे चुनावों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

ये राज्य पहले चरण में होंगे शामिल :

हालांकि, अभी तक पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें ऐसे राज्य होंगे, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

इन राज्यों में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुद्दुचेरी शामिल हैं। एसआईआर में मतदाता सूची की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी और आवश्यक संशोधन किए जाएंगे।

त्योहारों में स्वदेशी वस्तुओं की जबरदस्त खरीदारी

पीएम मोदी ने छठ की बधाई दी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री के रेडियो शो मन की बात के 127वां एपिसोड टेलीकास्ट हुआ। पीएम ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और लोगों से इस उत्सव में शामिल होने की अपील की। पीएम मोदी ने मन की बात में जीएसटी बचत उत्सव, सरदार पटेल की 150वीं जयंती, रन फॉर यूनिटी जैसे विषयों पर बात की। पीएम ने कहा कि इस बार त्योहारों के दौरान जीएसटी बचत उत्सव को लेकर लोगों में उत्साह नजर आया। बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

पीएम ने कहा कि देश में त्योहारों का उल्लास है। कुछ दिन पहले दीवाली मनाई गई और अब छठ पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप जहां भी हैं वहीं से छठ पर्व में भाग लें। पीएम ने छठ को लेकर सभी को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि त्योहारों के इस अवसर पर मैंने पत्र लिखकर अपनी भावनाएं साझा की थी। कई मुद्दों पर बात की थी। लोगों का इसपर मुझे जवाब मिला। ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में गर्व है। इस बार माओवादी क्षेत्रों में दिवाली की रौनक दिखी।

7 नवंबर को राष्ट्रगीत वंदे मातरम का 150 वर्ष पूरे होंगे, यादगार बनाने की अपील की :

पीएम मोदी देशवासियों से आह्वान किया कि वे 7 नवंबर को 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष को यादगार बनाएं। उन्होंने कहा कि यह गीत हर भारतीय के दिल में भावनाओं और गर्व का संचार करता है, इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए इसकी विरासत को आगे बढ़ाना जरूरी है।

मोदी ने कहा कि आगामी दिनों में देशभर में 'वंदे मातरम' से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

ब्रिटेन ने भारत की ई-कोर्ट्स परियोजना में दिखाई दिलचस्पी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की महत्वाकांक्षी ई-कोर्ट्स परियोजना अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींच रही है। ब्रिटेन ने इस प्रोजेक्ट में खास रुचि दिखाई है और इसी को लेकर ब्रिटेन का एक प्रतिनिधिमंडल 6 नवंबर को नई दिल्ली पहुंचेगा। यह टीम केंद्रीय कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सुप्रीम कोर्ट की ई-कमेटी के सदस्यों से मुलाकात करेगी।

क्या है ई-कोर्ट्स परियोजना :

ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट का मकसद देश की अदालतों को पूरी तरह डिजिटल बनाना है। इसके तहत केस फाइलिंग, रिकॉर्ड मैनेजमेंट, सुनवाई, आदेश और फैसले-सब कुछ ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट फिलहाल तीसरे चरण में चल रहा है।

क्यों बढ़ रही है ई-कोर्ट्स की जरूरत :

भारत की अदालतों में लंबित मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए डिजिटल सिस्टम को समय की जरूरत माना जा रहा है। ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट से कोर्ट रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे। इसके साथ ही पेपर का इस्तेमाल कम होगा, पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रिया होगी।

बिहार चुनाव को लेकर ईसीआई ने जारी किया नया आदेश

11 नवंबर शाम 6.30 बजे तक एग्जिट पोल दिखाने पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज है। इस बीच रविवार को चुनाव आयोग एग्जिट पोल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि एग्जिट पोल आयोजित करना और उनके परिणामों का प्रचार करना 7 नवबंर 2025, सुबह 7 बजे से लेकर 11 नवंबर 2025 शाम 6.30 मिनट तक रोक रहेगी।

रविवार को चुनाव आयोग ने निर्वाचन प्रक्रिया अधिनियम, 1951 की धारा 126ए के अंतर्गत नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि एग्जिट पोल आयोजित करना और उनके परिणामों का प्रचार करना 7 नवंबर 2025, सुबह 7 बजे से लेकर 11 नवंबर 2025, शाम 6:30 बजे तक प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से निषिद्ध रहेगा। चुनाव आयोग ने चेतावनी दी है कि धारा 126 का उल्लंघन करने पर दो वर्ष तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा दी जा सकती है।

अफवाहों पर न दें ध्यान :

आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि यह कदम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। सभी मीडिया संस्थानों, एजेंसियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवधि में एग्जिट पोल के परिणाम साझा न करें। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से भी अपील की है कि वे इस दौरान अफवाहों और अटकलों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

पाकिस्तान ने सलमान खान को आतंकवादी निगरानी सूची में डाला

बलूचिस्तान पर बयान के बाद शहबाज सरकार आगबबूला

इस्लामाबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने हिन्दी फिल्मों के सुपरस्टार सलमान खान को आतंकवादी निगरानी सूचि में डाल दिया है। पाकिस्तान, सलमान खान के बलूचिस्तान पर दिए गये बयान से आगबबूला है। दरअसल सलमान खान रविवार को रियाद फोरम में अपने संबोधन के दौरान बलूचिस्तान का जिक्र किया था। जिसपर पाकिस्तान की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी गई है और उन्हें आतंकवादी निगरानी सूचि में डाल दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने कथित तौर पर सलमान खान का नाम अपनी चौथी अनुसूची में शामिल कर लिया है, जो देश के आतंकवाद-रोधी अधिनियम (1997) के तहत एक श्रेणी है। इस लिस्ट में आमतौर पर उन व्यक्तियों को शामिल किया जाता है, जिन पर चरमपंथी संगठनों या गतिविधियों से जुड़े होने का संदेह होता है। इस सूची में शामिल लोगों पर कड़ी निगरानी, आवाजाही पर प्रतिबंध और संभावित कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।

पाकिस्तान का सलमान खान पर बड़ा एक्शन :

बलूचिस्तान सरकार के गृह विभाग द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को जारी की गई अधिसूचना (सत्यापन के अधीन) के मुताबिक, सलमान खान को निगरानी सूची में रखने के निर्णय को उन्हें "आजाद बलूचिस्तान सूत्रधार" करार देकर उचित ठहराया गया है। यानि, सलमान खान बलूचिस्तान की आजादी का समर्थन करते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सलमान खान ने रियाद में एक कार्यक्रम में कथित तौर पर वैश्विक मानवीय चिंताओं के संदर्भ में बलूचिस्तान का नाम लिया था और उसे पाकिस्तान से अलग बताया था।

'डिजिटल अरेस्ट' मामले पर आज सुनवाई

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट जाली दस्तावेज के जरिये धोखाधड़ी का शिकार हुए 'डिजिटल अरेस्ट' पीड़ितों के स्वतः संज्ञान वाले मामले की 27 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट की वाद सूची के अनुसार, 'जाली दस्तावेज के जरिए डिजिटल अरेस्ट के पीड़ित' विषय वाली स्वतः संज्ञान याचिका सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आएगी।

शीर्ष अदालत ने 17 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि प्रथम दृष्टया न्यायिक दस्तावेज की जालसाजी, साइबर जबरन वसूली और निर्दोष लोगों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों की साइबर गिरफ्तारी से जुड़े आपराधिक उद्यम की पूरी सीमा का पता लगाने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों के साथ अखिल भारतीय स्तर पर कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में केंद्र, सीबीआई और अन्य से जवाब मांगा है। साथ ही कहा था कि इस तरह के अपराध न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास की 'नींव' पर प्रहार करते हैं।

राहुल गांधी का भाजपा पर वार

महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर की आत्महत्या को बताया 'संस्थागत हत्या'

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की महिला सरकारी डॉक्टर की आत्महत्या को संस्थागत हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना भाजपा सरकार की अमानवीय और असंवेदनशील कार्यप्रणाली को उजागर करती है।

यह डॉक्टर महाराष्ट्र के बीड जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के फळटन में सरकारी अस्पताल में तैनात थीं। गुरुवार रात उन्हें एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। डॉक्टर ने अपनी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने पर कई बार दुष्कर्म करने और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बंकार पर मानसिक उत्पीड़न का

आरोप लगाया था।

महिला डॉक्टर की आत्महत्या किसी सभ्य समाज के विवेक को झकझोर देने वाली त्रासदी :

राहुल गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखा, महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है। एक होनहार डॉक्टर बेटी, जो दूसरों का दर्द मिटाने की आकांक्षा रखती थी, भ्रष्ट सत्ता और तंत्र में बैठे अपराधियों की प्रताड़ना का शिकार बन गई। जिसे अपराधियों से जनता की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी, उसी ने इस मासूम के खिलाफ सबसे घिनौना अपराध किया- उसके साथ बलात्कार और शोषण किया।

उन्होंने आगे लिखा कि रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा से जुड़े कुछ प्रभावशाली लोगों ने उस पर भ्रष्टाचार का दबाव डालने की कोशिश भी की। सत्ता संरक्षित आपराधिक विचारधारा का ये सबसे घिनौना उदाहरण है। यह आत्महत्या नहीं- संस्थागत हत्या है। जब सत्ता अपराधियों की ढाल बन जाए, तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए?

ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे

अमेरिका बोला- भारतीय डिप्लोमेसी में समझदारी उन्हें पता है कई देशों से रिश्ते रखने पड़ते हैं

वॉशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करना चाहता है, लेकिन भारत की कीमत पर नहीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रुबियो ने बताया कि अमेरिका और पाकिस्तान पहले से ही आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करते रहे हैं, लेकिन इससे भारत के साथ उसकी अच्छी दोस्ती को कोई नुकसान नहीं होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत ने अमेरिका-पाकिस्तान की नजदीकी पर चिंता जताई, तो रुबियो ने कहा कि भारतीय डिप्लोमेसी में समझदारी है। वे जानते हैं कि हमें कई देशों से रिश्ते रखने पड़ते हैं। उनके भी कुछ देशों से रिश्ते हैं। यह समझदारी भरी विदेश नीति का हिस्सा है।

पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर एक पत्रकार ने सवाल किया कि क्या यह दोस्ती इसलिए बढ़ी क्योंकि अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने में मदद की। इस पर रुबियो ने कहा कि नहीं, मुझे लगता है हमने इससे पहले ही पाकिस्तान से बात शुरू की थी। हम उनके साथ रणनीतिक दोस्ती फिर से बनाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम कई चीजों पर एक साथ काम कर सकते हैं।

रुबियो ने कहा- हमें पता है कि भारत-पाकिस्तान के बीच पुराने तनाव हैं, लेकिन हमारा काम है कि जितने देशों के साथ हो सके, दोस्ती के रास्ते ढूंढें।

तेलंगाना सहित देश में 8,000 से अधिक स्कूलों में शून्य नामांकन

20,000 से ज्यादा शिक्षक कार्यरत, मंत्रालय की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में 2024-25 शैक्षणिक सत्र में लगभग 8,000 स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी छात्र का नामांकन नहीं हुआ। सबसे ज्यादा ऐसे स्कूल पश्चिम बंगाल में हैं, इसके बाद तेलंगाना का स्थान है।

शून्य नामांकन वाले स्कूलों में कुल 20,817 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें बड़ी संख्या 17,965 केवल पश्चिम बंगाल में है। वहीं, नामांकन रहित स्कूलों की संख्या भी पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक, 3,812, रही है। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 7,993 स्कूलों में शून्य नामांकन था, जो पिछले वर्ष की 12,954 की संख्या से 5,000 से अधिक कम है।

कुछ राज्यों में नहीं मिले शून्य नामांकन वाले स्कूल

वहीं, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, असम, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में ऐसा कोई स्कूल नहीं था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, स्कूली शिक्षा राज्य का विषय है, राज्यों को स्कूलों में शून्य नामांकन के मुद्दे का समाधान करने की सलाह दी गई है। कुछ राज्यों ने बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों जैसे संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए कुछ स्कूलों का विलय कर दिया है।

आंकड़ों के अनुसार, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन और दीव तथा चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में कोई भी स्कूल शून्य नामांकन वाला नहीं था।

तेलंगाना और एमपीमें शून्य नामांकन वाले स्कूलों की स्थिति

ऐसे स्कूलों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या तेलंगाना (2,245) में थी, उसके बाद मध्य प्रदेश (463) का स्थान था। तेलंगाना में इन स्कूलों में 1,016 शिक्षक कार्यरत थे, जबकि मध्य प्रदेश में 223 शिक्षक कार्यरत थे।

उत्तर प्रदेश में ऐसे 81 स्कूल थे। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने घोषणा की थी कि वह राज्य भर में अपने संबद्ध उन स्कूलों की मान्यता रद्द करने की तैयारी कर रहा है, जिनमें पिछले तीन लगातार शैक्षणिक वर्षों से शून्य छात्र नामांकन दर्ज किया गया है।

अमेरिका से भारत लाया गया भगोड़ा लखविंदर कुमार

विदेश और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर सीबीआई ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भगोड़े अपराधी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे लखविंदर कुमार को भारत लाया जा चुका है। हरियाणा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। लखविंदर कुमार को सीबीआई अमेरिका से भारत लेकर आई है। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। इसके तहत उसे दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर लाया गया, जहां उसे हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

कई मामलों में वांछित था लखविंदर कुमार :

लखविंदर कुमार हरियाणा पुलिस के कई मामलों में वांछित था। उस पर फिरौती, गैरकानूनी हथियार रखने और हत्या के प्रयास जैसे कई गंभीर मुकदमे चल रहे हैं। हरियाणा पुलिस ने 26 अक्टूबर 2024 को इंटरपोल के जरिए लखविंदर कुमार के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की थी। इसके बाद ही यह कार्यवाही हुई।

सीबीआई ने क्या कहा :

सीबीआई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सीबीआई ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से, वांछित भगोड़े लखविंदर कुमार की 25 अक्टूबर को अमेरिका से वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया है।

लखविंदर कुमार हरियाणा पुलिस द्वारा जबरन वसूली, धमकी, अवैध हथियार रखने और इस्तेमाल करने तथा हत्या के प्रयास से संबंधित कई आपराधिक मामलों में वांछित है। लखविंदर कुमार लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा एक गैंगस्टर है।

एजेंसी ने आगे कहा, इससे पहले सीबीआई ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर 26 अक्टूबर 2024 को इंटरपोल के माध्यम से लखविंदर कुमार के खिलाफ रेड नोटिस प्रकाशित करवाया था। लखविंदर कुमार को अमेरिका से प्रत्यर्पित किया गया और वह 25 अक्टूबर 2025 को भारत पहुंचा।

हाथ में बंदूक, माथे पर खूनी टीका, जल-जंगल-जमीन का नारा

कौन थे कोमरम भीम जिनका जिक्र पीएम मोदी ने किया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोमरम भीम... जिनके जीवन पर एसएस राजामौली ने आरआरआर फिल्म बनाई थी, उनके नाम को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडिया कार्यक्रम 'मन की बात' में कोमाराम भीम का जिक्र किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने कहा कि कोमरम भीम साहस और बलिदान की मूर्ति थे, जिन्होंने लाखों लोगों, खासतौर पर आदिवासी समुदाय के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी थी।

कोमरम भीम वो आदिवासियों की आवाज उठाने वाले वो शख्स थे, जिनके हाथ में बंदूक, माथे पर खूनी टीका और मुंह पर जल-जंगल-जमीन का नारा होता था। कोमरम भीम को लोग और खासतौर पर आदिवासी आज भी भगवान की तरह पूजते हैं। कोमाराम भीम के संघर्ष की कहानी उस दौर की है, जब देश पर अंग्रेजों का शासन था और आदिवासियों को हैदराबाद के निजाम का अत्याचार झेलना पड़ रहा था। आदिवासियों पर निजाम बेइंतहा जुल्म ढाया करता था। जी तोड़ मेहनत करके फसल उगाने वालों को भारी भरकम टैक्स चुकाना पड़ता था। कुल मिलाकर गरीबों का जीवन दूभर हो गया था।

हैदराबाद की आजादी के जारी रखा संघर्ष :

इस बीच 22 अक्टूबर 1901 में तेलंगाना के गोंड आदिवासी परिवार में जन्म लेने वाले कोमरम भीम ने अन्याय के खिलाफ विद्रोह छेड़ने की कसम खा ली थी। हैदराबाद की आजादी के लिए कोमरम ने आसफ जाही राजवंश के खिलाफ विद्रोह छेड़ दिया था। आदिवासी परिवार में जन्मे इस वीर सपूत ने गोरिल्ला युद्ध के जरिए लंबे समय तक संघर्ष किया। धीरे-धीरे कोमरम भीम आदिवासियों के भगवान बन गए। कोमाराम भीम ने ही जल, जंगल और जमीन का नाम भी दिया और निजाम की सत्ता के खिलाफ अपना अभियान जारी रखा। एक दिन छल के जरिए उन्हें मार दिया गया।

दिल्ली : दो साल में अक्टूबर का सबसे ठंडा दिन

तापमान 15.8 : चक्रवात मोन्था के लिए ओडिशा-आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में हाई अलर्ट, उत्तराखंड की देवताल झील जमी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में रविवार की सुबह इस सीजन में सबसे ठंडी रही। पिछले दो साल में अक्टूबर का तापमान सबसे कम रिकॉर्ड किया गया जो की 15.8 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार सुबह आनंद विहार और वजीरपुर में लगातार दूसरे दिन AQI लेवल 400 से ज्यादा दर्ज हुआ। पंजाब के कपूरथला में AQI लेवल 1000 से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ।

हिमालय से सटे राज्यों में अक्टूबर में हुई बर्फबारी के बाद से तापमान में गिरावट जारी है। उत्तराखंड के चमोली में भारत-चीन बॉर्डर के पास लगभग 18 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित देवताल झील पूरी तरह से जम गई है। वहीं मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड में तेज बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। मध्य प्रदेश के श्योपुर में खेत में रखा धान बारिश में बह गया।

उधर, बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र आंध्रप्रदेश की तरफ बढ़ता जा रहा है। 27 अक्टूबर को यह चक्रवात में बदल सकता है। इसे मोन्था नाम दिया है, जो थाईलैंड ने दिया है। जिसका अर्थ है सुगंधित फूल या सुंदर फूल।

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन 26 अक्टूबर तक डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा और 27 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवात मोन्था में बदल जाएगा। यह 28 अक्टूबर की शाम या रात को आंध्रप्रदेश के काकीनाड़ा के पास तट से टकरा सकता है।

तूफान के दौरान 90–100 kmph की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं, चक्रवात मोन्था के खतरे को देखते हुए ओडिशा फायर विभाग पूरी तरह अलर्ट पर है। विभाग ने बताया कि 27 से 29 अक्टूबर के बीच तूफान के असर की आशंका है। सभी जरूरी इंतजाम कर लिए गए हैं। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने कहा है कि वे पूरी तरह तैयार हैं। सभी पावर बोट, ओबीएम, पावर कटर और पोर्टेबल लाइट्स तैयार रखी हैं ताकि अंधेरे में भी राहत और बचाव किया जा सके। बालासोर डीएम ने कहा कि चक्रवात

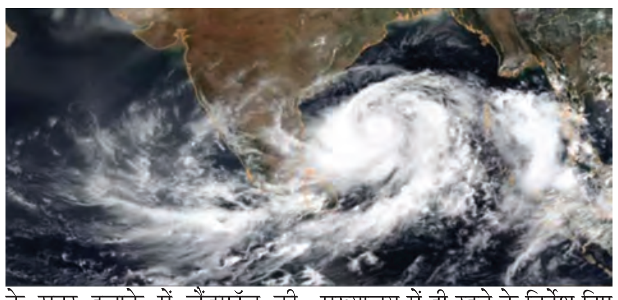

के सदर इलाके में लैंडफॉल की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 से 29 अक्टूबर तक यलो अलर्ट और 30 अक्टूबर को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सभी विभागों 24 घंटे एक्टिव हैं।

उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है, सूखी राशन सामग्री का इंतजाम किया गया है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। वहीं गंजम में मोन्था को लेकर प्रशासन ने जीरो कैजुअल्टी का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिला कलेक्टर कीर्ति वासन वी ने सभी सरकारी कर्मचारियों को 30 अक्टूबर तक मुख्यालय में ही रहने के निर्देश दिए हैं।

पूर्वी मध्य अरब सागर और दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे चक्रवाती सिस्टम के मद्देनजर भारतीय सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अगले 48 घंटों में तूफन मोंथा तेज होने की आशंका है। सेना ने कहा कि नेशनल डिसास्टर मैनेजमेंट असोसिएशन और संबंधित राज्य सरकारों के साथ समन्वय में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

तीन राज्य, जहां च्रकवात मोन्था का असर दिखेगा

आंध्र प्रदेशः 27 से 28 अक्टूबर तक यनम और रायलसीमा के कई इलाकों में भारी बारिश की आशंका है। तूफान से निपटने के लिए आज राज्य में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

ओडिशाः 28 और 29 अक्टूबर को कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। सबसे संवेदनशील जिलों में गंजम, गजपति, रायगढ़, कोरापुट और मलकानगिरी शामिल हैं।तमिलनाडुः राज्य में कई जगहों पर बारिश की संभावना है। 26 से 28 अक्टूबर को कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई में सबसे ज्यादा बारिश का अलर्ट है।

लोकल सर्किल्स के सर्वे के मुताबिक, दिल्ली-NCR के 25% परिवारों का कोई न कोई सदस्य आंखों में जलन, सिरदर्द या नींद न आने की समस्या से जूझ रहे हैं। हर चार में से 3 परिवारों में कोई न कोई बीमार है। 42% घरों में किसी न किसी को गले में खराश या खांसी की शिकायत है। हालांकि इस साल पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 77.5% की कमी आई है। इसके बावजूद दिल्ली की हवा में सुधार नहीं दिखा।

असम का कमरकुची बना सिंगर जुबीन का स्मारक स्थल

गांव में हर रोज 5 से 10 हजार लोग पहुंच रहे; अबतक 5 लाख गमछे चढ़े

सोनापुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने से हो गई थी। 23 सितंबर को सोनापुर जिले के कमरकुची में उनका अंतिम संस्कार हुआ था। गुवाहाटी से 31 किमी दूर इस गांव में 10 बीघा के करीब जमीन को जुबीन का 'देवालय' सा मान लिया गया है।

अब यहां हर रोज 5 से 10 लोग उनकी समाधि पर पहुंच रहे हैं। कई ऐसे भी हैं जो यहां 500-800 किमी दूर से पहुंच रहे हैं। इनमें हर उम्र के लोग शामिल हैं। जुबीन ने 52 की उम्र तक 40 हजार से ज्यादा गाने खुद लिखे और गाए।

जुबीन के अंतिम संस्कार के बाद से इन 36 दिनों में उनकी समाधि पर अब तक 5 लाख से ज्यादा असमिया गमछे चढ़ाए जा चुके हैं। हजारों चिट्ठियां जुबीन के नाम पर यहां चढ़ाई जा चुकी हैं। यहां आने वाले लोग भी वही गमछा पहने नजर आते हैं, क्योंकि जुबीन अपनी असमिया पहचान के लिए इसे चूमते थे। इन गमछों में वही बातें लिखी हैं, जिन्होंने जुबीन को 'असम का लाड़ला' बनाया। गमछों पर लिखा है- जय जुबीन दा। धेमाजी जिले के जोनाई से आईं मनीषा मिली गुरुंग बोलीं- मेरे बेटे सुनु को 2015 में किडनी की बीमारी हुई। जब यह बात जुबीन दा को बताई तो इलाज के लिए 5.50 लाख दिए। किसी अनजान से कोई इतनी मोहब्बत कैसे कर सकता है? मैं बीमार हूं, कई दिनों से भर्ती हूं, फिर अस्पताल से निकलकर उन्हें ढूंढ़ने यहां आई हूं। उन्होंने मेरा दर्द बांटा था, आज उनका दर्द बांट रही हूं।

गुवाहाटी से आई मोरोनी राभा गुमसुम बैठे रोते हुए मिलीं। उन्होंने दो टूक कहा- यह जगह श्मशान नहीं, अब देवालय बन चुकी है और हम भक्त। महिलाएं 24 घंटे भजन-कीर्तन कर रही हैं। जुबीन के प्रति भक्ति दर्शाने के लिए घंटों अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं। ऐसा नजारा अब दुनिया में कहीं नहीं दिखेगा, जहां एक कलाकार के लिए लाखों लोग निकल कर साथ आएं।

गुवाहाटी से 300 किमी दूर धुबड़ी से अपनी पत्नी और 10 साल की बेटी के साथ आए मफीजुल हक कहते है, 'जुबीन दा किसी भी जाति-धर्म में भेदभाव नहीं करते थे। उन्होंने मुसलमान बच्चों की पढ़ाई के लिए 10 लाख रुपए दान दिए थे। मैं बेटी को उनके जैसा बनाना चाहता हूं, इसलिए उसे साथ लाया हूं।

गोरेश्वर से आए 70 साल के रूपनाथ कलिता कहते हैं कि जुबीन अक्सर अपने संगीत कार्यक्रमों में खुलकर कहा करते थे कि मेरी कोई जाति नहीं है, धर्म नहीं है, भगवान नहीं हैं। मैं मुक्त हूं। कंचनजंघा हूं। सार्वजनिक मंचों से नेताओं को इतना कुछ कह देते थे, लेकिन कभी किसी ने उफ तक नहीं की। लोग इन बातों को गमछों पर लिखवाकर यहां आए हैं।

भूस्खलन से बड़ा हादसा, पति की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल; आठ मकान जमींदोज

इडुक्की, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।केरल के पहाड़ी जिले इडुक्की में शनिवार रात एक भूस्खलन ने तबाही मचा दी। हादसे में 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना अदिमाली के मन्नमकंदम इलाके में हुई, जहां राष्ट्रीय राजमार्ग NH-85 के चौड़ीकरण कार्य के दौरान पहाड़ की मिट्टी ढह गई और कम से कम आठ घर जमींदोज हो गए। मृतक की पहचान लक्ष्मवीडु उन्नाथी के बीजू (48) के रूप में हुई है। उनकी पत्नी संध्या घायल हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, कॉलोनी में कुल 22 घर थे। भूस्खलन का खतरा देखते हुए शनिवार शाम सभी परिवारों को राहत शिविरों में शिफ्ट कर दिया गया था। हालांकि, बीजू और संध्या रात में घर लौट आए ताकि कुछ जरूरी सामान और खाना तैयार कर सकें। अदिमाली ब्लॉक पंचायत सदस्य कृष्णमूर्ति ने बताया कि जब वे घर के अंदर थे, तभी रात करीब 10.30 बजे पहाड़ की मिट्टी खिसक गई और आठ घर पूरी तरह दब गए।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को सूचना दी। इसके बाद पांच घंटे तक चला बचाव अभियान चलाया गया। बीजू और संध्या को मलबे से बाहर निकाला गया, लेकिन बीजू ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। कृष्णमूर्ति ने बताया कि संध्या को पहले अदिमाली के अस्पताल में भर्ती किया गया था, बाद में उन्हें अलुवा अस्पताल शिफ्ट किया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि एनएच-85 का चौड़ीकरण कार्य असुरक्षित तरीके से किया जा रहा था। एक स्थानीय निवासी सुल्फी ने बताया पहाड़ की मिट्टी को बिना किसी सुरक्षा उपाय के हटाया जा रहा था। अधिकारियों को चेतावनी दी गई थी, लेकिन काम जारी रहा।

एक अन्य निवासी अनस (जिसका घर पूरी तरह तबाह हो गया) ने कहा कि उन्होंने सुबह ही पहाड़ी में दरारें देख ली थीं और अधिकारियों को सूचना दी थी। उन्होंने कहा हमें शाम तक स्कूल कैंप में शिफ्ट कर दिया गया, लेकिन काम बंद नहीं हुआ। अब रहना बेहद खतरनाक है।

पंजाब के पूर्व डीआईजी भुल्लर का विदेशी कनेक्शन

दुबई में 2, कनाडा में 3 फ्लैट, सीबीआई को लुधियाना में 20 दुकानों का भी पता चला

चंडीगढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिश्वत केस में पकड़े पंजाब के रोपड़ रेंज के पूर्व DIG हरचरण सिंह भुल्लर का विदेशी कनेक्शन सामने आया है। भुल्लर के ड्यूटी के दौरान ही करीबन 10 बार दुबई यात्रा पर जाने की चर्चा है। सीबीआई ने भुल्लर का पासपोर्ट अपने कब्जे में लिया हुआ है। इसके माध्यम से उनके विदेश दौरों की डिटेल जुटाई जा रही है।

सीबीआई के आधिकारिक सूत्रों अनुसार अब तक भुल्लर के दुबई में 2 और कनाडा में 3 फ्लैट का पता चला है। इसके अलावा उनके पास लुधियाना में लगभग 55 एकड़ जमीन और माछीवाड़ा क्षेत्र में 20 दुकानों की जानकारी भी सीबीआई के हाथ लगी है। सीबीआई को शक है कि भुल्लर ने अपनी तैनाती के दौरान विदेशों में भी संपत्ति बनाई।

सीबीआई सूत्रों का कहना है कि एजेंसी अब इन सभी संपत्तियों के सोर्स का पता लगाने में जुटी है और यह जांच भी की जा रही है कि क्या इन संपत्तियों को किसी अन्य नाम पर खरीदा गया था। आने वाले दिनों में भुल्लर की संपत्तियों को लेकर और खुलासे होने की संभावना है।

इस तरह के अधिकारियों के बारे में मंत्रियों को पता होता हैः पूर्व डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय ने निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा है कि इस तरह के अधिकारियों के बारे में मंत्रियों और अधिकारियों को पता रहता है। जो पैसा इनके पास से मिला है, वह कुछ एक दिनों में तो नहीं आया है। जिससे जाहिर है कि सभी को उसके बारे में पता था। मगर इस मामले पर कोई बोल नहीं रहा था।

बड़े मगरमच्छ पुलिस विभाग में बैठे हैंः पूर्व डीजीपी ने बताया कि भुल्लर महज एक ऐसा अफसर नहीं है जो इस तरह के काम कर रहा है। उससे भी बड़े मगरमच्छ पुलिस विभाग में बैठे हैं, जो मंत्रियों, अफसरों और यहां तक कि जजों की जरूरतें पूरी करते रहे हैं और कर भी रहे हैं। भुल्लर की गिरफ्तारी के बाद सरकार के विपक्ष के सभी नेताओं ने चुप्पी साधी हुई है।

कृष्णु को सरकारी गवाह बना सकती है सीबीआई

मंडी गोबिंदगढ़ के व्यापारी से रिश्वत की सेटिंग करवाने वाले कृष्णु को सीबीआई की तरफ से सरकारी गवाह बनाया जा सकता है। इसके लिए सीबीआई की तरफ से कृष्णु को राजी करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अगर वह सरकारी गवाह बनता है तो इससे हरचरण सिंह भुल्लर की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं।

कर्नाटक में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के शक में युवक को डंडों से पीटा, मौत

बीदर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीदर में 27 वर्षीय युवक की एक महिला के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के शक में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के गांव गाउनगांव निवासी विष्णु के रूप में हुई है। पुलिस ने महिला के पिता अशोक और भाई गजानन को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना मंगलवार को चिन्ताकी गांव में हुई। पुलिस को सूचना मिली कि गांव में एक आदमी को बांधकर पीटा जा रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने विष्णु को बेहोश अवस्था में पाया। उसे पहले चिन्ताकी के सरकारी अस्पताल और बाद में बीदर के BRIMS अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

विष्णु की मां लक्ष्मी ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा पिछले एक साल से पूजा नाम की विवाहित महिला के साथ रिश्ते में था। पूजा कुछ महीने पहले अपने पति को छोड़कर विष्णु के साथ रहने लगी थी, लेकिन तीन महीने पहले वह अपने मायके नागनपल्ली लौट आई थी। मंगलवार को विष्णु दो दोस्तों के साथ पूजा से मिलने गया था, तभी पूजा के पिता और भाई ने मंदिर परिसर में उसे पकड़ लिया और डंडों से पीट-पीटकर मार डाला।

हिसार की यूट्यूबर ज्योति जेल से बाहर नहीं आएगी

जमानत याचिका खारिज, कोर्ट ने कहा- बाहर जाकर जांच को प्रभावित कर सकती है

चंडीगढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार सेशन कोर्ट ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार की गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने फैसले के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपी की जमानत पर रिहाई से जांच में बाधा आ सकती है।

बता दें कि हिसार पुलिस ने यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' चलाने वाली 34 वर्षीय ज्योति को 16 मई को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के कानून के तहत गिरफ्तार किया था। ज्योति फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

रिकॉर्ड में काफी गंभीर मामला मौजूदः एडिशनल सेशन जज डॉ. परमिंदर कौर की अदालत ने कहा- रिकॉर्ड में प्रथम दृष्टया सरकारी गोपनीयता अधिनियम और BNS प्रावधानों के तहत काफी गंभीर मामला मौजूद है। अभियुक्त के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट से बरामद फोरेंसिक मटेरियल, एसएमएसी (मल्टी-एजेंसी सेंटर) खुफिया इनपुट और एक विदेशी अधिकारी के साथ संपर्कों की गतिविधियां आशंका पैदा करती हैं कि आरोपी की जमानत पर रिहाई जांच में बाधा डाल सकती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ सकती हैः कोर्ट ने कहा- आरोपी डिजिटल एविडेंस के साथ छेड़छाड़ में मदद कर सकती है या सार्वजनिक हित और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है। सार्वजनिक हित और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी विचार विशेष महत्व रखते हैं। ये आरोप यदि सिद्ध हो जाएं तो राज्य के संप्रभु हित को नुकसान पहुंचाएंगे।

अदालतों को ध्यान रखना चाहिएः कोर्ट ने कहा, अदालतों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यदि आरोपी को जमानत देने से सार्वजनिक व्यवस्था या सुरक्षा को खतरा हो या आरोपी न्याय प्रक्रिया को प्रभावित करने की स्थिति में हो तो उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

कोर्ट में ज्योति के वकील ने दलील दी कि जांच में जिन खुफिया जानकारियों पर भरोसा किया गया है, उनकी जांच नहीं की गई है और अभियोजन पक्ष विदेशी एजेंटों के साथ संवेदनशील सामग्री शेयर करने के सबूत अदालत में पेश नहीं कर पाया है।

फर्जी इरिडियम की डीलिंग में 27 लोग गिरफ्तार

करोड़ों का लेन देन कर रहे थे, क्राइम ब्रांच-क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने कस्टमर बनकर पकड़ा

चेन्नई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु पुलिस की क्राइम ब्रांच-क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने एक बड़े वित्तीय घोटाले का भंडाफोड़ करते हुए शनिवार को 27 लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी लोग कई करोड़ के इरिडियम स्कैम में शामिल थे, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक का नाम लेकर आम लोगों से ठगी की जा रही थी।

आरोपियों का दावा था कि दुर्लभ धातु 'इरिडियम' की बिक्री से विदेश से लाखों रुपए कमाए जा सकते हैं। ठगों ने लोगों को यह कहकर फंसाया कि RBI इस धातु की बिक्री की मंजूरी देता है। उन्होंने नकली भारतीय रिजर्व बैंक दस्तावेज तैयार किए और फर्जी ईमेल खातों से पीड़ितों से संपर्क किया। इससे पूरा उनकी बातें असली जैसी लगीं। मामले में कई गैंग ने रजिस्ट्रेशन रहित ट्रस्ट बनाकर करोड़ों रुपए वसूले।

पुलिस ने बताया कि आरोपी लोगों से '1 लाख दो, 1 करोड़ पाओ' या 'इरिडियम बेचकर विदेश से करोड़ों मिलेंगे' जैसे दावे कर ठगी करते थे। तमिलनाडु पुलिस ने लोगों से ऐसे किसी भी लालच में न आने की चेतावनी दी है और साइबर या क्राइम ब्रांच को तुरंत रिपोर्ट करने को कहा है। सभी गिरफ्तार आरोपी अब न्यायिक हिरासत में भेजे गए हैं।

क्राइम ब्रांच-क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट की जांच में सामने आया कि इस धंधे का नेटवर्क तमिलनाडु के 15 जिलों में फैला है। 23 और 24 अक्टूबर को पुलिस ने एक साथ कई जगह रेड कर 27 लोगों को पकड़ा।

इनमें मुख्य आरोपी कंबम चंद्रन, पेरुमनल्लूर रानी, मुसिरी युवराज, वरुसनाडू पल्लानीअम्मल और नागपट्टिनम राजासिवम शामिल हैं।

इससे पहले, 12 सितंबर को हुई पहली कार्रवाई में पुलिस 30 अन्य लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी।

उत्तराखंड से 10 हजार लोगों ने देखा कैलाश पर्वत

भावुक हुआ एक श्रद्धालु, आखिर कैसे बिना तिब्बत गए हुए शिव के दर्शन

पिथौरागढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। यह साल आदि कैलाश जाने वाले यात्रियों के लिए सुखद रहा। भगवान शिव के प्राचीन निवास स्थल आदि कैलाश आने वाले 30 हजार यात्रियों में 10 हजार यात्री ऐसे थे जिन्हें तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। इनमें से एक शिवभक्त तो भारत से ही तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत के दर्शन कर भावुक हो गया और रोने लगा, युवक का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

दरअसल, आदि कैलाश के दर्शनों के लिए आने वाले पर्यटक ओम पर्वत देखने भी जाते हैं। इस वर्ष 30 मई से शुरू हुई आदि कैलाश यात्रा में नाभीढांग में सेना की अनुमति मिलने के बाद विभिन्न प्रदेशों से आए यात्रियों ने 200 मीटर की कठिन चढ़ाई कर 18,800 फुट की ऊंचाई पर स्थित ओल्ड लिपुपास दर्रे में पहुंचकर कैलाश पर्वत के दर्शन किए।

ओल्ड लिपुपास समुद्रतल से 18,800 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। यात्रियों को गुंजी से नाभीढांग तक 20 किलोमीटर की सड़क यात्रा करनी होती है, जिसके बाद 200 मीटर की कठिन पैदल चढ़ाई चढ़कर चोटी पर पहुंचा जाता है। तेज हवाओं के कारण यात्रियों को दर्शन के लिए केवल आधे घंटे का समय मिलता है। मौसम साफ होने पर ही कैलाश पर्वत दिखाई देता है, इसलिए चोटी पर यात्रा बहुत चुनौतीपूर्ण मानी जाती है।

चीन से सीमा विवाद और कोरोना के कारण 2019 के बाद से कैलाश मानसरोवर यात्रा बंद थी। इससे श्रद्धालु निराश थे। इसे देखते हुए पर्यटन विभाग ने ओल्ड लिपुपास से दो किमी ऊपर खड़ी चढ़ाई पर 18 हजार फुट से कैलाश के दर्शन कराने के लिए योजना बनाई। इस संबंध में पर्यटन विभाग ने रक्षा मंत्रालय से अनुमति मांगी थी। रक्षा मंत्रालय से अनुमति मिलने के बाद पर्यटन

विभाग ने कैलाश दर्शन स्थल का निरीक्षण किया था। इसके बाद दर्शन कराने के लिए एसओपी बनाने का निर्णय लिया गया। साल 2023 में भी बड़ी संख्या में यात्रियों ने ओल्ड लिपुपास से कैलाश के दर्शन किए थे।

गुजरात से आए श्रद्धालु रूबिन चोटी पर पहुंचते ही भावुक हो उठे और रोने लगे। उन्होंने कहा कि उन्हें साक्षात शिव के दर्शन का अनुभव हुआ और यात्रा उनके जीवन की अद्भुत स्मृति बन गई। मुरादाबाद से आए यात्री यशपाल सिंह और उनके 23 साथी भी कठिन चढ़ाई के बाद पूजा अर्चना कर मानसिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर सके।

बीआरओ अधिकारियों और कर्मचारियों ने विषम परिस्थितियों में गुंजी से ज्योलिंगकांग और नाभीढांग तक सड़क बनाई है। इस कारण यात्रियों और स्थानीय ग्रामीणों के लिए आवाजाही आसान हुई। सड़क निर्माण से यात्रा में सुविधा आई और प्रतिवर्ष अधिक पर्यटक आदि कैलाश पहुंच रहे हैं, जिससे पर्यटन गतिविधियां क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही हैं।

ओम टूर एंड ट्रैवल्स के संचालकों हरीश कुटियाल और सोमित नबियाल के अनुसार इस वर्ष तक उन्होंने 5000 यात्रियों को आदि कैलाश और ओम पर्वत का दर्शन कराया। इसके अलावा लगभग 1000 यात्रियों को कैलाश पर्वत तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर खुल गए हैं और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार आया है।

इंदौर जा रही एसी बस में आग लगी

अशोकनगर में तेजी से उठीं लपटें; हेड कॉन्स्टेबल और ड्राइवर दोनों ने बस के कांच तोड़कर यात्रियों को निकाला

अशोकनगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अशोकनगर जिले में शनिवार रात एक भीषण हादसा हो गया। शिवपुरी जिले के पिछोर से इंदौर जा रही एक यात्री बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। घटना अशोकनगर जिले के ईसागढ़ रोड पर बमनावर गांव के पास रात करीब 8 बजे की है। बस कमला ट्रैवल्स की थी और उसमें इंदौर जाने वाले यात्री सवार थे। आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार एक पुलिसकर्मी और ड्राइवर ने कांच तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। पास ही मौजूद लोग भी मदद के लिए दौड़े। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आग लगने की सूचना मिलते ही ईसागढ़ और अशोकनगर पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल की एक गाड़ी ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन पानी खत्म होने के बाद भी लपटों पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद दूसरी फायर ब्रिगेड बुलाई गई।

बस स्टाफ ने बताया कि बस शिवपुरी जिले के पिछोर से चलकर ईसागढ़ और अशोकनगर के रास्ते इंदौर जा रही थी और लगभग सभी सीटें भरी हुई थीं। स्टाफ का कहना है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया। बस के अंदर जाकर जांच भी की गई।

अशोकनगर से करीब 50 किमी पहले कदवाया थाने के हेड कॉन्स्टेबल अरविंद सिंह रघुवंशी इसी बस में सवार हुए थे। उन्होंने बताया कि वह डाक लेकर अशोकनगर जा रहे थे। जैसे ही बमनावर गांव के पास पहुंचे तो बस के अगले हिस्से अल्टीनेटर में आग लग गई। देखा तो धुआं निकलने लगा था आग की लपटें बढ़ती जा रही थी। तत्काल ही बस में सवार सभी यात्रियों से बाहर निकलने को कहा। हालांकि गेट से एक साथ इतने यात्री बाहर नहीं निकाल सकते थे।

10 मिनट में बस पूरी जल गई

हेड कॉन्स्टेबल रघुवंशी बताया कि मैंने और ड्राइवर दोनों ने बस के सभी कांच तोड़ दिए और एक-एक कर सभी को बाहर निकाला। इसके बाद एक बार अंदर जाकर चेक किया कि कोई रहे तो नहीं गया। अंदर कोई भी व्यक्ति नहीं था। यात्री बाहर निकले ही थे के इतने में बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। लगभग 10 मिनट में पूरी बस में आग लग गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएँ आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती है!

जुबली हिल्स उपचुनाव : असामान्य चुनाव चिन्हों के साथ मुकाबला

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पंजीकृत दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए हैं। पंजीकृत दलों के उम्मीदवारों को चपाती रोलर और रोड रोलर चिन्ह आवंटित किए गए हैं। अंबेडकर नेशनल पार्टी के उम्मीदवार चेपुरी राजू को रोड रोलर, जबकि अलायंस ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स पार्टी के अंबोजू बुधैया को चपाती रोलर चिन्ह आवंटित किया गया है। विपक्षी बीआरएस पार्टी ने पहले चुनाव आयोग से इन चिन्हों को हटाने की अपील की थी।

पार्टी ने चिंता व्यक्त की थी कि कार चिन्ह के पास होने के कारण मतदाता चिन्हों को पहचानने में भ्रमित हो रहे हैं। चुनाव आयोग इस उपचुनाव में बैलेट यूनिट में उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें छापेगा। इससे बीआरएस पार्टी को बड़ा झटका लगने की उम्मीद है। जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग द्वारा आवंटित मतपत्र में, राष्ट्रीय पार्टी भाजपा उम्मीदवार लंकाला दीपक रेड्डी (कमल) को आवंटित चुनाव चिन्ह पहले स्थान पर है, एक अन्य राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव (हाथ) दूसरे स्थान पर और बीआरएस पार्टी उम्मीदवार मगंटी सुनीता गोपीनाथ (कार) तीसरे स्थान पर हैं।

5वें नंबर पर, तेलुगु राजाधिकार समिति पार्टी के उम्मीदवार को साबुनदानी चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है और 9वें नंबर पर, अलायंस ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स पार्टी के उम्मीदवार को चपाती रोलर चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है, जबकि 13वें नंबर पर, अंबेडकर नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार को रोड रोलर चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। 21वें नंबर पर, प्रजा वेलुगु पार्टी के उम्मीदवार को कैमरा चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है और 28वें नंबर पर ऑल इंडिया मज्जित-ए-इन किलाब-ए-मिलत के उम्मीदवार को जहाज चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। हालांकि, आमतौर पर एक मतदान केंद्र पर एक बैलेट यूनिट पर नोटा सहित 16 नाम, चुनाव चिन्ह और तस्वीरें होती हैं। इसका मतलब है कि पहली ईवीएम में बीआरएस पार्टी के साथ, 5वें नंबर पर एक साबुनदानी, 9वें नंबर पर एक चपाती बनाने वाला और 13वें नंबर पर एक रोड रोलर के साथ एक कार होगी। यह देखना बाकी है कि जुबली हिल्स उपचुनाव में बीआरएस पार्टी इन बाधाओं को कैसे पार करेगी, जिसमें उसकी जीत तय है। इस बीच, जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की अंतिम सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर साई राम ने घोषणा की कि 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में 58 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। कुल 211 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, जिनमें से 81 उम्मीदवार योग्य पाए गए। उनमें से विभिन्न दलों और कई निर्दलीय उम्मीदवारों के कुल 23 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापस ले लिए। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के इतिहास में यह पहली बार है कि इतने सारे लोग चुनाव लड़ रहे हैं। 2009 के चुनावों में पार्टी के 13 उम्मीदवार, 2014 के चुनावों में 21, 2018 के चुनावों में 18 और 2023 के चुनावों में 19 उम्मीदवार चुनाव लड़े। इनमें से भारत राष्ट्र समिति की उम्मीदवार मगंटी गोपीनाथ विजयी हुईं।

सिकंदराबाद में बोडराई महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद की हमाली बस्ती में रविवार को बोडराई महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव, पूर्व मंत्री टी हरीश राव, तलसानी श्रीनिवास यादव, पूर्व उपसभापति टी पद्म राव गौड़ और कई स्थानीय नेता शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया और सड़कों पर उत्सव का माहौल छा गया।

कार्यक्रम के दौरान रामा राव ने तलसानी श्रीनिवास यादव की सराहना करते हुए कहा कि वे हर कठिनाई में लोगों के साथ खड़े रहते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अच्छे दिन लौटाने के लिए 11 नवंबर को जुबली हिल्स उपचुनाव में कार चुनाव चिन्ह के लिए वोट करें और पार्टी की जीत सुनिश्चित करें। हरीश राव ने बोडराई महोत्सव को जाति और धर्म से परे एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि गांवों में सभी मिलकर यह त्योहार मनाते हैं और हैदराबाद में भी यह भावना जीवित देखकर खुशी हुई। उन्होंने आशा व्यक्त की कि तेलंगाना अपनी बदहाली से उबरकर फिर से पुराना गौरव हासिल करेगा।

पुलिस ने संदिग्ध लुटेरे को गोली मारकर रोका

एआईएमआईएम ने स्वतंत्र जांच की मांग की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चदरघाट में पुलिस ने एक संदिग्ध लुटेरे को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, सैयद उमर अंसारी ने मोबाइल फोन छीनकर भागने की कोशिश की और पुलिस पर हमला किया। कालापाथर पुलिस थाने की टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया। डीसीपी (दक्षिण पूर्व) एस चैतन्य कुमार और उनके निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) ने अंसारी का पीछा किया। जब पीएसओ ने उसे पकड़ लिया, तो अंसारी ने चाकू से हमला करने की कोशिश की। इस पर डीसीपी ने पीएसओ का हथियार छीनकर अंसारी पर तीन राउंड फायरिंग की। अंसारी को दो गोलियां लगीं और बाद में उसे बंजारा हिल्स स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। एआईएमआईएम के बहादुरपुरा विधायक मोहम्मद मुबीन ने अस्पताल का दौरा किया और कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच कराकर सच्चाई सामने लाई जाए।

अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड विट्ठल राव नगर, माधापुर में 11वीं शाखा का उद्घाटन

माधापुर में अग्रसेन बैंक की 11वीं शाखा का भव्य उद्घाटन करते हुए डॉ. गिरीश कुमार संघी-पूर्व सांसद-राज्यसभा, प्रमोद कुमार केडिया, अध्यक्ष-अग्रसेन बैंक, निदेशक सहित बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने आज विट्ठल राव नगर, माधापुर में अपनी 11वीं शाखा का उद्घाटन किया। शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. गिरीश कुमार संघी, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं सीएमडी वार्ता प्रकाशन समूह द्वारा किया गया।

इसके साथ ही पी. रघुराम, वरिष्ठ अधिवक्ता, तेलंगाना ने स्ट्रांग रूम और सुरक्षित जमा लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया। चंद्रकांत अग्रवाल, उद्योगपति और समाजसेवी और दुष्यंत रेड्डी, वरिष्ठ अधिवक्ता, तेलंगाना ने सभी ग्राहकों के उपयोग के लिए बैंक की अन्य बैंकिंग सुविधाओं का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने बैंकिंग सेवाओं की बढ़ती माँग को पूरा करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि अग्रसेन बैंक इस कमी को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार आने वाले महीनों में एफएसडब्ल्यूएम श्रेणी (वित्तीय रूप से सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बैंक) के अंतर्गत उपयुक्त स्थान पर एक और शाखा खोलेगा। उन्होंने बताया कि बैंक तेलंगाना राज्य भर में अपनी शाखाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इसके लिए नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक संशोधन और अनुमोदन जल्द ही मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बैंक के सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों से अनुरोध किया कि वे माधापुर स्थित अपनी नवीनतम शाखा में अपने लाभ के लिए उपलब्ध कराई गई बैंकिंग सेवाओं के पूरे समूह का उपयोग शुरू करें, जो नवीनतम एटीएम केंद्र से भी सुसज्जित है।

उद्घाटन कार्यक्रम में सीए नवीन कुमार अग्रवाल- वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुरेश कुमार अग्रवाल - उपाध्यक्ष, नारायण दत्त - अध्यक्ष-बीओएम भी उपस्थित थे। निदेशक: मोहन अग्रवाल, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, श्रीमती अंजू केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल और महावीर पित्ती-सदस्य बीओएम भी मौजूद रहे।

विशिष्ट अतिथियों में बी एस रामा राव, सूर्यकांत अडेप्पा, सुरेश अग्रवाल, हजारीलाल केडिया, एम एल अग्रवाल, शांतनु चौधरी और अन्य ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इनके अलावा सी वी राव - महाप्रबंधक / सीईओ, कार्यक्रम में आनंद अग्रवाल - डीजीएम, प्रसाद गोलेगांवकर, गोपाल तिवारी, नितेश गुप्ता शाखा प्रबंधक और सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

21 वर्षीय छात्र ने कीटनाशक खाकर की आत्महत्या

पैसों के लिए यात्रा से इनकार को बताया कारण

मंचेरियल, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के गुडिरेवु गांव में रविवार को 21 वर्षीय स्नातक छात्र चितला अन्वेश ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, अन्वेश ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि उसके माता-पिता ने उसे यात्रा के लिए पैसे देने से इनकार किया था। बताया गया कि अन्वेश ने एक पखवाड़े पहले भी आत्महत्या का प्रयास किया था और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अन्वेश, जिसने हाल ही में अपनी डिग्री पूरी की थी, कुछ समय से बेरोजगार था। पुलिस ने यह नहीं बताया कि उसने अपने माता-पिता से कितनी रकम मांगी थी। उसके पिता राजीरेड्डी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच जारी है।

महिला नाइट रन का आयोजन, 1,100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी ने सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) के सहयोग से शनिवार रात गच्चीबावली में स्टारलाईट स्ट्राइड्स- महिला नाइट रन 2025 का पांचवां संस्करण आयोजित किया। इस आयोजन में महिलाओं की सुरक्षा, फिटनेस और सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया और जगमगाते रात के आसमान के नीचे 1,100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

दौड़ की शुरूआत कल्याण की महिला सुरक्षा विभाग की डीसीपी, कलामंदिर की निदेशक सृजना और हैदराबाद रनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर की। एससीएससी ने 20 प्रशिक्षित ट्रैफिक मार्शलों को तैनात करके प्रतिभागियों की सुरक्षा और कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सहयोग किया। सृजना ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को रात्रि दौड़ में भाग लेते देखना प्रेरणादायक है। कलामंदिर के अधिकारी श्री कल्याण ने कहा कि महिलाएँ शक्ति और गरिमा के साथ दौड़ सकती हैं और इस तरह की पहल का समर्थन गर्व की बात है। दौड़ में तीन श्रेणियां थीं- 10 किलोमीटर समयबद्ध दौड़, 5 किलोमीटर समयबद्ध दौड़ और 5 किलोमीटर फन रन- जिसमें सभी आयु वर्ग और फिटनेस स्तर की महिलाओं का स्वागत किया गया। कई प्रतिभागियों ने साड़ी पहनकर दौड़ में भाग लिया, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा।

वीकावेरी बस हादसे में माँ और बेटी की पहचान

कर्नूल में परिवार ने डीएनए के आधार पर शवों की पुष्टि की

मेदक, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नूल जिले में वीकावेरी ट्रैवल्स बस दुर्घटना में जलकर मरी 43 वर्षीय मंगा संध्यारानी और उनकी 23 वर्षीय बेटी चंदना के शवों की पहचान सरकारी अस्पताल में उनके परिवार के सदस्यों द्वारा डीएनए परीक्षण के माध्यम से की गई।

रविवार शाम को संध्यारानी के पति आनंद गौड़ को शव सौंप दिए गए। उन्हें शिववमपेट मंडल स्थित उनके पैतृक गांव शिववैपल्ली लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार सोमवार सुबह किया जाएगा।

मस्कट में काम करने वाले आनंद गौड़ अपनी पत्नी और बेटी की मौत की खबर सुनकर भारत लौट आए। संध्यारानी अपने पति के साथ दशहरा और दीपावली की छुट्टियों में अपने बच्चों चंदना (जो बेंगलुरू में तकनीकी विशेषज्ञ हैं) और वल्लभ (जो इलाहाबाद में स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं) के साथ समय बिताने के लिए भारत आई थीं। छुट्टियों के बाद आनंद मस्कट लौट गए, जबकि संध्यारानी वहीं रुक गईं। उन्होंने मस्कट के लिए उड़ान पकड़ने से पहले चंदना को बेंगलुरू छोड़ने की योजना बनाई थी। गुरुवार को माँ और बेटी हैदराबाद के चिंथल से वीकावेरी ट्रैवल्स की दुर्भाग्यपूर्ण बस में सवार हुईं, लेकिन उनकी यात्रा दुखद रूप से बीच में ही समाप्त हो गई।

‘सफेद कोट क्रांति’ का श्रेय केसीआर को

तेलंगाना के गुरुकुल स्कूलों के छात्रों को एमबीबीएस सीटें हासिल करने पर सम्मानित किया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने 32 जिलों में एक-एक सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित करके तेलंगाना में ‘सफेद कोट क्रांति’ की शुरूआत की। उन्होंने आवासीय कल्याण विद्यालयों के छात्रों द्वारा एमबीबीएस सीटें हासिल करने में मिली सफलता का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के समावेशी शिक्षा दृष्टिकोण को दिया।

रविवार को तेलंगाना भवन में जहीराबाद स्थित तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी (टीएमआरईआईएस) गुरुकुल स्कूल के छात्रों को सम्मानित किया गया। रामाराव ने कहा कि राज्य 2014 में सिर्फ चार मेडिकल कॉलेजों से आज 34 मेडिकल कॉलेजों तक पहुंच गया है, और गुरुकुल संस्थान पहली पीढ़ी के डॉक्टर तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने नए डॉक्टरों से अपील की कि वे ज़रूरतमंदों की मदद करें और अपनी सेवा से अपने माता-पिता तथा राज्य का गौरव बढ़ाएं। रामाराव ने बताया कि बीआरएस सरकार के तहत 1,022 गुरुकुल स्कूल स्थापित किए गए, जिनमें से प्रत्येक के 16 छात्र अब एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। हरीश राव ने अल्पसंख्यक कल्याण संस्थानों के छात्रों की उपलब्धियों की प्रशंसा की और बताया कि चंद्रशेखर राव ने 203 अल्पसंख्यक गुरुकुल स्कूल स्थापित किए, जो भारत में एक अभूतपूर्व पहल थी। कार्यक्रम में छात्र ओबेद, फिरदौस और प्रिया एंजेल सहित कई विद्यार्थियों ने गुरुकुल व्यवस्था के कारण अपनी सफलता और एमबीबीएस सीटें हासिल करने का श्रेय दिया। अभिभावकों ने चंद्रशेखर राव और बीआरएस सरकार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

उत्तेजक दवाओं की अवैध बिक्री पर चेतावनी

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने चेतावनी दी है कि कुछ जिम और फिटनेस सेंटरों में जिम जाने वालों के लिए एनाबोलिक-एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड और मेफेनटेरमाइन इंजेक्शन जैसी हृदय उत्तेजक दवाओं की अवैध खरीद-बिक्री हो रही है। ये दवाएं बॉडीबिल्डिंग के लिए दुरूपयोग की जा रही हैं।

डीसीए ने कहा कि इन दवाओं का शरीर सौष्ठव के लिए दुरूपयोग गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है, जिनमें हृदय संबंधी विकार, हार्मोनल असंतुलन, मानसिक गड़बड़ी और कुछ मामलों में मृत्यु शामिल हैं। उन्होंने लाइसेंसधारियों को याद दिलाया कि ऐसी दवाओं की बिक्री केवल पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी वैध नुस्खे पर ही हो सकती है। गैर-चिकित्सीय या अनुचित उद्देश्यों के लिए अवैध बिक्री औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 का उल्लंघन है और इसके लिए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीसीए ने मेडिकल दुकानों को सलाह दी कि वे दवा वितरण के दौरान सतर्क रहें और नियमों के अनुसार रिकार्ड रखें। आम जनता इन अवैध गतिविधियों या किसी अन्य संदिग्ध विनिर्माण गतिविधियों की शिकायत टोल-फ्री नंबर 1800-599-6969 पर कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक दर्ज करा सकती है।

आईकेपी नॉलेज पार्क में अंतर्राष्ट्रीय नॉलेज मिलेनियम कॉन्फ्रेंस का 19वां संस्करण

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईकेपी नॉलेज पार्क (आईकेपी) 26 से 28 अक्टूबर तक हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) और जीनोम वैली स्थित आईकेपी नॉलेज पार्क में अपने वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय नॉलेज मिलेनियम कॉन्फ्रेंस (आईकेएमसी) के 19वें संस्करण की मेजबानी करेगा।

आईकेएमसी 2025 का विषय है ‘ब्लूप्रिंट से परे: एक विघटित विश्व के लिए नवाचार का पुनर्मूल्यांकन’। इस सम्मेलन में विचारक, नवप्रवर्तक, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ आएंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि राष्ट्र और संगठन तेजी से जुड़ते हुए खंडित विश्व में तकनीकी संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक सहयोग के लिए किस प्रकार मंच तैयार कर सकते हैं।

सम्मेलन के हिस्से के रूप में, आईकेपी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईकेपी फ्यूचर फॉरवर्ड फंड के माध्यम से स्टार्ट-अप में 1 करोड़ रुपये तक का रणनीतिक निवेश करेगा। साथ ही, आईकेपी फ्यूचर स्टार्स पुरस्कार के तहत पांच युवा नवप्रवर्तकों (25 वर्ष से कम आयु) को 5 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

बैराजों की मरम्मत के लिए केवल पांच तकनीकी बोलियां मिलीं

राज्य सरकार की रुचि की अभिव्यक्ति के बावजूद अपेक्षित भागीदारी नहीं

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों के संरचनात्मक मुद्दों के समाधान के लिए केवल पांच संगठनों ने तकनीकी बोलियां प्रस्तुत की हैं। राज्य सरकार ने इस महीने की शुरूआत में रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की थी, लेकिन इंजीनियरिंग और शैक्षणिक समुदाय से प्रतिक्रियाएं अपेक्षित संख्या से कम रहीं। शनिवार शाम 5 बजे आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि समाप्त होने पर अधिकारियों को मामूली उपस्थिति ही मिली। बोलियों में आरवी एसोसिएट्स, आईआईटी चेन्नई, एक संयुक्त उद्यम वाली स्पेनिश फर्म और जापान की निप्पॉन इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स शामिल थीं।

सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गुणवत्ता और विविधता से वे उत्साहित हैं। अब बोलियों का मूल्यांकन किया जाएगा, और चुने गए उम्मीदवारों को अनुमोदन के लिए राज्य सरकार को भेजा जाएगा। इसके बाद योग्य संस्थाओं से वित्तीय बोलियों के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जाएंगी। इस लंबी प्रक्रिया के कारण राज्य के किसानों को पुनर्स्थापन प्रयासों में देरी से निराशा है। ईओआई के अनुसार प्रस्तावों का एनडीएसए दिशानिर्देशों के साथ पूर्ण संरेखण आवश्यक था।

एससीसीएल ने 10 लाख टन वार्षिक उत्पादन का रखा लक्ष्य

पेद्दापल्ली, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने गोदावरीखानी 11 इनक्लाइन भूमिगत कोयला खदान में तीसरा सतत खनिक (सीएम) लगाने का निर्णय लिया है। खदान में वर्तमान में दो निरंतर खनन मशीनें चल रही हैं, और नई मशीन जुड़ने से खदान का वार्षिक उत्पादन 10 लाख टन तक पहुंचाने का लक्ष्य है। जहां मौजूदा दो मशीनों का संचालन सीधे एससीसीएल द्वारा किया जाता है, वहीं नई मशीन को किराए पर लिया जाएगा। कंपनी ने इस उद्देश्य के लिए निजी एजेंसियों से 100 करोड़ रुपये का टेंडर आमंत्रित किया है। चालू होने के बाद जीडीके-11 इनक्लाइन देश की पहली खदान बन जाएगी जिसमें तीन निरंतर खनिक होंगे और यह एससीसीएल की पहली भूमिगत खदान होगी जो सालाना 10 लाख टन कोयला उत्पादन करेगी। कंपनी की योजना छह महीनों के भीतर मशीन चालू करने की है।

जीडीके-11 इनक्लाइन खदान का संचालन 1979 में शुरू हुआ और 1985 में कोयला उत्पादन शुरू हुआ। खदान में पहले बोर्ड और पिलर, लॉन्गवॉल और ब्लास्टिंग गैलरी जैसी विभिन्न खनन विधियों का इस्तेमाल हुआ। पहला सतत खनिक 2008 में और दूसरा 2021 में शुरू हुआ। सतत खनिक एक बड़ी मशीन होती है, जिसमें शक्तिशाली काटने वाले दांत लगे होते हैं जो कोयले की परतों को काटकर कन्वेयर बेल्ट के जरिए निकालते हैं। लगभग 350 मीटर गहराई पर स्थित कोयला भंडारों से निष्कर्षण दक्षता बढ़ाने के लिए सतत खनन विधि अपनाई गई है। खदान में कुल 53 मिलियन टन भंडार में से अब तक 20.5 मिलियन टन निकाला जा चुका है और अनुमानित 32.5 मिलियन टन कोयला शेष है।

सर्पदंश से बच्ची की मौत

राजन्ना-सिरसिला, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंदुर्थी मंडल के असिरेड्डीपल्ली गांव में शनिवार रात सांप के काटने से 18 महीने की बच्ची वेदांशी की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, रमेश और सुमलता की बेटी वेदांशी अपने घर के सामने खेल रही थी, तभी साँप ने उसे डस लिया। परिवार उसे तुरंत पास के अस्पताल ले गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ में एक्सप्रेस-वे पर चलती एसी बस में भीषण आग

90 की स्पीड में टायर फटा, दिल्ली से गोंडा जा रहे 70 यात्री बाल-बाल बचे

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे पर चलती एसी बस का टायर अचानक फट गया। इसके बाद भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में बस आग का गोला बन गई। हादसे के वक्त 70 यात्री सवार थे, सभी बाल-बाल सुरक्षित बच गए। आग इतनी भयंकर थी कि धुएं का गुबार दो किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया।

यात्रियों और आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। हालांकि आग नहीं बुझी। करीब एक घंटे बाद मौके पर दमकल की टीम पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस जल चुकी थी। हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे काकोरी थाना इलाके में एक्सप्रेस-वे पर टोल प्लाजा के पास हुआ। बस दिल्ली से गोंडा जा रही थी। छत के चलते काफी भीड़ थी। पुलिस आग के कारणों की जांच कर रही है।

यात्रियों ने बताया कि बस एक्सप्रेस-वे पर 80-90 किमी की रफ्तार में चल रही थी, तभी पीछे का टायर अचानक फट गया। तेज आवाज आई और बस लहरा गई। ड्राइवर ने तुरंत ब्रेक मारा। वह नीचे उतरकर चेक कर रहा था, तभी पीछे की तरफ से धुआं उठने लगा। धुआं उठते देख ड्राइवर और क्लीनर घबरा गए। उन्होंने यात्रियों को चिल्लाकर बाहर बुलाया। सुबह का वक्त था, ऐसे में ज्यादातर यात्री सो रहे थे। कई लोग बस में सामान छोड़कर बाहर भागकर आए। तब तक धुआं लपटों में तब्दील हो चुका था।

यात्रियों ने बताया कि बस में धुआं पीछे की तरफ से उठना शुरू हुआ। गेट आगे था, ऐसे में यात्री तेजी से बाहर आ गए। अगर आग आगे की तरफ लगती तो मुश्किल हो सकती थी। आग कैसे लगी, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि ड्राइवर का कहना है कि टायर फटने के चलते शॉर्ट सर्किट हुआ। प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह तकनीकी खराबी मानी जा रही है। जांच की जा रही है। हादसे के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल की 3 गाड़ियां पहुंचीं।

बस में ज्यादातर लोग दिल्ली, हरियाणा और पंजाब से छठ पर्व मनाने के लिए घर जा रहे थे। हादसे में कई यात्रियों का सामान जल गया। घटना के बाद यात्री डर गए। बोले- छठी मैया ने बचा लिया, वरना जितना भयंकर हादसा था, किसी का बच पाना मुश्किल था। पुलिस ने यात्रियों को गोंडा भेजने के लिए दूसरी गाड़ी का इंतजाम किया।

जगत सिंह ने बताया- टोल प्लाजा पर किसी भी प्रकार के फायर सेफ्टी उपकरण मौजूद नहीं थे। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, बस पूरी तरह जल चुकी थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं, किसी को कोई चोट नहीं आई और यात्रियों का सामान भी सुरक्षित बचा लिया गया।

टोल प्लाजा के पास रहने वाले प्रत्यक्षदर्शी सतपाल ने कहा ज्यादातर सवारी समान लेकर बाहर आ गई थी। धुआं उठता देख ड्राइवर ने पहले बस में रखे हुए दो फायर एक्सटिंगुइशर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग नहीं बुझी। इसके बाद ड्राइवर भागकर टोल प्लाजा पहुंचा, वहां पर कोई भी फायर सेफ्टी उपकरण नहीं मिला। 1 घंटे देरी से टोल प्लाजा पर दमकल की गाड़ी पहुंची।

चलती कार में भी लगी आग

लखनऊ में रविवार सुबह कार में आग लगने का एक और हादसा हुआ। सरोजनी नगर इलाके में किसान पथ पर चलती एसेंट कार में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में कार आग का गोला बन गई। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई। कार चला रहे राजू निवासी बाराबंकी ने बताया- वह शनिवार को कानपुर के बिठूर गए थे।

गोपाल मंडल समेत 5 बागी नेता जदयू से सस्पेंड

2 दिन में 16 नेताओं पर कार्रवाई सांसद संजय जायसवाल से रंगदारी मांगने वाला अरेस्ट

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जदयू ने गोपालपुर से 4 बार के विधायक गोपाल मंडल समेत 5 और नेताओं को पार्टी से निकाल दिया है। पार्टी ने उनपर संगठन विरोधी काम करने का आरोप लगाया है। इसे लेकर जदयू कार्यालय की ओर से लेटर भी जारी किया गया है। जिन 5 नेताओं को पोर्टी से निकाला गया है, उनमें गोपाल मंडल, पूर्व मंत्री हिमराज सिंह, पूर्व विधान पार्षद संजीव श्याम सिंह, पूर्व विधायक महेश्वर प्रसाद यादव और प्रभात किरण शामिल हैं। इससे पहले जदयू ने शनिवार को 11 बागी नेताओं को पार्टी से निकाल दिया था। दो दिन में नीतीश कुमार की पार्टी ने 16 लोगों को निकाल चुकी है।

इधर, बीजेपी सांसद संजय जायसवाल से 10 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार युवक की पहचान अशोक कुमार (25) के रूप में हुई है।

ओवैसी की पार्टी को तहस-नहस करने पर उतारू लालू!

बिहार चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को बड़ा झटका

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को लालू यादव और तेजस्वी यादव बिहार में तहस-नहस करके की मानेंगे, ऐसा लग रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को बड़ा झटका लगा है। एआईएमआईएम के कई नेताओं ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दामन थाम लिया। पार्टी नेता तेजस्वी यादव ने एआईएमआईएम के नेताओं को राजद में शामिल कराया। भाजपा और जदयू के नेताओं ने भी राजद ज्वाइन की है। एआईएमआईएम छोड़कर राजद ज्वाइन करने वाले नेताओं में जफर असलम, मुफ्ती अतहर जावेद, मुफ्ती सुफियान, नेहाल अख्तर, कैसर राही, नियाजुल हसन, अर्शी अजीज, अब्दुल कयूम और कलीमुद्दीन शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रगति मेहता, जदयू नेता और मरौढ़ा के पूर्व प्रत्याशी अल्ताफ आलम राजू और गड़खा जिला परिषद सदस्य योगेंद्र राम ने अपने-अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की।

राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि तेजस्वी यादव ने सभी को सदस्यता रसीद देकर सदस्यता ग्रहण कराते हुए सभी को पार्टी का प्रतीक चिन्ह गमछा देकर स्वागत किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हम सभी मिलकर बिहार बदलने के लिए एक साथ खड़े हों, क्योंकि हम बिहार के लोगों के लिए हर घर नौकरी, रोजगार, बिहार के विकास को नया आयाम देने के अलावा संविधान और लोकतंत्र की हिफाजत के लिए भाईचारा को मजबूत बनाने के संकल्पों के साथ बिहार के चुनाव में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता का विश्वास और समर्थन बदलाव के लिए है, यह दिख रहा है।

इस मौके पर एआईएमआईएम के शामिल होने वाले नेताओं ने कहा कि बिहार की जनता का मिजाज तेजस्वी यादव के विजन और मिशन के साथ है।

हम सभी तेजस्वी यादव को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, इसीलिए अपनी पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल और लालू यादव के विचारों के साथ जुड़ रहे हैं।

छठपूजा तैयारी के दौरान मारपीट

दो पक्षों के 6 लोग घायल, पुलिस कर रही जांच

जमुई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमुई जिले के झाझा थाना क्षेत्र के गिद्धको गांव में शनिवार रात छठ पूजा की तैयारी के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस घटना में कुल छह लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायलों में एक पक्ष से अजय मंडल, उनके बेटे रामप्रवेश कुमार और राजू कुमार शामिल हैं। दूसरे पक्ष से दिलीप वर्मा, उनके बेटे सूरज वर्मा और राज वर्मा घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। घायल अजय मंडल ने बताया कि उनका बेटा दोस्तों के साथ छठघाट पर लाइट लगा रहा था। तभी सूरज और राज अपने दोस्तों के साथ वहां आकर फिजूल की बातें करने लगे। जब उन्हें रोका गया तो उन्होंने मारपीट शुरू कर दी।

अजय के अनुसार, सूरज और राज के पिता भी वहां आकर मारपीट करने लगे, और जब वे बचाने गए तो उन पर भी लाठी से हमला किया गया।

दूसरे पक्ष के घायल दिलीप वर्मा ने आरोप लगाया कि पहले पक्ष के लोग उनके घर आए और उनके बेटे को गाली-गलौज करने लगे।

विरोध करने पर उन लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। दोनों पक्षों ने घटना को लेकर थाने में आवेदन दिया है।

थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि पुलिस आवेदनों के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई है।

महाकाल गैंग में शामिल होने बदमाश लेते 5000 तक फीस

25 साल के युवा चलाते गैंग, पटना में प्रोटेक्शन देने की गारंटी से लेकर हत्या-रंगदारी की लेते जिम्मेदारी

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना में महाकाल गैंग नाम का गैंग एक्टिव है। इस गैंग का मुख्य काम जमीन कब्जा करना, रंगदारी मांगना, किसी निर्दोष को रुपए लेकर बेवजह परेशान करना, राह चलते वर्चस्व की लड़ाई में मारपीट करना और अपने गैंग से जुड़े लोगों को प्रोटेक्शन देना, हत्या करना है। इस गैंग का नेटवर्क पटना के पूर्वी से पश्चिमी इलाके तक फैला है। गैंग के अधिकतर बदमाश युवा हैं, जिनकी उम्र महज 20 से 25 साल के बीच है।

अब तक पटना के अलग-अलग इलाकों से गैंग के 20 से अधिक बदमाश पकड़े गए हैं। हाल में शहर के पूर्वी इलाके के धनरूआ से 2 महीने में 17-18 बदमाश पकड़े गए हैं। उन्होंने पुलिस की पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। यह गैंग साल 2016-17 से एक्टिव है।

पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि अवैध हथियार के साथ धनरूआ इलाके से 17 से 18 बदमाश पकड़े गए थे। पूछताछ के दौरान पता चला कि सभी "महाकाल गैंग" से जुड़े हैं। जो गैंग संगठित गिरोह की तरह ऑपरेट होता है और पिछले 3 साल से इलाके में एक्टिव है। बदमाश गैंग का मेंबर बनाने के लिए मेंबरशिप चलाते हैं। इसके लिए 1000 से 5000 रुपए तक एंट्री फीस रखी गई थी। जो भी इस गैंग का मेंबर बनता था, उन लोगों की पूरी सुरक्षा का ख्याल यह गैंग रखता था।

एक तरीके से अपने मेंबर को पूरे पटना में कहीं भी प्रोटेक्शन देने का जिम्मा इन बदमाशों ने ले लिया था। अगर इनके गैंग से जुड़े किसी भी मेंबर को इनकी जरूरत होती थी तो एक कॉल में 100-200 लड़के जुट जाते थे। हालांकि पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने दावा किया है कि पूर्वी इलाके में गैंग की कमर पुलिस ने तोड़ दी है। अधिकतर बदमाश पकड़े गए हैं। गैंग के सरगना नीतीश जेल में हैं। सिर्फ बुलेट फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

महाकाल गैंग के बदमाश सोशल साइट्स पर भी एक्टिव हैं। एक पूरी चेन बनी हुई है। जो शहर के अलग अलग हिस्सों से जुड़ी है। फैंसी नाम से ग्रुप, पेज और व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। जिस पर स्टंट, दबंगई की फोटो और वीडियो डालते रहते हैं। इनके पास जो भी गाड़ियां हैं।

सिंहवाड़ा में पति ने पत्नी को कराया गिरफ्तार

शराब पीकर हंगामा करने का आरोप

दरभंगा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भजौरा गांव में छठ पर्व के दौरान एक महिला ने अपने नशेड़ी पति को पुलिस के हवाले कर दिया। आशा देवी नामक महिला ने अपने पति अखिलेश सहनी को शराब पीकर हंगामा करने के आरोप में गिरफ्तार करवाया।

रविवार की सुबह अखिलेश सहनी शराब के नशे में घर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी, जिससे परिवार में डर और असहजता का माहौल बन गया। स्थिति को बिगड़ता देख आशा देवी ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके पति का व्यवहार नियंत्रण से बाहर था और किसी भी क्षण मामला गंभीर रूप ले सकता था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भजौरा गांव पहुंची और मौके से अखिलेश सहनी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया कि जांच में आरोपी के नशे में होने की पुष्टि हुई। अखिलेश सहनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

थाना इंचार्ज बसंत कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान पुलिस जिले में विशेष सतर्कता बरत रही है। नशे में हंगामा मचाने या हिंसा करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में डायल 112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें।

पलवल में पुलिस ने पकड़ी 38 लाख की शराब

पंजाब से बिहार ले जा रहे थे 435 पेटियां, हाईवा ड्राइवर अरेस्ट

पलवल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलवल जिला पुलिस की टीम ने हरियाणा-यूपी की सीमा पर करमन बॉर्डर के निकट एक हाईवा (ट्रक) से 38 लाख रुपए कीमत की अवैध शराब को जब्त किया है। पुलिस ने मौके पर हाईवा के चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हाईवा में अवैध रूप से शराब को पंजाब से पलवल-होडल के रास्ते बिहार ले जा रहा था। होडल थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

होडल सीआईए के एएसआई महानंदा ने बताया कि 25 अक्टूबर को देर शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि एक राजस्थान नंबर के हाईवा (ट्रक) में लकड़ी के फट्टों के नीचे भारी मात्रा में अवैध रूप से शराब की पेटियां भरकर बिहार ले जाई जा रही है। पुलिस ने एएसआई महानंदा की सूचना को सही मानते हुए तुरंत नेशनल हाईवे-19 पर करमन बॉर्डर के निकट नाकेबंदी शुरू कर दी।

नाकाबंदी के कुछ ही देर बाद पुलिस को उक्त राजस्थान नंबर का हाईवा आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब हाईवा को रुकने का इशारा किया तो हाईवा चालक ने पुलिस नाके से 20-25 कदम पहले ही अपने हाईवा को रोक दिया। हाईवा के रुकते ही पुलिस की टीम हाईवा के पास पहुंच गई और चालक को मौके से हिरासत में ले लिया। पुलिस कर्मियों ने जब चालक से उसका नाम पता पूछा तो उसने चरखी दादरी (हरियाणा) निवासी नवीन बताया।

29-30 अक्टूबर को बारिश का यलो अलर्ट

छठ पर कुछ जिलों में हल्की बारिश के आसार

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का क्षेत्र अब पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। अब यह सिस्टम डीप डिप्रेशन में बदलते हुए 28 अक्टूबर की शाम आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा के पास समुद्रतट से टकराने की संभावना है। इसके बाद यह भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा। बंगाल और ओडिशा के साथ झारखंड पर भी इसका असर दिखेगा।

मौसम विज्ञान केन्द्र रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि जैसे-जैसे चक्रवात नजदीक आएगा, ओडिशा से सटे जिलों में हल्की बारिश होगी। रांची में सिर्फ बादल छाया रहेगा।

पूर्णिया से दिल्ली-हैदराबाद के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू

पूर्णिया, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महापर्व छठ के दूसरे दिन यानी खरना के दिन से पूर्णिया एयरपोर्ट से दिल्ली और हैदराबाद के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू हो गई। सुबह 10:45 बजे दिल्ली से उड़ान भरने वाली इंडिगो एयरलाइंस की 186 सीटर एयरबस 320 दोपहर करीब 12:50 बजे पूर्णिया एयरपोर्ट पहुंची। इस फ्लाइट का लोग महीनों से इंतजार कर रहे थे।

इस फ्लाइट में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और कटिहार के सांसद तारिक अनवर भी मौजूद रहे। सांसद पप्पू यादव ने पैसेंजर्स संग इस खास लम्हे को साझा किया। सांसद पप्पू यादव खुद फ्लाइट की सीट पर बैठे पैसेंजर्स के पास पहुंचे, रेड रोज भेंट कर वेलकम किया। दिल्ली से पूर्णिया के लिए पहली फ्लाइट शुरू होने की खुशी में सांसद ने पायलट और फिर एयर होस्टेस को भी रेड रोज दिया। प्लेन में मौजूद पैसेंजर्स ने भी सांसद पप्पू यादव के साथ जमकर सेल्फी ली। फ्लाइट से उतरते ही दोनों सांसदों और फिर पैसेंजर्स का जोरदार स्वागत किया गया। रेड रोज और फूलों की माला पहनाकर सभी का जोरदार वेलकम हुआ।

खरना पर दिल्ली और हैदराबाद के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू होने पर एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स की खासी चहल पहल रही। एयरपोर्ट पर माहौल जश्न में बदला नजर आया। पैसेंजर्स को फूलों की माला पहनाकर और रेड रोज देकर इसी पल को सेलिब्रेट करते नजर आए। वहीं दिल्ली से पूर्णिया पहुंची इंडिगो एयरलाइंस की 186 सीटर एयरबस 320 पैसेंजर्स भरी नजर आई। फ्लाइट सुबह 10:45 बजे दिल्ली से रवाना हुई और 12:50 बजे पूर्णिया पहुंची। जबकि 1:50 बजे फ्लाइट ने वापस पूर्णिया से दिल्ली के लिए उड़ान भरा। ये फ्लाइट 3:55 बजे दिल्ली पहुंची।

फ्लाइट के शुरू हो जाने के बाद अब लोग 2 घंटे 5 मिनट में ही पूर्णिया से दिल्ली पहुंच रहे हैं। इंडिगो एयरलाइंस की ये फ्लाइट रोजाना दिल्ली और पूर्णिया के बीच उड़ान भरेगी। दिल्ली-पूर्णिया के लिए शुरुआती किराया 4700 रखा गया था, लेकिन फेस्टिव सीजन में इसका किराया 12 हजार पहुंच गया है।

इंजीनियर ने कार से 8 को रौंदा, 5 की मौत

आगरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में एक इंजीनियर की बेकाबू कार ने डिलीवरी बॉय समेत 8 लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग घायल हैं, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। हादसा शुक्रवार रात न्यू आगरा थाने से कुछ दूरी पर नगला पुरी में हुआ।

हादसे वाली जगह के नजदीक पुलिस चेकिंग कर रही थी। यह देखकर कार चला रहा अंशुल घबरा गया।

वहां से भागने के लिए उसने स्पीड बढ़ाकर 100 से ज्यादा कर ली। उसने पहले डिलीवरी बॉय को टक्कर मारी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अंशुल फिर भी नहीं रुका। उसने 400 मीटर के दायरे में दो जगहों पर 7 और लोगों को रौंद दिया। इसमें 4 लोगों की जान चली गई। इसके बाद कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद लोगों ने कार चालक अंशुल को पकड़ लिया और पीट दिया। भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया।

बवाल की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने जैसे-तैसे भीड़ से अंशुल को बचाया और थाने लेकर आई। पुलिस ने बताया कि अंशुल गुप्ता दयालबाग का रहने वाला है। वह नोएडा में एरिक्सन कंपनी में इंजीनियर है। अंशुल शादीशुदा है और उसका एक बेटा भी है। दिवाली की छुट्टियों में वह घर आया था।

विंध्याचल से लौट रहे पति-पत्नी समेत 3 की मौत

जौनपुर में खड़े ट्रक में घुसी बोलेरो, कार का शीशा तोड़ते हुए महिला 8 फीट दूर गिरी

जौनपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में विंध्याचल के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो जौनपुर में खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। टक्कर के बाद इतनी तेज धमाका हुआ कि लोग सहम गए। हादसे में बोलेरो की ऊपर की आधी बॉडी बुरी तरह पिचक गई। इसमें गाड़ी में बैठे 6 लोग अंदर ही दब गए। इस हादसे में पति-पत्नी समेत 3 लोगों की मौत हो गई। 3 घायलों को BHU रेफर किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बोलेरो की स्पीड 100 किलोमीटर से ज्यादा थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक महिला कार का शीशा तोड़ते हुए करीब 8 फीट दूर जा गिरी। कार सवार सभी लोग अंबेडकरनगर के रहने वाले थे। सभी मिर्जापुर के विंध्याचल धाम से मां विंध्यवासिनी के दर्शन कर लौट रहे थे।

हादसा मिर्जापुर-जौनपुर स्टेट हाईवे पर एचपी पेट्रोल पंप के सामने हुआ। पेट्रोल पंप के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घायलों को कार से निकाला। पुलिस की मदद से भदोही के एक नर्सिंग होम भिजवाया। मामला जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर रामपुर थाना क्षेत्र का है।

अंबेडकरनगर के इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव पाली पट्टी और जयनपुर से 6 लोग रविवार तड़के बोलेरो से मिर्जापुर में विंध्याचल धाम में दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सुबह 10 बजे सभी लोग अपने घर लौट रहे थे। करीब 11.30 बजे उनकी बोलेरो मिर्जापुर-जौनपुर स्टेट हाईवे पर गंधना गांव (गड़ई पुल) के पास पहुंची। तभी तेज रफ्तार बोलेरो रोड साइड खड़े एक ट्रक में पीछे से घुस गई। इतनी तेज धमाका हुआ कि पेट्रोल पंप पर मौजूद लोग सहम गए।

राहगीर और पेट्रोल पंप के कर्मचारी दौड़कर मदद के लिए पहुंचे। कार में फंसे लोगों को करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला। तब तक एक बुजुर्ग महिला की मौत हो चुकी थी। बाकी 5 लोगों को तुरंत भदोही के जीवनदीप नर्सिंग होम ले जाया गया। वहां दो और लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। बाकी 3 घायलों को बीएचयू के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

पिता बेटियों पर बुरी नजर रखता था, बेटे ने मार डाला

पहले तलवार से हमला किया फिर तमंचा छीनकर गोली मार दी

मथुरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा में पिता अपनी नाबालिग बेटियों पर बुरी नजर रखता था। रविवार दोपहर बेटे और भतीजे ने विरोध किया तो पिता से विवाद हो गया। इस पर बेटे ने अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर पिता पर तलवार से हमला कर दिया। उसके बाद तमंचे से गोली मार दी।

बेटे का आरोप है कि पिता अपनी ही सगी बेटियों से अश्लील हरकत करता था। इसलिए मैंने पिता की हत्या की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में इस्तेमाल तलवार और तमंचा बरामद किया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। यह मामला कोसी थाना क्षेत्र के गोपालबाग का है।

राजस्थान के डीग का रहने वाला रामलाल (55) नशे का आदी था। वह यहां कोसी थाना के गोपालपुर चौकी क्षेत्र में इस्लामपुर रोड पर अपने मकान में परिवार के साथ रहता था। उसकी पत्नी की मौत हो चुकी है। उसके दो नाबालिग बेटियां व एक बेटा है। वह अपनी बेटियों पर बुरी नजर रखता था। पिछले छह महीने में कई बार अश्लीलता कर चुका था।

नशे में की गई उसकी हरकत पर अक्सर घर में विवाद होता था। पिछले दिनों दिवाली पर भी उसने बेटियों के साथ गंदी हरकत की। इस पर बेटे-बेटियों ने घर छोड़ दिया। दोनों बेटियां अपने भाई के साथ अपनी बुआ के यहां कोसी आ गई। दिवाली से अब तक दोनों बहनें और भाई अपनी बुआ के यहां ही रह रहे हैं।

रामलाल रविवार को कोसी पहुंचा। यहां उसकी बहन व बेटी-बेटे ने उसे उसकी हरकत के लिए खरी-खोटी सुनाई। भतीजे ने भी खूब सुनाया। इस पर रामलाल सब पर भड़क गया। कुछ ही देर में बात बिगड़ गई। रामलाल ने बेटियों को गाली दी। बेटे मोहित और भतीजे अमित पुत्र रोहताश ने उसे ऐसा करने के लिए मना किया।

इस पर रामलाल ने अपने पास रखा तमंचा निकाल कर धमकाना चाहा। भतीजा अमित ने उससे तमंचा छीन लिया। इसी बीच बेटे मोहित ने वहां रखी तलवार से पिता रामलाल पर हमला कर दिया। उसके बाद अमित से तमंचा

चीनी ऐप से पुलिस को दे रहे चकमा: बैंक खाते फ्रीज होने से पहले मिल जाता है अलर्ट, 9 महीने में 338 करोड़ ठगे

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। साइबर ठग चीन में बने एक एप से पुलिस को चकमा दे रहे हैं। इस एप के जरिए ठगों को पहले ही अलर्ट मिल जाता है कि पुलिस कौन सा खाता फ्रीज करवाने वाली है। यही कारण है कि राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपए की ठगी हो चुकी है। अभी तक पुलिस महज 2 करोड़ 22 लाख रुपए की राशि ही रिकवर कर पाई है।

यह चौंकाने वाला खुलासा भिवाड़ी पुलिस के हत्थे चढ़े 122 करोड़ की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने किया है। अंकित बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध करवाता था। उसने पूछताछ में बताया कि ठगी का पैसा जिन खातों में डाला जाता था, वो सभी उस सॉफ्टवेयर से लिंक कर दिए जाते थे। किस खाते में कितने रुपए जमा हो रहे हैं, कितने निकाले गए हैं, इसे लाइव देख सकते हैं। शिकायत होने के बाद साइबर पुलिस उन खातों को फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी तो उस सॉफ्टवेयर (एप) के जरिए पहले ही पता चल जाता था।

चीन-दुबई से जुड़े तार, राजस्थान में एजेंट

पुलिस सूत्रों की मानें तो साइबर फ्रॉड का पूरा संचालन बड़े स्तर पर विदेशी जमीन पर हो रहा है। ज्यादातर गिरोह का चीन, दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से चल रहे हैं। विदेशों में बैठे ठग भारत में अपने एजेंट तैयार करते हैं। फिर उनको फिक्स कमीशन का लालच देते हैं। ये ठग कौन हैं, इसका कभी पता नहीं चल पाता, क्योंकि ये लोग भारतीय एजेंटों से कभी फोन पर बात नहीं करते। केवल टेलीग्राम और वॉट्सएप से चैट के जरिए ही कॉन्टैक्ट में रहते हैं। हाल ही में भिवाड़ी से पकड़े गए एजेंट ने भी पुलिस पूछताछ में माना है कि वो जिस कंपनी के लिए खाते किराए पर जुटाने का काम कर रहा था उसका संचालन चीन से किया जा रहा था।

पड़ताल में सामने आया कि गिरोह का एक इन-हाउस 'लाइव-एप' है, जो म्यूल खातों (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते) को रियल-टाइम पर ट्रैक करता है। यह गैंग को बताता है कि किस खाते में कितनी रकम अभी आई, किस खाते को पुलिस ने फ्रीज कर दिया है और किस खाते में अभी पैसे निकाले जा सकते हैं। मान लीजिए किसी के साथ साइबर ठगी हुई है, अगर वह तुरंत ही इसकी शिकायत करता है तो जल्द से जल्द खाते को फ्रीज करवाकर ठगी की रकम को रिकवर करने की संभावना होती है। लेकिन साइबर ठग अपने एप के जरिए पुलिस से भी दो कदम आगे चल रहे हैं।

ठग जिन भी खातों को किराए पर लेते हैं, उसके मोबाइल नंबर और मेल आईडी का एक्सेस भी

ले लेते हैं। यही कारण है कि जब भी पुलिस कार्रवाई के दौरान किसी खाते को फ्रीज करती है, उसपर एक मेल जाता है। ये ठग उस मेल पर भी नजर रखते हैं। जैसे ही कोई खाता फ्रीज होता है या बैन कैटेगरी में आता है, रकम तुरंत दूसरे खाते में शिफ्ट कर दी जाती है। कई बार तो बैंक द्वारा खाते फ्रीज करने के बावजूद पैसा गायब हो चुका होता है। इसी लाइव एप का एक्सेस भारत में बैठे एजेंट को भी दिया जाता है। उसमें एजेंट ये देख पाते हैं कि उनके दिए गए खाते से कितना पैसा ट्रांसफर हो चुका है और कमीशन कितना बन रहा है।

साइबर एक्सपर्ट के मुताबिक, ठगी के बाद जब भी पैसा किसी खाते में जाता है तो ठगों की कोशिश उसे जल्द से जल्द इंटरनेशनल करेंसी में कन्वर्ट करने की रहती है। किसी बैंक खाते में फ्रॉड की रकम आती, गिरोह उसे फ्रीज होने से पहले ही डॉलर या किसी अन्य करेंसी में बदल लेता। इसके लिए गिरोह महंगे दाम पर भी क्रिप्टो या अमेरिकी डॉलर खरीद लेते हैं। उदाहरण के तौर पर ऐसा भी देखा गया कि जो USDT 93 रुपए में बिकती है, गिरोह 100 रुपए तक चुका कर खरीद लेने को तैयार रहता है, क्योंकि इनका मकसद जल्द से जल्द पैसा ठिकाने लगाने का रहता है।

इसके लिए गैंग ओटीसी/एक्सचेंज-आधारित एप, जैसे- कॉइन एप, शोपे एप, एपटॉप एप आदि का इस्तेमाल करती है। इन एप पर डॉलर या बाकी करेंसी एक्सचेंज तेजी से होता है। जब तक बैंक को पुलिस अलर्ट करती है, गोल्डन ऑवर से पहले ही ठग पूरा पैसा अपने कन्वर्ट कर चुके होते हैं। बाद में इन पैसों को ठग क्रिप्टो करेंसी में बदल लेते हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरोह बड़े पैमाने पर क्रिप्टो-लॉन्ड्रिंग कराकर करोड़ों रुपए विदेश भेज रहे हैं। किराए पर खातों के बदले हर ट्रांजेक्शन पर 3% तक की कमीशन देने का वादा करके उन्हें नेटवर्क का हिस्सा बनाते हैं।

ऐसे खुला मामला?

भिवाड़ी पुलिस ने 122 करोड़ से अधिक की ठगी में शामिल गैंग का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी अंकित शर्मा पुत्र महेंद्र शर्मा को गिरफ्तार किया है। साइबर पोर्टल 1908 शिकायत के बाद इसके तीन साथियों को पुलिस ने 21 सितंबर को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ के बाद मास्टरमाइंड अंकित को भिवाड़ी पुलिस पकड़कर लाई है। अंकित यूपी के बागपत का रहने वाला है। वर्तमान में वह दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में रह रहा था। अंकित ने ग्रेजुएशन किया है। पहले वह छोटी-मोटी नौकरियां करता था। बीते 6 से 7 वर्षों से वह साइबर फ्रॉड में सक्रिय है। इसे ही अपना मुख्य पेशा बना चुका है।

पुलिस जांच में सामने आया कि अंकित लंबे समय से कमीशन पर लोगों और फर्जी फर्मों के बैंक खाते, एटीएम और चेक बुक साइबर ठगों को बेचता था। इन खातों के जरिए देशभर में ऑनलाइन ठगी से निकाली गई रकम घुमाई जाती थी। पुलिस ने आरोपी से 38 चेकबुक, 20 एटीएम कार्ड, 9 मोबाइल फोन, 8 क्यूआर कोड, स्वाइप मशीन और 2.5 लाख कैश जब्त किए हैं।

राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर आरोपी के खातों से जुड़ी 183 शिकायतें मिलीं, जिनमें 122 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की पुष्टि हुई है। इससे पहले भिवाड़ी पुलिस इसी नेटवर्क से जुड़े राशिद (28) और अजमत (39) नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनके खातों पर 61 करोड़ की ठगी दर्ज है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और फर्जी खातों के जरिए ठगी में शामिल साइबर नेटवर्क की कड़ी खंगाल रही है।

भिवाड़ी एसपी प्रशांत किरण ने बताया कि हाल ही में पकड़े गए आरोपी अंकित शर्मा से पूछताछ में कई बड़े खुलासे हुए हैं। जांच के दायरे में अब कई और लोग आए हैं, जो न सिर्फ राजस्थान बल्कि अन्य राज्यों में भी सक्रिय हैं। इस पूरे नेटवर्क के तार विदेशों तक जुड़े हुए हैं। पुलिस उस सर्वर का भी पता लगा रही है, जिसके जरिए यह फर्जी कंपनी और एप संचालित किए जा रहे थे। पूछताछ में आरोपी अंकित ने इस नेटवर्क का चीन से कनेक्शन होने की बात भी कबूल की है।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अब 'छत्रपति संभाजीनगर' हुआ

दक्षिण मध्य रेलवे ने किया एलान

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण मध्य रेलवे ने एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए 'औरंगाबाद रेलवे स्टेशन' का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' कर दिया है। रेलवे ने बताया कि यह नाम परिवर्तन औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया है और स्टेशन के सभी साइनबोर्ड, टिकट, घोषणाएं और डिजिटल सिस्टम में नया नाम अपडेट किया जा रहा है।

आधिकारिक नोटिस में लिखा है कि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा औरंगाबाद रेलवे स्टेशन नांदेड मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्टेशन का नया स्टेशन कोड CPSN" होगा।

रेलवे के मुताबिक, यह फैसला महाराष्ट्र सरकार की अनुशंसा और गृह मंत्रालय की स्वीकृति के बाद लिया गया। स्टेशन का नया नाम छत्रपति संभाजीनगर मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से रखा गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस बदलाव के बाद यात्रियों को स्टेशन से जुड़ी सभी सूचनाएं और टिकटें नए नाम से जारी होंगी। एक अधिकारी ने कहा रेलवे ने सभी जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। अब सभी प्लेटफॉर्म और ट्रेनों की घोषणाओं में स्टेशन का नाम 'छत्रपति संभाजीनगर' सुनाई देगा।

इससे पहले, केंद्र सरकार ने 2022 में औरंगाबाद शहर का नाम भी छत्रपति संभाजीनगर करने की मंजूरी दी थी। अब रेलवे स्टेशन के नाम परिवर्तन के साथ यह प्रक्रिया पूरी हो गई है।

गौरतलब है कि भाजता नेता और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने विगत 15 अक्तूबर को इसका नाम बदलने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। तीन साल पहले तत्कालीन सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम छत्रपति संभाजीनगर किया था। ये फैसला छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा राज्य के दूसरे शासक छत्रपति संभाजी के सम्मान में लिया गया। औरंगाबाद का नाम पहले मुगल सम्राट औरंगजेब के नाम पर रखा गया था। इतिहासकारों के मुताबिक औरंगाबाद रेलवे स्टेशन 1900 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में खोला गया था। छत्रपति संभाजीनगर एक पर्यटन केंद्र है और अजंता और एलोरा की गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा हुआ है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की इकाई- यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

इंटरनेशनल मार्शल आर्ट प्लेयर ने किया सुसाइड

देवास में फंदे पर लटका मिला शव; एशियाई जुजुत्सु चैंपियनशिप में जीता था कांस्य

देवास, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली देवास की जुजुत्सु (जापानी मार्शल आर्ट) खिलाड़ी रोहिणी कलम (35) ने सुसाइड कर लिया। रविवार को अर्जुन नगर राधागंज स्थित उनके आवास पर छोटी बहन रोशनी कलम ने कमरे में शव फंदे पर लटका देखा। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय उनकी मां अपनी एक अन्य बेटी के साथ देव दर्शन के लिए बाहर गई हुई थीं, जबकि पिता भी किसी काम से घर से बाहर थे। रोहिणी वर्तमान में आष्टा के एक निजी स्कूल में मार्शल आर्ट कोच के पद पर कार्यरत थीं। शनिवार को ही देवास स्थित अपने घर आईं।

रोहिणी कलम ने 2007 में अपने खेल जीवन की शुरुआत की थी। 2015 से पेशेवर रूप से जु-जत्सु में भाग ले रही हैं। पिछले वर्ष अबू धाबी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जुजुत्सु प्रतियोगिता में कांस्य पदक भी जीता था। वह जुजुत्सु संघ की महासचिव भी थी।

परिवार वालों ने बताया सुबह उन्होंने सामान्य रूप से चाय-नाश्ता किया था। बहन रोशनी ने बताया कि उसने किसी से फोन पर बात भी की थी। बाद में वह अपने कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।

आंध्र हादसा-बस से बाइकर नहीं, उसकी लाश टकराई थी

नशे में डिवाइडर से भिड़कर मौत, बाइक समेत बस के नीचे आया था

कुर्नूल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने रविवार को पुष्टि कर दी कि कुर्नूल बस हादसे की वजह बने बाइक सवार दोनों व्यक्ति नशे में थे। बाइक का पहले ही एक्सीडेंट हो चुका था। बाइक सवार हरिशंकर भी रोड डिवाइडर से टकराने के कारण मर चुका था। पीछे बैठा स्वामी सड़क पर पड़ी बाइक और शंकर को हटा पाता, इससे पहले ही तेज रफ्तार बस आ गई। बाइक बस में फंस गई और करीब 200 मीटर तक घिसट गई। जिससे उसका फ्यूल टैंक फट गया और आग लग गई।

हादसे की यह पूरी कहानी हरिशंकर के साथ बाइक पर पीछे बैठे एरी स्वामी ने पुलिस को बताई। लगातार दो दुर्घटनाओं और बस में आग लगने के बाद स्वामी डरकर अपने गांव तुग्गली चला गया था। बाद में पुलिस ने स्वामी से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो भी इन्हीं दोनों का है, जिसमें हरिशंकर नशे में नजर आया था। 24 अक्टूबर की सुबह NH-44 पर चिन्नातेकुरु गांव के पास बस में आग लगने से 20 लोगों की जलकर मौत हो गई थी। 19 यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई थी।

डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया कि हमें फोरेंसिक टीम से पुष्टि मिली है कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति हरिशंकर और एरी स्वामी नशे में थे। स्वामी ने शराब पीने की बात भी स्वीकार की है। उसने बताया कि हरिशंकर 24 अक्टूबर की देर रात करीब 2 बजे लक्ष्मीपुरम गांव से बाइक पर स्वामी को तुग्गली गांव छोड़ने के लिए निकला था। दोनों ने पहले एक ढाबे पर खाना खाया। दोनों रात 2.24 बजे किआ कार शोरूम के पास एचपी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने के लिए रुके थे। पेट्रोल पंप पर उनके रुकने का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हरिशंकर लापरवाही से बाइक चलाते हुए दिखा था।

इलाके में तेज बारिश हो रही थी। इसलिए पेट्रोल पंप से निकलने के कुछ ही देर बाद बाइक फिसल गई। इसमें हरिशंकर दाहिनी ओर गिरकर डिवाइडर से टकरा गया। जब स्वामी ने शंकर को सड़क के बीच से खींचकर उसकी जांच की तो देखा उसकी मौत हो चुकी थी। स्वामी ने बताया जब वह बाइक को सड़क से हटाने की सोच ही रहा था, तभी बेंगलुरु जा रही बस तेज रफ्तार से आई और उसे कुचलते हुए कुछ दूर तक घसीटती चली गई। इसके बाद बस में आग लग गई।

शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कहा जा रहा था कि यह वही बाइक सवार है, जिसकी बस से टक्कर हुई थी। यह वीडियो एक पेट्रोल पंप का है। फुटेज में टाइमिंग 24 अक्टूबर की रात 2:22 बजे की है। पेट्रोल पंप पर मोटरसाइकिल पर दो शख्स दिखाई दे रहे थे। उनमें से एक बाद में नजर नहीं आता। थोड़ी देर बाद बाइक चला रहा एक शख्स तेज रफ्तार में ड्राइव करते हुए पेट्रोल पंप से निकलता है, उसका बैलेंस बिगड़ता है, लेकिन फिर किसी तरह बाइक संभालता है।

कुर्नूल के एसपी विक्रांत पाटिल ने शनिवार को बताया था कि जब आग लगी और बस रुकी, तो ड्राइवर-क्लीनर पैसेंजर डोर से बाहर कूद गए थे। उन्हें हादसे की गंभीरता का अंदाजा नहीं था। आग से बचने के बाद लक्ष्मैया ने बस के निचले हिस्से में पहियों के बीच लगेज रैक में सो रहे दूसरे ड्राइवर को जगाया। जब उन्हें एहसास हुआ कि वे गाड़ी में नहीं घुस सकते, तो उन्होंने टायर बदलने वाली रॉड से खिड़कियों के कांच तोड़ने शुरू कर दिए, जिससे कुछ यात्री बचकर निकलने में कामयाब हो गए, लेकिन आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे डरकर दोनों मौके से भाग गए।

मोबाइल देखने से सिकुड़ रही नसें: बिगड़ रही दिमागी हालत, चिकित्सकों ने दी सलाह

आगरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। युवाओं में बढ़ते मानसिक विकार में नशाखोरी बड़ी वजह बन रहा है। इससे मरीजों की नस सिकुड़ने और अवसाद के शिकार होने के केस आ रहे हैं। फतेहाबाद रोड स्थित होटल में एसोसिएशन फॉर क्लिनिकल साइकेट्री (एसीपी) की दो दिवसीय कार्यशाला में चिकित्सकों ने इस पर चिंता जताई। ऑनलाइन इलाज से मानसिक विकारों के गंभीर बनने के खतरों पर भी डॉक्टरों ने व्याख्यान दिया।

एसीपी के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. यूसी गर्ग ने बताया कि युवा नशे की लत को पूरा करने के लिए कई तरह के खतरनाक

मादक पदार्थों का उपयोग कर रहे हैं। इसका दुष्प्रभाव दिमाग समेत शरीर के सभी अंगों पर पड़ रहा है। इससे नींद, भूख और याददाश्त प्रभावित हो रही है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति से नस सिकुड़ने, अवसाद और सिजोफ्रेनिया की बीमारी मिल रही है।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. केसी गुरनानी ने बताया कि स्क्रीन एडिक्शन से हर तीसरा व्यक्ति प्रभावित हो रहा है। देर रात तक बेवजह मोबाइल-लैपटॉप देखने से सिर में दर्द, आंखों की नजर कमजोर, नस और चेहरे पर सूजन समेत अन्य परेशानी हो रही हैं। भूख-प्यास भी प्रभावित हो रही है।

ऑनलाइन इलाज से मानसिक विकार बन रहे गंभीर

कार्यशाला में भारतीय डिजिटल क्रांति का मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोचिकित्सा पर व्याख्यान विषय पर निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. एससी तिवारी ने कहा कि लोग सोशल मीडिया, एप से बीमारी का इलाज कर रहे हैं।

इसमें मर्ज कितना गंभीर है, कितनी डोज देनी है, बीमारी की वजह क्या है, इन सभी की कोई जानकारी नहीं होती है।

इससे दवाओं के गलत उपयोग से बीमारी गंभीर बन रही हैं। कोलकाता के डॉ. गौतम साहा, हैदराबाद के डॉ. के. अशोक रेड्डी और चंडीगढ़ के डॉ. परम कुल्हारा ने कहा कि इलाज में डिजिटल की भूमिका के बारे में बताया। बेंगलुरू के डॉ. सी. नवीन कुमार ने टेलीमानस के 24 घंटे इलाज सेवा के प्रचार-प्रसार की जरूरत बताई।

डॉक्टरों ने ये दी है सलाह

तंबाकू, एल्कोहल समेत किसी भी तरह के नशे से दूर रहें। 6 से 8 घंटे एकमुश्त नींद लें। सोने से दो घंटे पहले तक स्क्रीन न देखें। 45 मिनट तक स्क्रीन देखने के बाद 5 मिनट का ब्रेक लें, आंख-मुंह धोएं। मानसिक विकार की परेशानी बनने पर एप-सोशल मीडिया के इलाज से बचें।

आखिरी सांसें गिन रहा नक्सलवाद!

वामपंथी उग्रवाद को इस तरह घुटनों पर लाई सरकार

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक समय देश के बड़े हिस्से तक फैल चुका नक्सलवाद आज अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। सरकार ने बताया कि बीते एक दशक में नक्सली हिंसा में 53 प्रतिशत की कमी आई है और अब नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी 126 से घटकर सिर्फ 18 रह गई है। नक्सली हिंसा में मरने वाले आम नागरिकों की संख्या में भी 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकार के नक्सलियों पर कसते शिकंजे का ही असर है कि अक्तूबर 2025 में 1225 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और इस दौरान विभिन्न ऑपरेश में 270 नक्सली मारे गए।

सरकार ने जारी किए आंकड़ें

नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार सुरक्षा, विकास और पुनर्वास की समन्वित रणनीति से बुनियादी बदलाव लेकर आई है। सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने जो आंकड़ें पेश किए हैं, उनके मुताबिक साल 2004 से 2014 के बीच देश में नक्सली हिंसा की 16,463 घटनाएं हुईं, जो 2014-2024 में ये घटकर 7,744 रह गईं। इस तरह नक्सली हिंसा में बीते दशक की तुलना में 53 फीसदी की गिरावट आई है। 2004-2014 के दशक में नक्सल ऑपरेशन में बलिदान हुए जवानों

की संख्या 1851 थी, और 2014-2024 के दशक में यह आंकड़ा 509 जवान रहा। इस तरह इसमें 73 प्रतिशत की कमी आई। साल 2025 में सुरक्षाबलों ने 270 नक्सलियों को ढेर किया और 680 को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 1225 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

नक्सल हिंसा की रोकथाम के लिए सरकार ने जो सबसे जरूरी कदम उठाया, उसके तहत नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास किया गया। पिछले दस वर्षों में सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में 576 पुलिस स्टेशन बनाए। साथ ही पिछले छह वर्षों में 336 नए सिक्योरिटी कैंप बनाए गए। इसका असर ये हुआ कि नक्सल प्रभावित इलाकों से तेजी से नक्सलियों का प्रभाव कम हुआ और सुरक्षाबलों की पकड़ मजबूत हुई। सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए, इससे सुरक्षाबलों की ऑपरेशन के दौरान आने-जाने में आसानी हुई और रिस्पॉन्स टाइम भी बेहतर हुआ।

सुरक्षाबलों द्वारा बड़े पैमाने पर तकनीक का इस्तेमाल कर नक्सलियों की कमर तोड़ी। सुरक्षा एजेंसियां अब ड्रोन, सैटेलाइट इमेजिंग और एआई बेस्ड डेटा के आधार पर नक्सलियों की सटीक मॉनीटरिंग और उनका गतिविधियों का विश्लेषण करती हैं। इसमें नक्सलियों की लोकेशन, ट्रैकिंग और मोबाइल डेटा का विश्लेषण आसान हुआ। विभिन्न फोरेंसिक और तकनीकी संस्थानों की मदद से भी खुफिया सूचनाएं इकट्ठा करने और ऑपरेशन दक्षता बढ़ाने में मदद मिली।

नक्सलवाद का समर्थन करने वाले वित्तीय नेटवर्क को भी खत्म किया गया। इसके तहत जांच एजेंसियों ने नक्सलियों से जुड़ी करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की। सरकार ने उग्रवाद प्रभावित राज्यों में विकास कार्यों को बढ़ावा दिया है और हिंसा प्रभावित जिलों के बजट को बढ़ाया गया है, इससे नक्सलियों को बड़ा झटका लगा। नक्सलियों के शीर्ष कमांडर्स को ढेर करने के अलावा सरकार ने पुनर्वास नीति को भी बड़े पैमाने पर लागू किया, इसका नतीजा ये रहा कि बड़ी संख्या में लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापस लौटे।

करूर हादसे की जांच सीबीआई ने अपने हाथों में ली : 41 लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर जिले में अभिनेता-राजनेता विजय के रैली के दौरान हुई भयावह भगदड़ की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपने हाथ में ले ली है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई की विशेष टीम पहले ही करूर के वेलुसामीपुरम में स्थित हादसे की जगह का दौरा कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य पुलिस की एफआईआर को सीबीआई ने फिर से दर्ज किया है और स्थानीय अदालत को इसकी जानकारी दी गई है।

यह मामला तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई को सौंपा गया। अदालत ने सीबीआई निदेशक को निर्देश दिया कि वह एक वरिष्ठ अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी दें और उसके सहयोग के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करें। इसके

साथ ही अदालत ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति गठित की है, जो सीबीआई जांच की निगरानी करेगी।

जस्टिस जे.के. महेश्वरी और एन.वी. अंजरिया की बेंच ने कहा कि 27 सितंबर को हुई भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन में गहरी छाप छोड़ी है। अदालत ने कहा यह घटना नागरिकों के जीवन और मौलिक अधिकारों से जुड़ी है, इसलिए निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच बेहद आवश्यक है। बेंच ने यह भी कहा कि कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मीडिया में गैर-जिम्मेदाराना बयान दिए हैं, जिससे जनता के मन में निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है। अदालत ने जोर देकर कहा कि जनता का विश्वास न्याय व्यवस्था में बहाल रहना चाहिए और इसका एकमात्र तरीका निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना है।

पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से कहा था कि विजय की विशेष रैली बस को निर्धारित स्थान से कम से कम 50 मीटर पहले रोक दें। लेकिन आयोजकों ने तय जगह पर ही बस खड़ी की। पुलिस के अनुसार, '10 मिनट तक नेता बस से बाहर नहीं आए, जिससे भीड़ असंतुष्ट हो गई। लोग उन्हें देखने के लिए बेताब थे।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 27 अक्टूबर- 2025

भारत में हत्या की दर घटी

दुनिया भर में भी हत्या की दरें कम हुई हैं, लेकिन भारत की स्थिति काफी बेहतर बनी है। भारत में हत्या की दर 1957 के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गई है। यह दर प्रति लाख आबादी पर 2.3 है, जो 1992 में 5.2 के शिखर से बहुत नीचे है। गिरावट का कारण पंजाब, कश्मीर, असम और माओवादी इलाकों में उग्रवाद में कमी, पुलिस स्टेशनों के विस्तार और आधुनिक निगरानी प्रणालियों जैसे सीसीटीवी कैमरों के इस्तेमाल को माना जाना चाहिए। दुनिया भर में भी हत्या की दरें कम हुई हैं। दक्षिण अफ्रीका (34 प्रति लाख) और ब्राजील (22.5) जैसे देशों की तुलना में भारत काफी सुरक्षित है। रूस (7.3) और अमेरिका (6.4) जैसे विकसित देशों में भी हत्या की दर भारत से ज्यादा है। चीन (0.5) और जापान (0.3) सबसे सुरक्षित देश हैं। ऐसे में सवाल लाजिम है कि भारत में हत्या की दर इतनी कम क्यों है, जबकि यहां की पुलिस और न्याय व्यवस्था पर अक्सर अंगुली उठती रहती है। आर्थिक रूप से भी भारत, दक्षिण अफ्रीका या लैटिन अमेरिकी देशों से गरीब है। कुछ लोग इसे सांस्कृतिक कारण बताते हैं, तो कुछ बुद्ध और अशोक जैसी शांतिपूर्ण परंपराओं को, लेकिन यह हिंसा से भी अछूता नहीं रहा है। फिर भी, भारत और कई अन्य एशियाई देशों में सामाजिक समरसता ने अपराधों को कम करने में मदद की है। अफ्रीकी देशों के फुटपाथ पर सामान बेचने वाले जहां लोगों से लूटपाट करने से भी परहेज नहीं करते वहीं भारतीय व्यवसायी फुटपाथ पर बेखौफ अपना धंधा पूरे विश्वास से करते हैं। भारतीय फुटपाथ विक्रेता सरकारी उत्पीड़न की शिकायत तो करते हैं, लेकिन चोरी की नहीं। उन्हें स्थानीय पुलिस को 'हफ्ता' देना पड़ता है, जिसे वे उचित मानते हैं क्योंकि इससे उन्हें सुरक्षा मिलती है। भारत में फुटपाथों पर अवैध जगहों पर भी संपत्ति के अधिकार विकसित हो गए हैं। एक जगह के मालिक वहां काम कर सकते हैं, उसे बेच सकते हैं या किराए पर दे सकते हैं, और बाकी सभी विक्रेता और पुलिस इसका सम्मान करते हैं। लोग मिलकर एक बाजार व्यवस्था बनाते हैं जो सभी को शांति से अच्छी कमाई करने में मदद करती है। इस तरह का ताना-बाना विदेशों में देखने को नहीं मिलता। बहरहाल, भारत में हत्या की दर में गिरावट केवल पुलिस के बेहतर काम का नतीजा नहीं है। यह सामाजिक विकास, संपत्ति के अधिकारों के अनौपचारिक विकास और 'स्थिर डाकुओं' की व्यवस्था का भी परिणाम है। भारत में अपराध की रिपोर्टिंग में कमी एक जानी-मानी बात है, लेकिन मृत शरीर को नजरअंदाज करना मुश्किल होता है और पुलिस हत्या के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। 1992 के बाद उग्रवाद पर नियंत्रण पाने से इस दिशा में काफी मदद मिली है। पुलिस स्टेशनों का विस्तार, खासकर माओवादी इलाकों में, और सीसीटीवी कैमरों जैसी आधुनिक निगरानी प्रणालियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक की रिपोर्टें बताती हैं कि भारत दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है।

मिलेनियल्स लिखेंगे बिहार की तकदीर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बिहार विधानसभा की चौसर बिछ चुकी है तो चुनावों में हिस्सा ले रहे राजनीतिक दलों और बिहार विधानसभा के चुनावों में उम्मीद्वारों की तस्वीर भी लगभग सामने आ गई है। सौ टके का सवाल अब यह उभर रहा है कि बिहार के वोटर्स एनडीए की सरकार को ही दुबारा चुनेंगे या महागठबंधन को अवसर देंगे। दपिछले सालों में हुए चुनावों चाहे वह विधानसभाओं के चुनाव हो या फिर लोकसभा के चुनाव, महिलाओं और फ्लोटिंग वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बिहार विधानसभा के पिछले चुनावों में नीतीश सरकार बनाने में महिला वोटर्स की प्रमुख भूमिका रही है। इस बार भी महिला मतदाताओं की भूमिका को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। पर जो खासबात उभर कर आ रही है वह यह है कि बिहार विधानसभा के चुनावों में नई सरकार की तकदीर लिखने में मिलेनियल्स की खास भूमिका रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहली बार वोट करने वाले वोटर्स चुनाव नतीजों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे।

इसका कारण भी साफ है और वह यह कि फ्लोटिंग वोटर्स दो प्रतिषत से भी कम है। बिहार के 7 करोड़ 41 हजार से अधिक वोटर्स में से फ्लोटिंग वोटर्स केवल मात्र 14 लाख एक हजार से कुछ ही अधिक है। सर्वाधिक मतदाता मिलेनियल्स यानी कि 1 करोड़ 92 लाख 74 हजार से अधिक है। मिलेनियल्स या जेन वाई वह पीढ़ी है जिसने बदलती तकनीक के साथ साथ जीवन आरंभ किया है। 30 से 39 साल की यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया के विकास के साथ साथ आगे बढ़ी है। इसीलिए इसका खास महत्व हो जाता है।

दरअसल विलियम स्ट्रास और नील होवे की 1991 में प्रकाशित पुस्तक जेनरेशंस में जेनरेशन वाई का पहलीबार प्रयोग हुआ। 1981 से 1996 तक की इस पीढ़ी का विकास तकनीक के विकास के साथ साथ हुआ है। एक तरह से डिजिटल दुनिया का यह संक्रमण काल माना जा सकता है तो देश दुनिया में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी लगभग इसी दौरान रहा है। आर्थिक जगत में तेजी से आ रहे बदलाव को इसी पीढ़ी ने अधिक नजदीक से जाना और समझा है। कारण भी साफ है कि आज की कामकाजी आबादी में सबसे अधिक संख्या जेनरेशन मिलेनियल्स ही है। डिजिटल युग का विकास इसी दौर में आगे बढ़ा है तो आर्थिक सुधार और सामाजिक आर्थिक बदलावों से भी यही पीढ़ी अधिक प्रभावित हुई है। इस मायने में देखे तो तकनीक के विकास के इस संक्रमण काल की पीढ़ी हालातों से अधिक रुबरु हुई है।

जब से इस पीढ़ी ने हौश संभाला है। यह वो पीढ़ी है जो इंटरनेट, मोबाइल और सोषल मीडिया के साथ साथ बड़ी हुई है। साफ है कि इस पीढ़ी की राजनीतिक समझ भी अधिक है। वर्तमान हालातों से नजदीक से रुबरु होने के कारण इस पीढ़ी की समझ निश्चित रुप से आज के बिहार के चुनावों को प्रभावित करेगी।

हांलाकि आज यह पीढ़ी राजनीतिक मुफ्तखोरी की घोषणाओं के खिलाफ दबी जुवान से ही सही आवाज उठाने लगी है तो इस पीढ़ी की समझ अंडर करंट जैसी होने से यह पीढ़ी बिहार के चुनाव नतीजों को प्रभावित करने में खास भूमिका निभायेगी। हालांकि मोदी के बाद से चुनावों के दौर में फ्लोटिंग वोटर्स यानी की पहलबार मतदान करने वाले किशोर और जेनरेशन जेड़ की मोदी सरकार बनाने में बड़ी भूमिका रही है।

माना जाता है कि जेनरेशन जेड़ और फ्लोटिंग वोटर्स में मोदी का क्रेज लगातार देखा जा रहा है। पर वर्तमान हालातों में जेन वाई की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता। यह साफ हो जाना चाहिए कि बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए जारी वोटर्स की अंतिम लिस्ट में सर्वाधिक वोटर्स जेन वाई यानी मिलेनियल्स ही हैं और इनकी ताकत और समझ को कम करके नहीं आका जा सकता।

संवैधानिक संस्था का अपमान सुनियोजित ?

रघु ठाकुर

6 अक्टूबर 2025 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश श्री गवई अपनी पीठ में सुनवाई कर रहे थे, तब एक वकील राकेश किशोर ने मुख्य न्यायाधीश की पीठ पर जूता फेंका। यद्यपि वह उन तक नहीं पहुँच सका, परंतु श्री राकेश किशोर का जो लक्ष्य था वह उसने हासिल कर लिया। जस्टिस गवई ने पुलिस के द्वारा उसे पकड़े जाने के बाद रिहा करने को कहा और कहा कि मैं उसे माफ करता हूँ, हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के अभिभाषक संघ ने उसकी सदस्यता समाप्त कर दी, यह दोनों निर्णय एक अर्थ में सही है कि जस्टिस गवई ने उसे माफ कर अपना बड़प्पन सिद्ध किया और अभिभाषक संघ ने भी वकीलों की मर्यादा की लक्ष्मण रेखा खीची है।

महात्मा गांधी तो दुनिया के ऐसे महात्मा थे जो अपनी हत्या का प्रयास करने वाले को भी दण्ड देना तो दूर उनकी आलोचना भी नहीं करते थे और इस अर्थ में जस्टिस गवई ने भी अपने आप को गांधीवादी सिद्ध किया है, हालांकि सांप्रदायिक सोच के लोग उनकी इस क्षमा को भिन्न-भिन्न तरीके से देखते हैं और प्रतिक्रियायें दे रहे हैं। उन विद्धत मानसिकता के लोगों ने जस्टिस गवई के बड़प्पन को नकारने का प्रयास किया है और सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां डाली हैं कि उन्होंने इसलिये माफ कर दिया कि उन्हें एफआईआर दर्ज करनी पड़ती, फिर गवाही देनी होती और उनसे कई प्रश्न पूछे जाते यह इन विद्धत मानसिकता वाले समूहों का मानसिक दिवालियापन और अज्ञानता भी है, उन्हें यह पता नहीं है कि कोर्ट रूम की घटना के लिये मुख्य न्यायाधीश को रपट लिखने की जरूरत नहीं होती, जो पुलिस वहां डयूटी पर मौजूद थी, वह अपनी ओर से एफआईआर दर्ज करती, जो कि उसका वैधानिक दायित्व है और गवाही देने के लिये भी सीजेआई को भी जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि कोर्ट रूम के कर्मचारी सुरक्षा प्रहरी और उपस्थित वकील लोग गवाही दे सकते हैं। ऐसी घटना, यह कोई पहली बार नहीं हुई है, इस प्रकार के मानसिकता वाले लोग ऐसी घटनाओं को पहले भी अंजाम देते रहे हैं। 1960 के दशक में तत्कालीन जनसंघ के विधायक स्व. पडरीराव द्धदत्त ने विधानसभा की तरफ जूता फेंका था, जिसकी समाज में भारी आलोचना हुई थी और जनसंघ को अपनी इस जूता संस्द्धति के लिये अगले चुनाव में पराजय के रूप में कीमत भी चुकानी पड़ी थी।

मेरी जानकारी में उस समय के जनसंघ के एकमात्र नेता दीनदयाल उपाध्याय जी थे, जो एकात्म मानववाद के प्रर्वतक बताये जाते हैं, ने ही इस घटना के सार्वजनिक बचाव का दुस्साहस किया था और भोपाल आकर इस आपराधिक, अनैतिक अलोकतांत्रिक द्धत्य का मीडिया के माध्यम से बचाव करने का प्रयास किया था।एकात्म मानववाद वैसे भी उनकी खोज नहीं थी बल्कि वह भारतीय अतीत और वैदिक काल के दर्शन को अपने भाषण में उन्होंने उद्धृत किया था, जिसे जनसंघ के बुद्धिजीवियों ने उनके खाते में डाल दिया। वरना हमारे देश में कण-कण में भगवान हैं कि कहावत हजारों वर्ष से चल रही है, इसका मतलब ही होता कि न केवल मानव मात्र में बल्कि पशु,पक्षी, पत्थर सभी प्रद्धति ईश्वर रूप हैं। श्री राकेश किशोर ने अपने द्धत्य पर कोई खेद व्यक्त नहीं किया बल्कि उन्होंने यह कहकर इसे सही सिद्ध ठहराने का प्रयास किया है कि वे जस्टिस गवई की उस टिप्पणी से आहत थे जिसमें उन्होंने (श्री राकेश किशोर के अनुसार) भगवान विष्णु का अपमान किया था और उनके शब्दों में सनातन का अपमान किया था। यह घटना जस्टिस गवई की पीठ में एक याचिका पर विचार करते समय हुई थी। एक याचिकाकर्ता ने यह याचिकापेश की थी कि खजुराहो में भगवान विष्णु की पत्थर की प्रतिमा जो अपने आप लंबे समय के कारण टूटकर गिर गई थी, उसे जोड़े जाने का या दूसरी प्रतिमा लगाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट पुरातत्व विभाग को दें।

जबकि पुरातत्व के कानून के अनुसार पुरातत्व विभाग किसी पुरातत्व की प्रतिमा को न जोड़ सकता है, न उस प्रकार की दूसरी प्रतिमा बना सकता है। वह प्रतिमा को खंडित होने से पहले अगर क्षय होने की जानकारी मिले तो उसे संभालने का प्रयास करता है, इस याचिका का निराकरण करते हुये जस्टिस गवई ने तीन बिंदु कहे थे- 1. वर्तमान कानून के अनुसार न्यायपालिका कोई आदेश नहीं दे सकती। 2. याचिकाकर्ता की याचिका प्रचारात्मक है। 3. उन्होंने हंसते हुये यह भी कहा कि इसके लिये तुम्हें भगवान विष्णु से ही प्रार्थना करनी होगी। इस तीसरी बात को लेकर श्री राकेश किशोर और उनकी तथाकथित सनातन जमातें जस्टिस गवई का विरोध कर रही हैं, उन्हें सनातन विरोधी बता रही हैं।

वे वास्तव में इतने नासमझ हैं या स्थाई या लंबी सत्ता के कारण इतने मदहोश हो गये हैं कि किसी बात का अर्थ ही नहीं समझ सकते। सैकड़ों वर्ष पहले आर्य समाज की शुरुआत स्वामी दयानंद सरस्वती ने की थी कि उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा था कि पत्थर में भगवान नहीं होते। शिवलिंग पर चढ़े हुये चूहे को देखकर ही उन्होंने यह टिप्पणी की थी और एक अर्थ में उन्होंने पाषाण पूजा को नकारकर वैदिक कालीन यज्ञ परंपरा को शुरू किया था तो क्या स्वामी दयानंद सनातन के भी खिलाफ थे? बल्कि वे यह कहकर समाज को तार्किकता की ओर ले जा रहे थे। वे धर्म और धार्मिक क्रियाओं की भी समाज उपयोगी दृष्टि से उपयोगी बता रहे थे और आज देश में करोड़ों आर्य समाज को मानने वाले हैं जिनका विश्वास पाषाण प्रतिमा में नहीं है तो क्या वे सनातन विरोधी हैं? सिख धर्म में भी, गुरु ग्रंथ साहब की पूजा होती है, पाठ होता है, प्रतिमा की पूजा नहीं होती तो क्या वे सनातन विरोध हैं? वैदिक काल में भी पाषाण प्रतिमा पूजा का कोई जिक्र नहीं है तो क्या वेद सनातन विरोधी है? और इस सनातन की व्याख्या करने वाले या उसका एकाधिकार यह इन चंद लोगों को कैसे प्राप्त हो गया? इन्हें भूलना नहीं चाहिये कि सिख कौम बहादुर कौम के गुरु गोविंद सिंह ने अपने बेटों को दीवालों में चुन दिया, पर अपने धर्म को नहीं त्यागा।

जिन भगवान विष्णु के अपमान की बात कर श्री राकेश किशोर जस्टिस गवई पर कीचड़ उछाल रहे हैं उन्हें पता नहीं कि भगवान विष्णु का अर्थ क्या है? भगवान विष्णु का अर्थ तो अहिंसा-पालनहार और क्षमा करने वाला होता है। हमारे देश की धार्मिक पुराणों व किवदंतियों में यह घटना बताई जाती है कि भृगु ऋषि ने भगवान विष्णु के सीने पर लात मारी थी और भगवान विष्णु ने उनसे कहा था कि आपके पैर में चोट तो नहीं लगी। इससे बड़ा अहिंसा, दया और क्षमा का क्या उदाहरण हो सकता है? परंतु राकेश किशोर जिसने केवल मतभिन्नता के आधार पर संविधान की सर्वोच्च पीठ को अपमानित करने के लिये जूता फेंका क्या वह भगवान विष्णु का न्याय हो सकता है? या भगवान विष्णु की आड़ में इस वैचारिक व कर्म की हिंसा को क्षमा किया जा सकता है। जस्टिस गवई जब पीठ पर बैठते हैं तब वे एक व्यक्ति मात्र नहीं हैं, जब वे सुनवाई कर रहे हैं तब वे व्यक्ति मात्र नहीं हैं बल्कि वे संवैधानिक पीठ के पर्याय हैं, जिसे भारतीय संविधान ने सर्वोच्च माना है। जिस प्रकार हमारे देश की हिंदू परंपराओं के दौरान व्यास पीठ पर बैठा व्यक्ति पीठ पर बैठने के बाद व्यास मुनि का पर्याय माना जाता है, उसी प्रकार संविधान पीठ पर बैठा व्यक्ति संविधान का पर्याय माना जाता है।

बिहार की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार कौन

राजेश कुमार पासी

मैं कभी बिहार नहीं गया लेकिन बिहार के लोगों के साथ हमेशा रिश्ते बने रहे। ये बड़ा अजीब है कि जिन बिहारियों की मेहनत से पंजाब अन्नदाता कहलाया, तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र के कारखाने चलते हैं, उन्हीं बिहारियों का प्रदेश सबसे गरीब राज्य कहलाता है। सुशासन बाबू कहलाने वाले नीतीश कुमार 20 साल से लगातार सत्ता में हैं, लेकिन बिहार फिर भी पिछड़ा हुआ है। छठ के महापर्व पर जिस तरह से रेलगाड़ियां भर-भर कर बिहार की तरफ जा रही हैं, उससे पता चलता है कि बिहारी पूरे देश में कितनी बड़ी संख्या में बसे हुए हैं। एसी ट्रेनों में भी पैर रखने की जगह नहीं है जबकि सरकार का कहना है कि उसने 12000 विशेष रेल चलाई हैं। वास्तव में आम दिनों में भी बिहार जाने और आने वाली रेलगाड़ियां बुरी तरह से ठसाठस भरी हुई होती हैं। सवाल यही है कि क्या कारण है कि बुद्धि और बल में कोई कमी न होने के बावजूद बिहारियों की ऐसी हालत है। क्यों इन्हें अपना घर-परिवार छोड़कर दूसरे प्रदेशों में जाना पड़ता है। अजीब बात है कि जिन प्रदेशों की अर्थव्यवस्था बिहारियों के खून-पसीने से चल रही हैं, वहीं पर इनका घोर अपमान किया जाता है।

पंजाब में एक बिहारी के द्वारा एक पांच साल के बच्चे के साथ घिनौना कृत्य करने के कारण यूपी और बिहार के प्रवासियों को बाहर निकालने की मुहिम शुरू कर दी गई। एक व्यक्ति की हैवानियत के कारण सभी प्रवासियों को दोषी ठहरा दिया गया जबकि पंजाब खुद ही प्रवासियों का प्रदेश है जहां से बड़ी संख्या में लोग विदेशों में जाकर बस गए हैं। बिहार में चुनाव होने वाले हैं और चुनाव प्रचार जोर-शोर से चल रहा है। चुनाव में बिहार की बदहाली की चर्चा हो रही है। विपक्षी खेमे से राजद और कांग्रेस बिहार की बदहाली के लिए वर्तमान सत्तारूढ़ दल भाजपा और जेडीयू को इसके लिए जिम्मेदार बता रहे हैं। अगर हम बिहार की बदहाली का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बिहार के वर्तमान हालातों के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार राजद और कांग्रेस ही हैं। जहां कांग्रेस की केंद्र सरकार ने बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया तो दूसरी तरफ राजद के जंगलराज ने बिहार की पूरी अर्थव्यवस्था चौपट कर दी। बिहार इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है लेकिन पहले इतनी पिछड़ गई थी कि अभी भी बिहार पिछड़ा राज्य ही कहलाता है। 2025-26 तक बिहार की जीडीपी वृद्धि दर 22% रहने का अनुमान है। जब से नीतीश सरकार आई है, तब से बिहार की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। 2004-05 और 2008-09 के बीच की पांच साल की अवधि में बिहार की जीडीपी 11.3% दर से बढ़ी थी, जिससे बिहार सबसे तेज गति से बढ़ती दूसरी अर्थव्यवस्था बन गया था। बिहार हमेशा पिछड़ा राज्य नहीं रहा है, आजादी से पहले बिहार एक औद्योगिक राज्य के रूप में स्थापित था। इसकी वजह यह थी कि यहां खनिज पदार्थ भारी मात्रा में थे। अविभाजित बिहार में भारत के 40% खनिज पदार्थ थे। इसके अलावा कृषि के मामले में भी बिहार काफी आगे था। यहां इस्पात उद्योग, सीमेंट उद्योग, चीनी और जूट उद्योग स्थापित थे। बिहार में कुटीर उद्योग भी बेहतर स्थिति में थे।

देश के चीनी उत्पादन का 25 प्रतिशत भाग बिहार में पैदा होता था लेकिन आज केवल 2 प्रतिशत ही बचा है। जब बिहार में गन्ना ही पैदा होना बंद हो गया तो चीनी का उत्पादन बंद होना स्वाभाविक है। बिहार के खनिज संसाधनों के कारण टाटा जैसे बड़े उद्योग समूह यहां उद्योग लगा रहे थे लेकिन केंद्र सरकार की नीतियों ने यह भी बंद करवा दिया। 1950 के बाद नेहरू सरकार ने बिहार के खनिज संसाधनों का उपयोग राज्य की प्रगति के लिए न करना उचित समझा। इसके विपरीत नेहरू सरकार ने आजादी के बाद रेल भाड़ा समानीकरण कानून लाकर खनिज संसाधनों से भरपूर बिहार के लिए लाभ की स्थिति को खत्म कर दिया। यह कानून 1990 में खत्म किया गया लेकिन तब तक बिहार इतना पिछड़ चुका था कि उसे संभालना आज भी मुश्किल हो रहा है।

रेल भाड़ा समानीकरण का मतलब यह था कि रेलगाड़ी के जरिये धनबाद से खनिज बोकारो पहुंचाने में जितना भाड़ा लगता था, उतना ही भाड़ा महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात पहुंचाने में लगता था। नेहरू सरकार यह कानून इसलिए लाई थी ताकि औद्योगीकरण का लाभ समान रूप से सभी राज्यों को मिले। सरकार नहीं चाहती थी कि जिन राज्यों में खनिज पदार्थ हैं, वहां ज्यादा उद्योग लगाए जाएं। भाड़ा समानीकरण के बाद टाटा जैसे उद्योग समूहों के लिए बिहार में उद्योग लगाने की मजबूरी खत्म हो गई, इससे बिहार का उद्योगीकरण पिछड़ गया। जो राज्य समुद्री तट के नजदीक थे, ज्यादातर उद्योग वहां चले गए। नेहरू सरकार की यह नीति बिहार के लिए घातक थी लेकिन इसके एवज में बिहार को कुछ नहीं दिया गया। अगर इसके एवज में बिहार में कृषि उत्पादन को ही बढ़ावा दिया जाता तो बिहार संभल सकता था लेकिन यहां भी बिहार के साथ नाइंसाफी की गई। नेहरू और इंदिरा सरकार की कृषि नीति पंजाब केंद्रित थी। नेहरू सरकार ने 1955 में सिंचाई के मद में पूरे देश के लिए करीब 300 करोड़ रुपये का आवंटन किया था लेकिन पंजाब को इसमें से करीब 110 करोड़ रुपये दिए गए। कोसी बांध परियोजना पर काम किया जाना था लेकिन नेहरू सरकार ने पैसा न होने की बात कहकर उसे टाल दिया। इस परियोजना को बिहार सरकार और बिहार की जनता के भरोसे छोड़ दिया गया, जो आज तक पूरी नहीं हो पाई है। अगर उस समय केंद्र सरकार द्वारा किए गए वित्तीय आवंटन का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि बिहार की घोर उपेक्षा की गई थी। पंचवर्षीय योजनाओं में भी बिहार की अनदेखी की गई। इतना जरूर था कि केंद्र सरकार ने वहां बड़े उद्योग लगाए लेकिन इससे बिहार का भला नहीं हो पाया। वास्तव में बिहार की कृषि की उपेक्षा बिहार को भारी पड़ी। बिहार की असली बर्बादी 1990 में तब शुरू हुई, जब वहां लालू प्रसाद यादव की सरकार ने सत्ता संभाली। उन्होंने नारा भी लगाया कि बिहार को विकास नहीं, सम्मान चाहिए।

यह सम्मान भी एक विशेष जाति और धर्म तक सीमित था। इसका नतीजा यह हुआ कि एक जाति और धर्म का वहां वर्चस्व इतना बढ़ गया कि दूसरे लोग उपेक्षित महसूस करने लगे।

लालू यादव के राज में राजनीति का पूरी तरह से अपराधीकरण हो गया। बिहार का सबसे बड़ा उद्योग अपहरण को बना दिया गया। जातिवाद से बिहार बुरी तरह से जकड़ गया और आज तक नहीं निकल पाया है। कानून-व्यवस्था की हालत ऐसी हो गई कि लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। सूरज छिपने से पहले लोग घरों में बंद होने लगे क्योंकि रास्ते में लूट लिए जाने का डर होता था। लोगों की जान और माल दोनों ही असुरक्षित हो गए। पूरा वातावरण व्यवसाय विरोधी हो गया, जिससे व्यवसायी धीरे-धीरे बिहार छोड़ने लगे। जिस भी व्यक्ति के पास थोड़ा पैसा होता था, उसके घर से किसी का अपहरण हो जाता था ताकि उसके पैसे पर कब्जा किया जा सके। एक नेता की बेटी की शादी में दुकानों से कीमती सामानों को उठा लिया गया। छोटे-छोटे उद्योगपति बिहार से भाग गए और व्यवसाय खत्म हो गए। बिहार की जीडीपी वृद्धि दर 2-3 प्रतिशत तक सीमित हो गई। लालू यादव के जंगलराज को आज भी बिहार की जनता याद करके सिहर उठती है, इसलिए विपक्ष के लिए नीतीश सरकार को हटाना मुश्किल हो रहा है।

रिश्ते भी पौधों की तरह हैं – समय और प्यार से ही खिलते हैं

आरके जैन

आज की तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी में एक सवाल बार-बार मन को कुरेदता है—क्या हम वाकई अपनों के लिए समय निकाल पाते हैं? यह सवाल साधारण-सा लगता है, मगर इसके जवाब में छिपी सच्चाई हमारे जीवन की स्याह हकीकत बयान करती है। हम ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहां समय की कीमत अनमोल रत्नों से भी बढ़कर हो गई है। सुबह की शुरुआत मोबाइल के अलार्म से होती है, और रात स्क्रीन की नीली रोशनी में डूबकर ख़त्म। इस आपाधापी में हम उन रिश्तों को अनदेखा कर रहे हैं, जो कभी हमारी दुनिया का आधार थे। माता-पिता की मुस्कान, बच्चों की मासूम बातें, दोस्तों के साथ बेफिक्र लम्हे, या जीवनसाथी के साथ वो सुकून भरे खामोश पल—ये सब अब धीरे-धीरे हमारी प्राथमिकताओं से बाहर हो रहे हैं। पहले वक्त था, जब परिवार का मतलब था—सबका एक साथ डाइनिंग टेबल पर बैठना, दिनभर की कहानियां बांटना, और हंसी-ठहाकों में समय का अहसास ही खो जाना। आज वही परिवार एक छत के नीचे रहकर भी अलग-अलग स्क्रीनों में बंटा हुआ है। माता-पिता टीवी के सामने, बच्चे हेडफ़ोन के साथ यूट्यूब में खोए, और हम सोशल मीडिया के अंतहीन भंवर में डूबे। हमारी उंगलियां स्क्रीन पर तो दौड़ती हैं, लेकिन अपनों के दिल की बात पढ़ने का वक्त गुम हो गया। हम ऑनलाइन हर पल मौजूद हैं, पर अपनों के लिए 'ऑफलाइन' हो चुके हैं। हम अक्सर कहते हैं, "समय नहीं है।" लेकिन क्या यह सचमुच सच है? दिन के चौबीस घंटों में हम घंटों सोशल मीडिया पर भटकते हैं, नेटफ्लिक्स की दुनिया में खोए रहते हैं, व्हाट्सएप की चैट में उलझे रहते हैं, मगर मां से पांच मिनट की बातचीत के लिए वक्त नहीं निकलता। बच्चों के साथ हंसी-खेल की बात तो दूर, उनकी आंखों में झांककर यह पूछने का मौका नहीं मिलता कि उनका दिन कैसा गुजरा। रिश्ते अब 'वीकेंड प्लान' बनकर सिमट गए हैं, जिन्हें हम किसी प्रोजेक्ट की तरह 'मैनेज' करने की जद्दोजहद में लगे हैं। लेकिन रिश्ते कोई टू-डू लिस्ट नहीं, जिसे चेकमार्क लगाकर भुला दिया जाए। रिश्तों को जीना पड़ता है, संजोना पड़ता है, और इसके लिए दिल से समय देना पड़ता है। आधुनिक जीवन ने हमें सुविधाओं का खजाना सौंपा है—तकनीक, अवसर, चमक-दमक। लेकिन इसके बदले उसने हमसे अपनापन छीन लिया। तकनीक ने वादा किया था कि वह हमें जोड़ेगी, मगर हकीकत में वह हमें भावनात्मक रूप से और दूर धकेल रही है। वर्क-फ्रॉम-होम ने घर को दफ्तर बना दिया, लेकिन घर का सुकून कहीं गुम हो गया। हम गैजेट्स से बतियाते हैं, पर सामने बैठे अपनों से दो शब्द बोलने का वक्त नहीं। सबसे दर्दनाक यह है कि यह दूरी हमें अब सामान्य लगने लगी है। पास रहकर भी अनदेखा करना हमारी आदत बन गई है। यह अनदेखी सिर्फ रिश्तों तक नहीं रुकती; यह हमारे मन को भी खोखला कर रही है। आज अकेलापन, तनाव, और अवसाद आम बात हो गए हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययन चीख-चीखकर बताते हैं कि अपनों से जुड़ाव की कमी मानसिक स्वास्थ्य को तार-तार करती है। इंसान सामाजिक प्राणी है—उसे अपनों की गर्माहट चाहिए, किसी की फिक्र चाहिए, किसी का साथ चाहिए। जब यह अपनापन कम होता है, तो बाहर की दुनिया की सारी कामयाबियां—नौकरी में तरक्की, बैंक बैलेंस की बढ़ोतरी, या सोशल मीडिया पर लाइक्स की बौछार—सब उस खालीपन को भरने में नाकाम रहती हैं, जो अपनों की दूरी से पैदा होता है। हम आज रिश्तों को 'निभाने' की बजाय 'मैनेज' करने की जुगत में लगे हैं। हर मुलाकात, हर बातचीत को एक 'शेड्यूल' में बांध दिया गया है। दोस्तों से मिलने के लिए गूगल कैलेंडर में स्लॉट बुक करना पड़ता है, माता-पिता से बात करने के लिए 'टाइम स्लॉट' तय करना पड़ता है। लेकिन रिश्ते कोई कॉरपोरेट मीटिंग नहीं, जो डायरी में नोट करके निपटाए जाएं। रिश्ते तब सांस लेते हैं, जब उनमें सहजता हो, जब उनमें दिल की गर्माहट और समय की नमी हो। रिश्ते उस पौधे की तरह हैं, जिसे वक्त, ध्यान और प्यार से सींचना पड़ता है। अगर उसे अनदेखा किया, तो वह धीरे-धीरे मुरझा जाता है। और जब वह सूख जाता है, तो बाद में लाख पछतावे कर लें, वो हरियाली लौटकर नहीं आती। सवाल समय की कमी का नहीं, सवाल हमारी प्राथमिकताओं का है। हम दिन-रात जिस ज़िंदगी को बेहतर बनाने की दौड़ में लगे हैं, उसका असली मकसद क्या है? अगर उस ज़िंदगी में अपनों की जगह ही नहीं, तो वह कितनी सार्थक है? करियर, पैसा, सपने—सब ज़रूरी हैं, मगर इनके बीच अपनों के लिए वक्त निकालना सबसे अनमोल है। क्योंकि जब ज़िंदगी का हिसाब लगाने का पल आएगा, तो हमें वो ईमेल, मीटिंग्स या डेडलाइंस नहीं, बल्कि अपनों के साथ बिताए लम्हे याद आएंगे—वो हंसी, वो बातें, वो साथ। अब वक्त है, इस भागदौड़ में ठहरकर सांस लेने का। हर दिन चंद पल अपनों के नाम करें। फोन को साइलेंट कर माता-पिता के साथ बैठें, उनके पुराने किस्सों में खो जाएं। बच्चों के साथ उनका पसंदीदा खेल खेलें, उनकी चमकती आंखों में दुनिया देखें। किसी दोस्त को बेवजह कॉल कर पुरानी यादें ताज़ा करें। ये छोटे-छोटे पल रिश्तों को सिर्फ़ जिंदा नहीं रखते, बल्कि हमारे भीतर के खालीपन को भरते हैं। तकनीक को गुलाम बनाएं, मगर उसे रिश्तों पर हावी न होने दें। असली आधुनिकता 'कनेक्टेड' होने में नहीं, अपनों से 'जुड़े' रहने में है।

तलाक की चक्की में पिस जाती हैं दोनों की जिन्दगियां

डॉ. सुनील चौरसिया

कमियां गिनाकर तलाक चाहने वालों में कमियों की कमी होती है क्या? इस जगत में कोई दूध का धुला नहीं है। जहां सच में प्रेम होता है वहां कमी भी अच्छाई में तब्दील हो जाती है। दाग तो चांद में भी होता है जिसके दीदार को दुनिया तरसती है। डगमगाते हुए रिश्ते को संवारने के लिए एक मुस्कान काफी है, बस रिश्ता चलाने और निभाने की चाहत होनी चाहिए। पहला प्यार और पहली शादी हमेशा अद्वितीय होती है। इसे यथासंभव संजोए रखना चाहिए। तलाक़ से बचना चाहिए। तलाक़ से पति-पत्नी दोनों की ज़िन्दगियां दागदार हो जाती हैं। ढएक कहावत प्रचलित है, 'मरदे-मेहरारू के झगड़ा और गांव भरके रगड़ा' अर्थात पति-पत्नी आपस में लड़ेंगे, झगड़ेंगे फिर एक हो जाएंगे। उसमें तीसरे को हस्तक्षेप करना ही नहीं चाहिए। लगभग हर तलाक में तीसरे का हाथ होता है। जब पति-पत्नी के बीच में कोई तीसरा टपक जाता है तो मामला और पेचीदा हो जाता है और तिल का ताड़ बन जाता है। जहां दिल का मामला हो वहां ज्यादा दिमाग लगाना उचित नहीं होता है। परिवार चलाने के लिए दिल चाहिए और संसार चलाने के लिए दिमाग। जिस परिवार में दिमाग दखल देता है उसी परिवार में तलाक दस्तक देता है। जहां तकरार होता है वहां दरार भी होता है और प्यार भी होता है। मैं और तुम की जगह जहां हम होता है, वहां हर ज़ख़्म का मरहम होता है। आजकल तलाक के तह में सिर्फ और सिर्फ अहम् होता है। पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते में आखिर क्यों वहम् होता है? सावन साहित्य सेवा सदन की चाहत है- आपके मधुमय जीवन में सुख, शान्ति, स्नेह, सम्मान और सुकून की वर्षा हो। आपका जीवन मंगलमय हो।

मैं अक्सर एक गीत गुनगुनाता हूं 'उम्र कट न जाए यूं ही रूठने मनाने में।' रूठना और मनाना प्रेममय जीवन का सुगम संगीत होता है। जिस रिश्ते में यह भाव होता है उससे तलाक जैसा कुभाव कोसों दूर रहता है। प्रेम की दुनिया अद्भुत होती है। प्रेम में हार मानने वाला ही विजेता होता है। जहां झुकाव होता है वहां लगाव होता है। पति-पत्नी का रिश्ता बहुत ही सुकोमल होता है। इसमें बात-बात पर अनबन होती है और एक ही मुस्कान से मन की सारी गांठें खुल भी जाती हैं। रिश्ता निभाना बच्चों का खेल थोड़ी है। इसमें एक दूसरे के दोषों को भी स्वीकारना होता है। लोग आजकल दोष -दर्शन होते ही दूसरे की चाहत में तलाक की ओर रूख़ करने लगते हैं। यह मानसिक मृगतृष्णा है। अक्सर दूर के ढोल सुहाने होते हैं। इसलिए जो प्राप्त है वह पर्याप्त है। रोज मीठी-मीठी बातें करने वाली पत्नी कभी तीखी बातें करे तो क्या हुआ? है तो अपनी ही। घी के लड्डू टेढ़ो भला। रोज प्यार-दुलार करने वाला पति कभी कुछ बोल दे तो क्या हुआ? है तो अपना ही। घी के लड्डू टेढ़ो भला। पति-पत्नी के जीवन में बहुत रस होता है। इसे सहनशीलता, सम्मान, सहयोग और समर्पण से सिंचना होता है। एक दूजे को महत्व देने से जीवन का उपवन लहलहा उठता है। तलाक की चक्की में पति-पत्नी दोनों की खूबसूरत ज़िन्दगी पिस जाती है जिसका रस लेता है कोई तीसरा। उस तीसरे को पहचानें और अपने जीवन को जानें। क्षमा, दया और करुणा से मुरझाई हुई ज़िन्दगी भी खिलखिला उठती है। प्रथम मिलन की याद मात्र से नीरस जीवन भी सरस हो उठता है। मृगतृष्णा में दुःख है।

छठ पूजा का तीसरा दिन सांध्य अर्घ्य कब होगा सूर्यास्त, मंत्र और मुहूर्त

छठ पूजा से जुड़ी पौराणिक कथा

प्रथम मनु स्वायम्भुव के पुत्र राजा प्रियव्रत को कोई संतान नहीं थी। महर्षि कश्यप ने राजा से पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ करने को कहा। राजा ने यज्ञ कराया। इसके बाद महारानी मालिनी ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन दुर्भाग्य से वह शिशु मृत पैदा हुआ। इस बात से राजा बेहद दुःखी थे। तभी आकाश से एक विमान उतरा जिसमें माता षष्ठी विराजमान थीं। जब राजा ने उनसे प्रार्थना की तो देवी ने अपना परिचय देते हुए कहा कि मैं ब्रह्मा की मानस पुत्री षष्ठी देवी हूं। मैं विश्व के सभी बालकों की रक्षा करती हूं और निःसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती हूं। इसके बाद देवी ने मृत शिशु को आशीष देते हुए हाथ लगाया, जिससे वह जीवित हो गया। देवी की इस कृपा से राजा बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने षष्ठी देवी की आराधना की। इसके बाद से ही छठ पूजा का प्रचलन प्रारंभ हुआ।

27 अक्टूबर 2025 छठ पूजा का समयः
सूर्योदय समयः छठ पूजा के दिन सूर्य उदय सुबह 06:30 बजे होगा।
सूर्यास्त समयः छठ पूजा के दिन सूर्या अस्त शाम 05:40 बजे होगा।
छठ पूजा पर षष्ठी तिथि का प्रारंभ और समापन समयः
षष्ठी तिथि प्रारम्भ- 27 अक्टूबर 2025 को सुबह 06:04 बजे से।
षष्ठी तिथि समाप्त- 28 अक्टूबर 2025 को सुबह 07:59 बजे तक।
छठ पूजा के दिन के शुभ मुहूर्तः
ब्रह्म मुहूर्तः प्रातः 04:47 से 05:38 तक।
प्रातः सन्ध्या पूजाः प्रातः 05:13 से 06:30 तक।
अभिजीत मुहूर्तः दिन में 11:42 से दोपहर 12:27 तक।
गोधूलि मुहूर्त : शाम को 05:40 से 06:06 तक।

27 अक्टूबर 2025 सोमवार के दिन छठ पूजा होगी। इस दिन निर्जला व्रत रखकर शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर उनकी पूजा करते हैं और इसी के साथ इस दिन षष्ठी की देवी छठ मैया की पूजा भी होती है। आओ जानते हैं कि इस दिन कब होगा सूर्यास्त, सूर्य को अर्घ्य देने का मंत्र और क्या है शुभ मुहूर्त।

छठ पूजा पर सूर्य मंत्रः- इस मंत्र का उच्चारण करते हुए तीन बार अस्त होते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य दें।
ॐ एहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजोराशे जगत्पते।
अनुकम्पया मां भक्त्या गृहाणार्घ्य दिवाकरः॥

छठ पूजा के पहले दिन नहाय खाय पर साफ सफाई होती है और छठ पूजा के लिए कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं और पूजा सामग्री एकत्रित करके पूजा की तैयारी करते हैं। दूसरे दिन खरना पर दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को खरना का अन्न ग्रहण करते हैं और इसके बाद प्रारंभ होता है छठ पूजा का निर्जला उपवास। तीसरे दिन छठ पूजा के दिन दिनभर पूजा और प्रसाद की तैयारी होती है और शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर रात में छठी मैया के गीत गाते हैं। अगले दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं।

सूर्यास्त और सूर्योदय का समय

27 अक्तूबर को सूर्यास्त शाम 05 बजकर 40 मिनट पर।
28 अक्तूबर को सूर्योदय सुबह 06 बजकर 30 मिनट पर।

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक छठ पूजा के पावन पर्व के दौरान आप शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाएं। इससे महादेव प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।
इस दौरान आप शिवलिंग पर कच्चा दूध अवश्य चढ़ाएं। मान्यता है कि इससे मानसिक शांति, रोग से मुक्ति, तनाव से राहत व रिश्तों में प्रेम-विश्वास बढता है।
छठ पूजा के दौरान शिवलिंग पर आप शमी का फूल भी चढ़ाएं। यह बेहद शुभ होता है। इसके प्रभाव से घर में सुख-समृद्धि भी वास करती है।
शिवलिंग पर चंदन शहद चढ़ाने से लंबे समय से अटके काम पूरे होते हैं। इसके अलावा महादेव सभी मनोकामनाएं भी पूरी करते हैं।
महाकाल को बेलपत्र अति प्रिय है। ऐसे में आप शिवलिंग पर 108 बेलपत्र अर्पित करें। इससे साधक के जीवन के बड़े से बड़े संकट दूर होते हैं। साथ ही अच्छी सेहत और सुखी जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पीढ़ियों से छठ पूजा की मीठी परंपरा है ठेकुआ

ठेकुआ सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि आस्था और पवित्रता का प्रतीक है। यह बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाए जाने वाले लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण और अनिवार्य प्रसाद है। गेहूं के आटे, गुड़ या चीनी और शुद्ध देसी घी से बना यह खस्ता और स्वादिष्ट पकवान, सूर्य देव और छठी मैया को अर्पित किया जाता है।

ठेकुआ का हर निवाला इस पर्व की सादगी और धार्मिक महत्व को दर्शाता है। इसे पारंपरिक सांचों (सांचे) में खास नक्काशीदार आकार दिया जाता है, जो इसकी सुंदरता को और बढ़ा देता है। छठ के दौरान, ठेकुआ पूरे परिवार के साथ मिलकर बनाया जाता है, जिससे यह सिर्फ एक रेसिपी नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही एक मीठी परंपरा बन जाता है।

- सौंफ (ज़रूरी सामग्री)
- इलायची पाउडर (वैकल्पिक)
- कद्दूकस किया हुआ नारियल/ड्राई फ्रूट्स (स्वेच्छानुसार)
- पानी (गुड़ का घोल बनाने और आटा गूंथने के लिए)

पारंपरिक विधिः

1. गुड़ का घोल तैयार करेंः
- गुड़ को छोटे टुकड़ों में तोड़ लें।
- एक पैन में थोड़ा पानी गर्म करें और उसमें गुड़ डालकर पिघलने तक चलाएं।
- जब गुड़ पूरी तरह घुल जाए, तो घोल को ठंडा होने दें और फिर छान लें ताकि अशुद्धियाँ निकल जाएँ। यह घोल हल्का गुनगुना इस्तेमाल करें।

2. आटा तैयार करें (मोयन लगाना):
- एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा लें।
- इसमें सौंफ, इलायची पाउडर और कद्दूकस किया हुआ नारियल (यदि इस्तेमाल कर रहे हैं) डालकर अच्छे से मिला लें।
- अब पिघला हुआ देसी घी (मोयन के लिए) आटे में डालें और हाथों से अच्छी तरह मिलाएं।
- मोयन सही है या नहीं, यह चेक करने के लिए आटे को मुट्ठी में दबाकर देखें; अगर मुट्ठी बन रही है तो मोयन सही है।

3. आटा गूंथनाः
- तैयार आटे में थोड़ा-थोड़ा गुड़ का घोल डालते हुए सख्त/ मीडियम हार्ड आटा गूंथ लें।
- ध्यान रखेंः ठेकुआ का आटा न ज़्यादा सख्त होना चाहिए और न ही ज़्यादा मुलायम, वरना तलने के दौरान टूट सकता है या खस्ता नहीं बनेगा। इसे ज़्यादा मसलना नहीं होता है, बस एक साथ इकट्ठा करना होता है।
- आटे को गूंथने के बाद लगभग 10 मिनट के लिए ढककर रख दें।

4. ठेकुआ को आकार देनाः
- आटे से पूरी के आकार की छोटी-छोटी लोई बना लें।
- इसे हथेली से दबाकर चपटा करें या हल्का बेलकर मोटा डिस्क जैसा आकार दें।
- पारंपरिक रूप से ठेकुआ पर लकड़ी के सांचे/ साखू से या हाथ से, कांटे वाली चम्मच/fork या टूथपिक का उपयोग करके डिज़ाइन बनाई जाती है।

5. तलना (फ्राई करना):
- एक कढ़ाई में देसी घी या तेल गर्म करें।
- आंच को मध्यम से धीमी रखें।
- तैयार ठेकुआ को गर्म घी/तेल में धीरे-धीरे डालें और सुनहरा भूरा यानी और कुरकुरा होने तक दोनों तरफ से तलें।

क्या ईश्वर के विधान में भी गलती हो सकती है ?

एक बार संत राबिया की कुटिया पर 2 फकीर पधारे और बोले, "हो सके तो हमारे लिए भोजन की व्यवस्था कर दीजिए।"
फकीरों के खाना मांगने पर संत राबिया ने घर में देखा तो पाया कि वहां तो 2 ही रोटियां थीं। इतने में एक भिखारी ने भी आवाज लगाई, "भूखा हूं, कुछ खाने को दो।" अब राबिया ने दोनों रोटियां उस भिखारी को दे दीं। तभी छोटी-सी एक लड़की पोटली लेकर आई और बोली, "यह अम्मा ने भेजी है।"
राबिया ने उस पोटली को खोला तो पाया कि उसमें काफी रोटियां थीं। उन्होंने वे रोटियां फकीरों को परोस दीं। फकीर भी वहीं खड़े सब कुछ देख रहे थे, तो उन्होंने कहा, "भोजन तो हम बाद में करेंगे, पहले जो कुछ हुआ, वह हमें समझाओ। संत राबिया बोलीं, "घर में केवल 2 ही रोटियां थीं, इतने में भिखारी आ गया। परमात्मा का नाम लेकर दोनों रोटियां मैंने उसे दे दीं। साथ ही साथ परमात्मा से दुआ भी की, "सुना है कि तू दिए दान का दस गुना तो अवश्य ही वापस करता है। इसलिए आज मुझे इस दान का फल तुरंत देना।"
राबिया बोलीं, वह लड़की जब रोटियां लेकर आई, तो गिनने पर पाया कि केवल 18 रोटियां ही हैं, जबकि 2 का दस गुना तो 20 होता है। मैंने सोचा कि क्या परमात्मा के विधान में भी कोई गलती हो सकती है ? लगता है कि या तो मुझसे या फिर रोटी भेजने वाली महिला से कुछ गलती हो गई। लेकिन फिर जब मैंने दोबारा गिनती की, तो कुल 20 रोटियां थीं। मैं परमात्मा की शुक्रगुजार हूं कि उसने मेरी लाज रख ली और द्वार पर आए लोगों को भूखा नहीं जाने दिया।"
यह सुनकर फकीर बोले, "तुम, तुम्हारी ईश्वर भक्ति और आस्था धन्य है।"

इन कथाओं से जानें, छठ पूजा का इतिहास

छठ पर्व या छठ व्रत सूर्य की उपासना का प्रतीक है। जिसमें व्रतधारी, व्रत के साथ ही विशेष स्वच्छता का ध्यान रखता है। नहाय खाय के साथ छठ पर्व की शुरूआत होती है। मालूम हो कि हर साल छठ व्रत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को होती है। यह त्योहार विशेष रूप से बिहार, पूर्वांचल, झारखंड आदि क्षेत्रों में विशेष धूमधाम के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व के पीछे भी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं।

राजा प्रियंवद व मालिनी की कहानी

पौराणिक कथाओं के अनुसार, राजा प्रियंवद को कोई संतान नहीं थी। तब महर्षि कश्यप ने पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ कराकर प्रियंवद की पत्नी मालिनी को यज्ञ आहुति के लिए बनाई गई खीर दी। इससे उन्हें पुत्र हुआ, लेकिन वह मृत पैदा हुआ। प्रियंवद पुत्र को लेकर श्मशान गए और पुत्र वियोग में प्राण त्यागने लगे। उसी वक्त भगवान की मानस पुत्री देवसेना प्रकट हुई और उन्होंने कहा कि सृष्टि की मूल प्रवृत्ति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण मैं षष्ठी कहलाती हूं। राजन तुम मेरी पूजा करो और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करो। राजा ने पुत्र इच्छा से देवी षष्ठी का व्रत किया और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह पूजा कार्तिक शुक्ल षष्ठी को हुई थी।

भगवान राम ने की थी सूर्यदेव की आराधना

एक दूसरी कथा के अनुसार, लंका पर विजय पाने के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की पूजा की। सप्तमी को सूर्योदय के वक्त फिर से अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशीर्वाद प्राप्त किया था। यही परंपरा अब तक चली आ रही है।

कर्ण ने शुरू की सूर्य देव की पूजा

एक अन्य कथा यह भी है कि छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य देव की पूजा शुरू की। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। वह प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है।

छठ पर्व से पांडवों को मिला राजपाट

छठ पर्व के बारे में एक कथा और भी है। इसके अनुसार जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए, तब द्रौपदी ने छठ व्रत रखा। उनकी मनोकामनाएं पूरी हुई और पांडवों को राजपाट वापस मिल गया। लोक परंपरा के अनुसार, सूर्यदेव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई है।

संत कबीर ने सिखाया, क्यों सहनशील लोग कभी नहीं डूबते दुख के सागर में ?

एक युवक संत कबीर के पास मार्गदर्शन लेने पहुंचा। संत कबीर ने उसकी बात ध्यान से सुनी और उसे बैठने के लिए कहा। कुछ समय बाद संत कबीर ने पत्नी को दीया जलाकर लाने के लिए कहा। दोपहर का समय था। कबीर की कुटिया में उस समय भरपूर उजाला था। ऐसे में दीया जलाना बहुत ही अटपटा लग रहा था। लेकिन संत कबीर की पत्नी बिना किसी प्रतिक्रिया के दीया जलाकर ले आई। थोड़ी देर बाद कबीर की पत्नी दो प्यालों में दूध लेकर आईं। संत कबीर और उस युवक ने दूध पीना शुरू कर दिया।
कबीर की पत्नी ने पूछा, "दूध मीठा हो गया या और चीनी लाऊं ?" तब तक युवक थोड़ा दूध पी चुका था। दूध खारा था। शायद उसमें चीनी के बदले नमक डाला हुआ था। लेकिन संत कबीर बोले, "दूध पूरा मीठा है। तुम अब जा सकती हो।"
युवक समझ नहीं पा रहा था कि खारे दूध को मीठा बताने का क्या औचित्य हो सकता है? वह सोचने लगा कि संत कबीर मुझे क्या बताना चाहते हैं। युवक इसी उधेड़बुन में था कि संत कबीर बोले, "तुम सहनशीलता की भावना के साथ नए जीवन में प्रवेश करोगे तो तुम्हें कभी दुख नहीं होगा। तुमने देखा, हम दोनों एक-दूसरे को कितनी शांति से सह लेते हैं। मैंने दिन में दीया मंगवाया। मेरी पत्नी इतना तो समझती है कि दिन में प्रकाश की जरूरत नहीं होती। फिर भी उसने इसे सहज भाव से लिया। इसी प्रकार मैंने भी उसे सहने का प्रयास किया। तुमने दूध पीया, वह खारा था। मेरे प्याले में भी वही दूध था। मैंने उसे कुछ नहीं कहा। अब कुछ कह कर उसका दिल क्यों दुखाऊं?"

पौधे ही बदल सकते हैं आपकी किस्मत! कौन-सा पौधा किस दिशा में लगाएं ?

हर इंसान चाहता है कि उसके घर में सुख, शांति और समृद्धि हमेशा बनी रहे। इसके लिए हम घर की साज-सज्जा से लेकर पूजा-पाठ तक हर उपाय अपनाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर में लगाए गए पौधे भी आपकी किस्मत बदल सकते हैं? वास्तु शास्त्र के अनुसार हर दिशा की अपनी एक अलग ऊर्जा होती है और अगर उस दिशा में सही पौधा लगाया जाए तो घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म होकर सकारात्मकता बढ़ती है। पौधे सिर्फ ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि ये घर का माहौल भी बदल देते हैं। हरियाली जहां होती है, वहां मन खुद-ब-खुद शांत होता है और तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं। कई बार लोग बिना दिशा जाने ही पौधे लगा देते हैं, जिससे लाभ की जगह नुकसान होने लगता है, अगर पौधे गलत दिशा में लगाए जाएं तो घर में अनबन, आर्थिक परेशानी या मानसिक तनाव बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि वास्तु के हिसाब से पौधों की सही दिशा का चुनाव किया जाए। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कि किस दिशा में कौन सा पौधा लगाने से जीवन में खुशहाली आती है और किनसे दूरी बनाना बेहतर होता है।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना जाता है। इस दिशा के स्वामी कुबेर देव हैं, जो धन के देवता माने जाते हैं, अगर आप इस दिशा में मनी प्लांट, तुलसी या शंखपुष्पी का पौधा लगाते हैं, तो घर में धन का प्रवाह बढ़ता है और रुका हुआ पैसा वापस आने की संभावना बनती है। मनी प्लांट को हरे रंग के गमले या कांच की बोतल में लगाकर उत्तर दिशा में रखें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। वहीं तुलसी का पौधा अगर उत्तर-पूर्व दिशा में लगाया जाए, तो यह घर में शुद्धता लाता है और बुरी नजर से रक्षा करता है।

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा सूर्य देव की दिशा मानी जाती है और यह जीवन ऊर्जा का प्रतीक है। इस दिशा में तुलसी या बांस का पौधा लगाना शुभ होता है। तुलसी से घर में शांति और स्वास्थ्य बना रहता है, जबकि बांस को लंबी उम्र और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। अगर आप ऑफिस या घर के बालकनी में बांस का पौधा रखते हैं, तो इससे तरक्की के रास्ते खुलते हैं और परिवार के सदस्यों में एकता बनी रहती है। ध्यान रखें कि सूखे या मुरझाए पौधे पूर्व दिशा में कभी न रखें, वरना घर की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है।

दक्षिण दिशा

दक्षिण दिशा को यम की दिशा कहा गया है, लेकिन सही पौधा लगाने से यह दिशा शुभ फल भी देती है। इस दिशा में शमी का पौधा लगाना बहुत लाभदायक होता है। यह शनिदेव की कृपा दिलाता है और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करता है।
वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा में कांटेदार या दूधिया पौधे जैसे कैक्टस लगाने से घर में कलह और तनाव बढ़ सकता है, इसलिए इन्हें इस दिशा में कभी न रखें। इसके बजाय आप रबर प्लांट या अशोक का पौधा लगा सकते हैं। यह न सिर्फ घर को हरियाली देता है, बल्कि वातावरण को शांत और सकारात्मक बनाए रखता है।

पश्चिम दिशा

पश्चिम दिशा रिश्तों और सामाजिक जीवन से जुड़ी होती है। इस दिशा में सुगंधित पौधे जैसे गुलाब, चमेली या गेंदा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। इन पौधों की खुशबू घर के माहौल में प्रेम और सामंजस्य बढ़ाती है, अगर पति-पत्नी के बीच तनाव बना रहता है, तो पश्चिम दिशा में मनी प्लांट रखना फायदेमंद होता है। यह रिश्तों में मिठास लाता है और गलतफहमियों को दूर करता है। इसके अलावा आप गेरू रंग के पौधे भी इस दिशा में लगा सकती हैं — इससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और दांपत्य जीवन में स्थिरता आती है।

मुख्य द्वार पर पौधे

घर का मुख्य द्वार वास्तु के अनुसार सबसे अहम जगह होती है क्योंकि यहीं से ऊर्जा का प्रवेश होता है। मुख्य द्वार के पास क्रासुला का पौधा लगाना बहुत शुभ माना गया है। इसे "मनी ट्री" भी कहा जाता है, जो धन को आकर्षित करता है और आर्थिक स्थिरता बढ़ाता है। ध्यान रखें कि घर के बाहर कांटेदार पौधे, सूखे पौधे या नकली पौधे कभी न रखें, ये घर की सकारात्मकता को रोकते हैं और मन में बेचैनी पैदा कर सकते हैं।

15 करोड़ का है फराह खान का घर? राखी सावंत ने पूछी कीमत तो बोलीं- इतने करोड़ की तो हमारे वॉचमैन की खोली है

फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग्स में अन्य सिलब्रिटीज के आलीशान और लग्जरी घर दिखाती हैं, पर क्या आप जानते हैं कि वह खुद भी एक शानदार घर में रहती हैं, जिसकी कीमत करोड़ों में हैं। फराह ने हाल ही अपने नए व्लग़ में बताया कि उनका घर कितना लग्जरी से भरा हुआ है और कीमत कितनी है। राखी सावंत के भी होश उड़ गए और उन्होंने फराह से कहा कि अब पता चला कि उन्हें इंडस्ट्री वाले काम के लिए पैसे क्यों नहीं देते।

दरअसल, फराह के लेटेस्ट व्लॉग में उनकी मेहमान राखी सावंत थीं। राखी सावंत कुछ समय पहले ही दुबई से वापस लौटी हैं, और अब फिर से यहीं कदम जमा रही हैं। राखी सावंत ऑटो रिक्शा से फराह खान के घर पहुंचीं। उतरते ही उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड से पूछा कि इस बिल्डिग में हर फ्लैट की कीमत कितनी है।

सिक्योरिटी गार्ड ने कहा कि 15 करोड़ रुपये और यह सुनकर राखी सावंत निराश हो गईं। उन्होंने कहा कि वह तो 100 करोड़ के बंगले में रहना चाहती हैं। राखी सावंत इसके बाद लिफ्ट में घुसीं और फराह से कहा, 'मेरा घर तो आपके घर से बड़ा है। आपके घर की कीमत 15 करोड़ रुपये है और मेरा घर 50 करोड़ रुपये का है।' यह सुनते ही फराह ने जवाब दिया, 'मेरा घर 15 करोड़ का नहीं है भाई, तू मेरे घर की मार्केट डाउन क्यों कर रही है? वो तो वॉचमैन की खोली 15 करोड़ की है हमारी बिल्डिंग में।'

राखी सावंत ने पूछी फराह के घर की कीमत, तो वो यह बोलीं

जब राखी ने फराह खान के घर की वास्तविक कीमत पूछी, तो वह बोलीं, 'मैं यह नहीं बता सकती, लेकिन मेरे पास दो और फ्लोर हैं और एक स्विमिंग पूल भी है। राखी सावंत हैरान रह गईं और बोलीं, 'तभी मैं सोचती हूं कि बॉलीवुड में मुझे पैसे नहीं देते काम के लिए। बोलते हैं सारे पैसे फराह खान लेके जाती है। इस पर फराह ने हंसते हुए जवाब दिया, 'क्या बकवास है, मैं तो फ्री में करती हूं सबके लिए।'

फराह ने राखी को दिखाई अपनी 'जेम्स बॉन्ड लिफ्ट'

बाद में, जब राखी जा रही थीं, तो फराह उन्हें अपनी 'जेम्स बॉन्ड' लिफ्ट से ले गईं, जो सीधे उनके घर में खुलती है। व्लॉग में, राखी ने फराह से एक और फिल्म बनाने और उसमें उन्हें कास्ट करने के लिए कहा। राखी ने बाद में दिलीप के साथ अपने नए गाने 'जरूरत' पर डांस भी किया।

व्यक्तित्व अधिकार मामले में चिरंजीवी को कोर्ट से राहत

बिना इजाजत आवाज, फोटो-वीडियो के उपयोग पर लगी अस्थाई रोक

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) एवं तकनीक के तमाम खतरे हैं। इसके जरिए किसी इंसान की आवाज, तस्वीरों-वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का खतरा काफी ज्यादा है। इसी के मद्देनजर कई सितारों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए पर्सनैलिटी अधिकारों की गुहार लगाई है। हाल ही मेगा स्टार चिरंजीवी ने भी कोर्ट का रुख किया। उन्होंने व्यक्तित्व अधिकार मामले में अंतरिम राहत मिली है।

कोर्ट ने चिरंजीवी के व्यक्तित्व प्रतीकों के इस्तेमाल पर दिया अस्थायी आदेश

हैदराबाद की एक सिटी सिविल कोर्ट ने मशहूर फिल्म एक्टर चिरंजीवी के पक्ष में एक एड-अंतरिम इंजंक्शन जारी किया है। यह इंजंक्शन एक्टर की पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए है, जिसमें सभी फॉर्मेट और मीडिया में उनके नाम, इमेज, आवाज और व्यक्तित्व की पहचान संबंधी दूसरी चीजों के बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल पर रोक शामिल है।

टीम ने जारी किया प्रेस नोट

इस मामले में मेगा स्टार चिरंजीवी की लीगल टीम ने भी एक प्रेस नोट साझा किया है। इसके अनुसार, चिरंजीवी मर्चेंडाइज, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से उनकी पहचान संबंधी प्रतीकों के बड़े पैमाने पर बिना इजाजत इस्तेमाल को रोकने के लिए कोर्ट से दखल देने की मांग की है।

कौन है एक्ट्रेस दिव्या सुरेश, जिन पर गिरफ्तारी की लटकी तलवार! बेंगलुरु हिट-एंड-रन केस में नाम, 3 लोग हैं घायल

कन्नड़ एक्ट्रेस दिव्या सुरेश के खिलाफ पुलिस केस हो गया है। उनका नाम एक हिट एंड रन केस में आया है क्योंकि उन्हें पुलिस ने कथित ड्राइवर के रूप में पहचाना है और उनकी कार से तीन लोगों को टक्कर मारी गई है।

कन्नड़ एक्ट्रेस और बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट दिव्या सुरेश एक मुसीबत में फंस गई हैं। पुलिस ने बेंगलुरु के बयातरायणपुरा इलाके में हुई हिट एंड रन घटना में उनकी कथित ड्राइवर के रूप में पहचान की है, जिसमें तीन लोग घायल हो गए हैं। वाकया 20 दिन पुराना यानी 4 अक्टूबर का है। हालांकि पुलिस इस मामले में अभी जांच कर रही है। अगर वह वाकई दोषी पाई गईं तो उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब किरण, उनकी चचेरी बहनें और अनीता बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी कथित तौर पर उन्हें एक हाई स्पीड कार ने टक्कर मार दी, जो मौके से फरार हो गई थी। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज हुई और उसके मुताबिक, किरण की उम्र 25 साल, बहन अनुषा की उम्र 24 है और दोनों को मामूली चोटें आई हैं और अनीता जो 33 साल की हैं उनका पैर टूट गया है और सर्जरी के लिए BGS हस्पताल में एडमिट करवाया गया है।

दिव्या सुरेश की कार से टक्कर

यह दुर्घटना 4 अक्टूबर को रात लगभग 1:30 बजे हुई जब मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोग अस्पताल जा रहे थे। यह घटना सीसीटीवी में भी कैद हो गई। अब एक्ट्रेस कार चला रही थीं या नहीं, पुलिस ये पता लगाने में जुटी है।

दिव्या सुरेश कौन हैं?

बता दें कि दिव्या सुरेश एक फेमस कन्नड़ एक्ट्रेस हैं। इन्होंने 2021 में किच्चा सुदीप के 'बिग बॉस कन्नड़ सीजन 8' में हिस्सा लिया था। वह टीवी पर फेमस होने से पहले एक प्रोफेशनल एक्स कबड्डी प्लेयर थीं। और कर्नाटक में स्टेट लेवल पर वह कम्पीट कर चुकी हैं। उन्होंने 2013 में कन्नड़ सीरियल 'चिट्टे हेज्जे' से टीवी पर शुरुआत की थी। इसके अलावा, 2016 में उन्होंने टीवी सीरीज 'ओम शक्ति ओम शांति' में भी काम किया था। और कई कन्नड़ फिल्में भी कर चुकी हैं।

विराट कोहली और रोहित शर्मा को ट्रोल करने वालों पर भड़के सुनील शेट्टी, बोले- 'वे चुप रहे, बल्ले ने जवाब दिया...'

सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में मैच में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने शानदार पारी खेली। दोनों ने अपनी जिताऊ पारी से आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने रोहित-विराट के परफॉर्मेंस को लेकर ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए पोस्ट साझा किया है।

सुनील शेट्टी ने कहा- बल्ले ने जवाब दिया

सुनील शेट्टी ने अपने एक्स पर ट्वीट करते हुए रोहित और विराट की एक तस्वीर साझा की है। उन्होंने कैप्शन में ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। अभिनेता ने कहा, 'यह अजीब है कि हम कितनी जल्दी भूल जाते हैं, कोई भी रिकॉर्ड, संघर्ष, गर्व, आंसू, बलिदान। दो मैच और अचानक हर कोई आलोचक बन जाता है। उन्होंने शोर सुना, उन्होंने संदेह को समझ लिया। वे चुप रहे और बल्ले से जवाब दिया, क्योंकि रोहित और विराट जैसे दिग्गजों को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है - वे ही असली खिलाड़ी है।'

विराट और रोहित की पारी ने खींचा ध्यान

रोहित-विराट को हालिया प्रदर्शन को लेकर कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार अंदाज में फॉर्म में वापसी की। कोहली, जो पहले दो मैचों में लगातार शून्य पर आउट हुए थे, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाब अंतिम वनडे मैच में नाबाद 74 रनों की पारी खेली, जबकि रोहित ने 121 रन बनाकार नाबाद रहे। दोनों ने 168 रनों की अटूट साझेदारी करके भारत को नौ विकेट से जीत दिलाई।

नागिन 7: उठ गया एकता कपूर की हीरोइन से पर्दा?

नए टीजर को देख गूंजा प्रियंका चाहर चौधरी का नाम, बसीर की भी चर्चा

एकता कपूर का मोस्ट पॉप्युलर सुपरनैच्युरल शो 'नागिन 7' लंबे समय से सुर्खियों में है। इसके कई झलकियां मेकर्स ने रिलीज की है लेकिन अभी तक नागिन कौन है, इस राज से पर्दा नहीं उठाया है। वैसे एक नया टीजर जरूर जारी किया है, जिसमें एक्ट्रेस का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है और लोगों ने तुक्का भी लगा लिया है कि वह कौन है। साथ ही शो कब शुरू होगा, इसकी भी जानकारी सामने आई है।

दरअसल, 'नागिन 7' के नए टीजर को देखकर लोगों ने ये अनुमान लगाया है कि वह कोई और नहीं, बल्कि प्रियंका चाहर चौधरी हैं। हालांकि कुछ साइड से वह ईशा मालवीय भी लग रही हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों ने प्रियंका का ही नाम लिया है। साथ ही बताया जा रहा है कि इसमें 'बिग बॉस 19' के एक कंटेस्टेंट भी दिखाई देंगे, जो कि बसीर अली होंगे।

बसीर अली भी होंगे 'नागिन 7' का हिस्सा?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बसीर अली शो से एविक्ट होने के बाद एकता के शो में नेगेटिव रोल प्ले करते दिखेंगे। उन्होंने पहले भी प्रोड्यूसर के सीरियल 'कुंडली भाग्य' में काम किया है और एक बार फिर से उनके प्रोजेक्ट में दिख सकते हैं। हालांकि प्रियंका और बसीर के नाम की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

'नागिन 7' कब से शुरू होने वाला है?

'नागिन 7' का प्रसारण नवंबर महीने में किया जाएगा। हालाकि तारीख का ऐलान नहीं किया गया है। बस इतना ही टीजर में बताया गया है कि शो अगले महीने से टेलीकास्ट किया जाएगा। इसे 'पति पत्नी और पंगा' की जगह पर लाया जा सकता है। क्योंकि वह ऑफएयर होने जा रहा है। कलर्स टीवी के अलावा, इसे 'जियो हॉटस्टार' पर भी देखा जा सकेगा।

सतीश शाह के अलावा अब तक फिल्म जगत ने दस दिन में खोए कई बड़े सितारे, गमगीन हुईं बॉलीवुड इंडस्ट्री

शनिवार को बॉलीवुड के चर्चित कलाकार सतीश शाह का निधन हो गया। पिछले कुछ दस दिनों में हिंदी सिने जगत के कई सितारों ने दुनिया को अलविदा कह दिया। इस बात से कई सेलिब्रिटीज दुखी हैं। अनुपम खेर ने इस बात को बहुत दुख जताया है। जानिए, कौन से सितारे पिछले कुछ दिनों के भीतर दुनिया से रुखसत हो गए।

सतीश शाह

आज 'साराभाई वर्सेस साराभाई' फेम अभिनेता सतीश शाह का निधन हो गया है। भारतीय फिल्म निर्माता और निर्देशक अशोक पंडित ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया है कि अभिनेता इस दुनिया में नहीं रहे। किडनी फेलियर के चलते उनका निधन हुआ। सतीश ने बॉलीवुड और हिंदी टीवी सीरियल में कई यादगार कॉमिक रोल निभाए।

पंकज धीर

बीआर चोपड़ा की 'महाभारत' में कर्ण का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए अभिनेता पंकज धीर का भी 68 साल की उम्र में निधन हो गया है। 15 अक्टूबर को कैंसर से जंग लड़ते हुए उनका देहांत हुआ। अभिनेता की अंतिम यात्रा में पूरा बॉलीवुड जमा हुआ।

असरानी

दिवाली के दिन असरानी ने भी दुनिया को अलविदा कहा। फिल्म 'शोले' में जेलर का यादगार किरदार निभाकर मशहूर हुए कॉमेडियन और एक्टर असरानी ने 84 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। हेल्थ इश्यूज की वजह से वह हॉस्पिटल में भर्ती थे। असरानी के जाने से बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ पड़ी थी।

पीयूष पांडे

शुक्रवार को विज्ञापन जगत के दिग्गज पीयूष पांडे के निधन की खबर से बॉलीवुड सेलेब्स काफी दुखी हुए। शाहरुख खान के अलावा ने भी पीयूष के निधन पर दुख जताया। हमारा बजाज से लेकर फेविकोल का जोड़ तक जैसे कई चर्चित एड उन्होंने बनाए थे। वह विज्ञापन की दुनिया के सबसे बड़े दिग्गज माने जाते थे।

आलिया भट्ट ने मां सोनी राजदान के जन्मदिन पर साझा कीं प्यारी तस्वीर, लिखा- 'आप मेरी दुनिया हो'

आलिया भट्ट ने शनिवार को अपनी मां सोनी राजदान का 69वां जन्मदिन मनाया। अभिनेत्री ने खास तस्वीरें साझा कर मां को बर्थडे विश किया है। इसके साथ ही आलिया ने खास नोट भी लिखा। जानिए उन्होंने क्या कहा।

मां संग आलिया ने शेयर की प्यारी तस्वीरें

अभिनत्री आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी मां सोनी राजदान संग कुछ तस्वीरें साझा की हैं। पहली तस्वीर की बात करें, तो सोनी राजदान अपनी बेटी आलिया को गले लगाती नजर आ रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों डिनर के दौरान हंसी-मजाक करते हुए दिख रहे हैं। तस्वीरों के साथ आलिया ने कैप्शन में लिखा, ₹हैप्पी बर्थडे मम्मा बर्डी। आप हमारी पूरी दुनिया हैं और आप इसे हर दिन रोशन करती हैं।

सोनी राजदान का करियर

सोनी राजदान को जानी-मानी अभिनेत्री के रूप में जाना जाता है। उन्होंने शुरुआती करियर में टेलीविजन शोज में 'बुनियाद' और 'ये कहां आ गए हम' जैसे धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा एक्ट्रेस ने फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने '36 चौरंगी लेन', 'मंडी', 'सारांश' और 'खामोश' जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में, उन्होंने 'राजी' और वेब सीरीज 'कॉल माई एजेंटः बॉलीवुड' में भी काम किया है।

आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट

आलिया अपनी आने वाली फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें शरवरी वाघ भी नजर आएंगी। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा, आलिया अपने पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी। इसके अलावा, आलिया, फरहान अख्तर की 'जी ले जरा' में कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा के साथ दिखेंगी।

सेंसरशिप में देरी विवाद के बीच केरल हाईकोर्ट के जज ने देखी फिल्म 'हाल', क्या है पूरा मामला

शेन निगम स्टारर फिल्म 'हाल' के सेंसर सर्टिफिकेट में देरी का मामला अब कोर्ट में पहुंच चुका है। फिल्म के निर्देशक और निर्माता ने सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणन में देरी के मुद्दे पर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अब केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने फिल्म देख ली है। निर्देशक मुहम्मद रफीक ने बताया कि स्क्रीनिंग पदमुगल स्थित कलर प्लैनेट स्टूडियो में आयोजित की गई थी।

इन लोगों ने देखी फिल्म

निर्देशत ने बताया कि न्यायमूर्ति अरुण के अलावा केंद्र सरकार के स्थायी वकील, केरल कैथोलिक कांग्रेस के वकील और दो पादरी भी स्क्रीनिंग में शामिल हुए। यह स्क्रीनिंग शाम लगभग 7 बजे शुरू हुई और रात 9.30 बजे से पहले समाप्त हो गई।

यह है पूरा मामला

निर्देशक और निर्माता ने सीबीएफसी द्वारा सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने में अत्यधिक देरी का आरोप लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। फिल्म को अभी तक सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए सर्टिफिकेट नहीं मिला है, क्योंकि सीबीएफसी ने कथित तौर पर कई सीन को हटाने का आदेश दिया है। इनमें बीफ बिरयानी खाने वाले सीन और 'ध्वज प्रणाम' वाले संवाद शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने किए ये दावे

निर्माता जुबी थॉमस और निर्देशक मुहम्मद रफीक ने दावा किया है कि लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत वाली इस फिल्म को शुरू में ओणम पर रिलीज करने की योजना थी, लेकिन बिना किसी स्पष्टीकरण के इसकी रिलीज रोक दी गई। सीरो-मालाबार चर्च के अंतर्गत आने वाले आम लोगों के संगठन, केरल कैथोलिक कांग्रेस ने बाद में अदालत का दरवाजा खटखटाया और आरोप लगाया कि फिल्म में आपत्तिजनक सामग्री है, जो धार्मिक वैमनस्यता पैदा कर सकती है। इसके बाद, अदालत ने निर्माता को एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करने का निर्देश दिया था।

सफल करियर को गढ़ने के लिए अपनाएं ये सुझाव

दुनिया भर में शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जो सफल करियर नहीं चाहता होगा। अगर आप भी बेहतर करियर निर्माण के बारे में सोच रहे हैं तो उसके लिए आपको कुछ बुनियादी चीजों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना होगा। हम यहां करियर से रिलेटेड कुछ टिप्स दे रहे हैं जिनको फॉलो करके आप अवश्य ही बेहतर बनने की ओर आगे बढ़ सकते हैं।

हर कोई अपना भविष्य सुरक्षित और बेहतर बनाना चाहते हैं लेकिन उसमें से कुछ ही लोग कड़ी मेहनत करके जो पाना चाहते हैं वह प्राप्त करते हैं वहीं कुछ लोग सिर्फ चीजों को सोचने के बाद ही छोड़ देते हैं जिसके चलते वे अपने करियर में वह मुकाम हासिल नहीं कर पाते हैं जो वह चाहते हैं।

अगर अपने भी अपने करियर को लेकर सपने देखे हैं और अपने भविष्य में कुछ स्पेशल करना चाहते हैं तो उसके लिए जरूरी है सही रणनीति और एक लक्ष्य बनाकर उस पर कड़ी मेहनत करना। हम यहां सफल करियर का निर्माण करने के लिए कुछ सुझाव यहां प्रदान कर रहे हैं जिनको पढ़कर और उस पर अमल कर सकते हैं, इससे अवश्य ही आप सफलता की ओर एक कदम आगे बढ़ाएंगे।

लक्ष्य को करें निर्धारित

किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उसके लिए एक क्लियर गोल को निर्धारित कर लें और पूर्ण रूप से उसके ऊपर अमल करके उस ओर बढ़ें। अगर आपके पास एक लक्ष्य होगा तो जाहिर होगा की आप एक दिशा की ओर बिना भटके बढ़ सकते हैं।

टाइम टेबल बनाकर समय निर्धारित करें

किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सबसे जरूरी है उस पर डटकर काम करना। इसलिए लक्ष्य निर्धारित करने के बाद आप उस पर काम करने के लिए एक टाइम टेबल निर्धारित करें और उसी अनुसार लगातार उसको टाइम दें। इससे आप कम समय में सही समय पर काम करके आगे बढ़ सकते हैं।

अपनी कमियों और खूबियों को समझें

आप जिस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं उसको लेकर सजगता से आगे बढ़ें और काम करते हुए अपनी खूबियों और कमियों को समझें। जिस क्षेत्र में आप अच्छा कर रहे हैं उस पर लगातार ध्यान रखें जिससे आप उसमें और भी बेहतर कर सकें। इसके अलावा आप जिस क्षेत्र में कमी महसूस कर रहे हैं उस पर अधिक समय देकर उसको अच्छा बनाने का प्रयास करें। इससे आप लगातार बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर होते जाएंगे।

भारत में 2030 तक होगी 1 लाख कंपनी सेक्रेटरी की जरूरत

तेज आर्थिक वृद्धि और कंपनी संचालन पर बढ़ते जोर के बीच भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी। कंपनी सचिवों का शीर्ष निकाय आईसीएसआई ने यह कहा है। वर्तमान में, 73,000 से अधिक कंपनी सचिव हैं और इनमें से लगभग 12,000 कंपनी सचिव कार्यरत हैं। कंपनी सचिव कंपनियों में विभिन्न सांविधिक जरूरतों का अनुपालन सुनिश्चित कर कॉरपोरेट संचालन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2030 तक 1 लाख कंपनी सचिवों की जरूरत

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (ICSI) के अध्यक्ष बी नरसिम्हन ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव

आया है और कंपनी सचिव भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गये हैं। उन्होंने हाल ही में पीटीआई-भाषा से बातचीत के दौरान कहा कि भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी।

2030 तक 7,000 अरब डॉलर की होगी अर्थव्यवस्था

आईसीएसआई हर साल औसतन 2,500 से अधिक लोगों को सदस्यता देता है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार भारत के 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय की इस साल जनवरी में जारी रिपोर्ट में कहा गया था, ''वित्तीय क्षेत्र और हाल के तथा भविष्य के संरचनात्मक सुधारों के दम पर आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी। मुद्रास्फीति रुख और विनिमय दर के आधार पर, भारत अगले छह से सात साल में (2030 तक) 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है।'' संस्थान ने पेशे में अधिक युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए कंपनी सचिव कार्यकारी कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का सीधा पंजीकरण भी शुरू किया है। आईसीएसआई ने अन्य उपायों के अलावा कॉरपोरेट निदेशक मंडल में अपनाई जाने वाली सचिव स्तर की गतिविधियों में एकरूपता लाने के लिए मानक पेश किये हैं।

एच-1बी वीज़ा पॉलिसी ने धुंधला किया 'अमेरिकन ड्रीम', अब इन देशों में पढ़ने जा रहे भारतीय छात्र

अमेरिका में एच-1बी वीजा फीस में भारी इजाफा और स्टडी प्रोग्राम्स को लेकर बढ़ती अनिश्चतता से 'अमेरिकन ड्रीम' धुंधला पड़ने लगा है. बेंगलुरु के कई कॉलेजों ने अमेरिकी यूनिवर्सिटीज के साथ हुए समझौते

और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम फिलहाल रोक दिए हैं. अमेरिका में रुचि घटने के साथ अब कॉलेज अपने पाठ्यक्रमों को भी वैश्विक मानकों के अनुरूप ढाल रहे हैं. साथ ही छात्रों को ब्रिटेन, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ओर जाने की सलाह दे रहे हैं. कई छात्रों ने विदेश में पढ़ने की अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है.

बता दें कि सितंबर के आखिरी हफ्ते में ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीज़ा नीति में बड़े सुधारों की घोषणा की थी, जिसमें $100,000 (करीब 83 लाख) की अनिवार्य फ़ाइलिंग फ़ीस भी शामिल है. इसके चलते कई यूनिवर्सिटीज ने अपने अमेरिकी संस्थानों से जुड़ी साझेदारियों को रोक दिया है.

अमेरिका अब नहीं रहा सबसे आकर्षक विकल्प

रिपोर्ट के अनुसार, सीएमआर यूनिवर्सिटी के एकेडमिक डीन सुधीर के राउत्रे ने बताया, "हमने दो अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ समझौते किए थे, लेकिन अब उन्हें रोकना पड़ा है. वीज़ा प्रक्रिया की जटिलता और बढ़ती लागत के कारण अमेरिका में पढ़ाई अब मध्यमवर्गीय छात्रों के लिए पहले जैसी संभव नहीं रही. पहले जहाँ अमेरिका को शोध और exposure के लिए सबसे बेहतरीन माना जाता था, अब छात्र फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की ओर मुड़ रहे हैं, जहाँ पढ़ाई के बाद काम के अवसर ज़्यादा स्पष्ट हैं." उन्होंने बताया कि इस साल 1,000 प्रबंधन छात्रों में से 100 छात्रों ने सिंगापुर, थाईलैंड और मलेशिया में एक्सचेंज प्रोग्राम चुना. कोई भी अमेरिका नहीं गया.

गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी के स्ट्रैटेजी एंड प्लानिंग डायरेक्टर क्रिस्टो जोसेफ का कहना है कि उनके पास अमेरिका के फ्लोरिडा और न्यूयार्क की यूनिवर्सिटीज से एक्सचेंज प्रोग्राम फिलहाल रुके हुए हैं, जब तक वीजा प्रक्रिया स्पष्ट नहीं हो जाती. छात्र वीज़ा आधिकारिक रूप से बंद नहीं हैं, लेकिन कागज़ी प्रक्रिया मुश्किल हो गई है और खर्च बढ़ गया है. कुल मिलाकर H-1B और पढ़ाई का खर्च अब 40–50 लाख तक पहुँच गया है.

उन्होंने कहा कि छात्र अब यूके, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, और यहां तक कि सिंगापुर व मलेशिया को भी विकल्प के रूप में देख रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम छात्रों को सलाह देते हैं कि केवल 'हाइप' पर न जाएं, बल्कि करियर और आर्थिक रूप से वास्तविक फायदे पर ध्यान दें.

विदेश जाने वाले इंजीनियरिंग छात्रों की संख्या घटी

पीईएस यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल 100 से भी कम इंजीनियरिंग छात्रों ने विदेश पढ़ाई के लिए आवेदन किया है. एच-1बी वीज़ा की अनिश्चितता इसका मुख्य कारण है. कुछ छात्रों को अमेरिका में प्रवेश मिला है, लेकिन कई ने बढ़ते खर्च और अनिश्चित माहौल के कारण पढ़ाई अगले सत्र तक टाल दी है.

आरवी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल के.एन. सुब्रमण्या ने जोड़ा, "कई छात्र अब यह भी सुनिश्चित नहीं कर पा रहे कि एडमिशन मिलने के बाद उन्हें वीज़ा मिलेगा या नहीं. कुछ ने अपने प्लान जनवरी तक टाल दिए हैं, तो कुछ ने नौकरियाँ चुन ली हैं. इस साल सिफारिश पत्रों (LORs) की माँग भी 5% से कम रही."

मनोविज्ञान के क्षेत्र में बनाएं करियर इन कोर्स से मिलेंगे खास अवसर

मनोविज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है , जिसमें हर उम्र के लोगों के लिए करियर की अपार संभावनाएं हैं . इसमें विशेषज्ञता हासिल करके आप लोगों का मन और व्यवहार समझ सकते हैं. इसमें मानव मन और मस्तिष्क से जुड़ी कई चीजों का अध्ययन किया जाता है . मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कोई भाषा कैसे सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है जैसी चीजें इसमें प्रमुखता से शामिल हैं.

इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचि के आधार पर करियर बनाने के कई विकल्प मौजूद हैं . मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बनाया जा सकता है . इसके अलावा मीडिया और अन्य क्रिएटिव फील्ड में भी मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन हैं.

मनोविज्ञान में करियर ऑप्शन

मनोविज्ञान का क्षेत्र काफी विस्तृत है . इसमें करियर बनाने के लिए आपको अपने हुनर और योग्यता के साथ ही अपने पैशन को भी समझना होगा . आपको पता होना चाहिए कि आप इसमें

करियर बनाने के बाद खुद को कहां देखते हैं. उसी हिसाब से सही कोर्स चुनने में मदद मिल सकेगी .

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है. इसमें हर तरह के लोगों के साथ काम किया जा सकता है. इसके अंतर्गत कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं. हालांकि अगर आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए मेडिकल डिग्री हासिल करने की जरूरत होगी.

मनोचिकित्सक

मनोचिकित्सक के तौर पर व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करना पड़ता है. ये क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद करते हैं.

समाज सेवा का भी है अवसर

सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं. इसमें क्लाइंट के तौर पर बच्चे, बुजुर्ग, अपराधी, विकलांग, दुर्व्यवहार का शिकार लोग तक शामिल हो सकते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों में काम कर सकते हैं.

मीडिया और विज्ञापन में करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डर के लिए मीडिया में भी करियर का विकल्प है. मनोविज्ञान में स्नातक करने वाले लोग मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं.

साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं. इस वजह से प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों में मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है.

विंटर वैकेशन में करें साइबर क्राइम इंटर्नशिप, गृह मंत्रालय दे रहा अवसर

गृह मंत्रालय ने अपने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के माध्यम से विंटर इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025 की घोषणा की है. यह कार्यक्रम उन स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक शानदार अवसर है जो साइबर सिक्योरिटी और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में करियर बनाना चाहते हैं.

इस इंटर्नशिप का उद्देश्य युवाओं को साइबर अपराध की रोकथाम, साइबर जांच तकनीकों और डिजिटल डेटा एनालिसिस के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में भारत की डिजिटल सुरक्षा को और मजबूत बना सकें.

बढ़ गई आवेदन की लास्ट डेट

विंटर इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि अब 31 अक्टूबर है. पहले इसकी अंतिम तिथि 17 अक्टूबर थी. इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर आवेदन करें और सभी आवश्यक दस्तावेज़ निर्धारित प्रारूप में अपलोड करें. आवेदन प्रक्रिया के दौरान मांगे गए सभी दस्तावेजों की पूरी तरह से जांच की जाएगी. चयन केवल उन्हीं उम्मीदवारों का किया जाएगा जिनके दस्तावेज़ संपूर्ण और सत्यापित पाए जाएंगे.

यह इंटर्नशिप न केवल छात्रों को साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराएगी, बल्कि उन्हें भारत सरकार के प्रमुख डिजिटल मिशनों से भी जोड़ने का अवसर देगी. प्रतिभागियों को रियल-टाइम साइबर केस स्टडीज़, डेटा रिकवरी तकनीक, और साइबर जांच उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा.

कैसे करें इंटर्नशिप के लिए आवेदन

सबसे पहले वेबसाइट www.i4c.mha.gov.in पर जाएं.

अब "What's New" पर जाएं.

इंटर्नशिप SOP के साथ अप्लीकेशन फॉर्म और अंडरटेकिंग डाउनलोड करें.

इंटर्नशिप के लिए जरूरी योग्यता आदि जाचें

अब गूगल फॉर्म लिंक https://shorturl.at/gxRQa पर जाकर फॉर्म भरें.

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए नीट में कितने अंक होने चाहिए? एमबीबीएस से पहले समझें हिसाब-किताब

नीट यूजी की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं का लक्ष्य सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल करना होता है. लेकिन यह आसान नहीं है. सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस की कम फीस में हाई क्वॉलिटी एजुकेशन मिलने की वजह से सीट हासिल करने के लिए कॉम्पिटीशन का लेवल काफी कठिन रहता है. अगर आप नीट की तैयारी कर रहे हैं तो आपको पता होना चाहिए कि सरकारी कॉलेज में एडमिशन के लिए कटऑफ अंक निश्चित नहीं होते हैं. ये हर साल कई फैक्टर्स के आधार पर बदलते रहते हैं.

नीट यूजी कटऑफ ऑल इंडिया कोटा और स्टेट कोटा की सीटों के लिए अलग-अलग निर्धारित होता है. यह उम्मीदवार की श्रेणी पर भी निर्भर करता है. नीट यूजी कटऑफ परीक्षा की कठिनाई के स्तर, कुल उपलब्ध सीटों (विशेष रूप से सरकारी कॉलेजों में), परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या और उनके हाई स्कोर जैसे कारकों पर निर्भर है. उदाहरण- अगर नीट यूजी परीक्षा आसान होती है और कैंडिडेट्स का प्रदर्शन बेहतर होता है तो कटऑफ ऊपर जाता है.

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कैसे मिलेगा?

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए योग्यता अंक से ज्यादा स्कोर करने की जरूरत होती है, जो कि केवल काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता देता है. एक्चुअल एडमिशन के लिए मान्य अंक इससे बहुत अधिक होते हैं. स्टूडेंट्स को सलाह दी जाती है कि वे अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हाई स्कोर हासिल करने की कोशिश करें.

सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए जरूरी कटऑफ मार्क्स (संभावित)

सरकारी मेडिकल कॉलेज में MBBS सीट के लिए जरूरी अंक कोटा और श्रेणी के अनुसार अलग-अलग होते हैं. नीचे पूरे भारत में कोटा (15% सीटें) और राज्य का कोटा (85% सीटें) के लिए संभावित कटऑफ अंक दिए गए हैं:

ऑल इंडिया कोटा के लिए कटऑफ (15% सीटें)

ऑल इंडिया कोटा के तहत देश के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए प्रतिस्पर्धा सबसे कठिन होती है. इसलिए यहां कटऑफ अक्सर सबसे अधिक रहता है.

स्टेट कोटा के लिए कटऑफ (85% सीटें)

राज्य कोटा की सीटें संबंधित राज्य के निवासियों के लिए आरक्षित होती हैं.यह कटऑफ AIQ से कम रहता है. हालांकि, यह कटऑफ हर राज्य की सीटों की संख्या और प्रतिस्पर्धा के स्तर पर निर्भर करता है (जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में कटऑफ हाई रहती है).

उदाहरणः उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जनरल श्रेणी के लिए सरकारी कॉलेज में सीट पाने के लिए 600-620+ अंक की जरूरत हो सकती है, जबकि SC/ST श्रेणी के लिए यह सीमा 420-490+ तक हो सकती है.

नीट कटऑफ कैसे तय होती है?

किसी भी साल नीट कटऑफ में बदलाव के कई कारण होते हैं:

परीक्षा का कठिनाई स्तरः अगर नीट का पेपर पिछले वर्ष की तुलना में अधिक कठिन होता है तो कटऑफ मार्क्स नीचे जा सकते हैं.

सीटों की संख्या में वृद्धि/कमीः अगर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में MBBS/BDS सीटों की संख्या बढ़ती है तो कटऑफ कम हो सकती है क्योंकि ज्यादा छात्रों को प्रवेश का मौका मिलता है.

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्याः अगर नीट में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या बहुत अधिक होती है और प्रतिस्पर्धा बढ़ती है तो कटऑफ उच्च हो जाता है.

टॉपर स्कोरः अगर टॉपर बहुत अधिक स्कोर करते हैं तो ओवरऑल कटऑफ भी ऊपर जा सकती है.

बीईएल में बीटेक-बीएससी वालों के लिए भर्ती, 340 पदों पर होगा चयन; सालाना पैकेज लगभग 13 लाख तक

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , ने प्रोबेशनरी इंजीनियर के 340 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट bel-india.in पर जाकर 14 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों को सालाना लगभग 13 लाख रुपये (CTC) का पैकेज मिलेगा। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 340 पदों को भरा जाएगा।

आवेदन की जरूरी शर्तें

प्रोबेशनरी इंजीनियर पदों के लिए अनारक्षित (UR), ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के पास इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन, कम्युनिकेशन, टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विषयों में बीई, बीटेक या बीएससी इंजीनियरिंग की फर्स्ट क्लास डिग्री होनी चाहिए। उपरोक्त विषयों में AMIE, AMIETE या GIETE की फर्स्ट क्लास डिग्री वाले उम्मीदवार भी आवेदन के योग्य हैं। इसके अतिरिक्त, एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवार उपरोक्त डिग्री/विषयों में पास क्लास के साथ भी आवेदन कर सकते हैं।

अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 अक्टूबर 2025 के अनुसार की जाएगी। एससी और एसटी उम्मीदवारों को 5 वर्ष, तथा ओबीसी उम्मीदवारों को 3 वर्ष की आयु छूट प्राप्त है।

आवेदन शुल्क

सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर/अन्य पिछड़ा वर्ग (एनसीएल) के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क 1000 रुपये + GST यानी कुल 1180 रुपये देना होगा। उम्मीदवारों को आवेदन करते समय ऑनलाइन फॉर्म में सभी जानकारी सही-सही भरनी होगी और जमा करने से पहले ध्यान से चेक करना होगा, क्योंकि एक बार फॉर्म जमा हो जाने के बाद उसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) के आधार पर की जाएगी। जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए CBT और इंटरव्यू दोनों में मिनिमम क्वालिफाइंग मार्क्स 35% हैं।

एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए यह 30% है। चयन कुल प्रदर्शन के आधार पर होगा। CBT का वेटेज 85 मार्क्स और इंटरव्यू का वेटेज 15 मार्क्स है।

ट्रंप के हाथ लगी भारत-चीन की 'कमजोर नस'... रूसी तेल खरीद रोकने के लिए होना पड़ेगा मजबूर?

नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इनमें रोसनेफ्ट और लुकोइल शामिल हैं। इन प्रतिबंधों का असर भारत और चीन पर पड़ सकता है। ये दोनों रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल (क्रूड) खरीदते हैं। अमेरिका इन दोनों देशों पर रूस से तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। भारत पर पहले से ही 50% अमेरिकी टैरिफ लगे हुए हैं। इसमें से 25% टैरिफ रूस से तेल खरीदने के कारण हैं। सितंबर में चीन ने रूस से हर दिन 20 लाख बैरल तेल खरीदा। जबकि भारत ने करीब 16 लाख बैरल प्रतिदिन। अमेरिका ने 21 नवंबर की समय सीमा तय की है। इसके बाद इन कंपनियों के साथ व्यापार बंद करना होगा। इससे कंपनियों को अपने मौजूदा सौदों को पूरा करने या खत्म करने के लिए करीब एक महीने का समय मिलेगा। रैपिडन एनर्जी ग्रुप के प्रमुख बॉब मैकनैली का कहना है कि यह कदम तेल बाजार को स्थिर रखते हुए रूस पर दबाव बनाने के लिए उठाया गया है।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस दुनिया का सबसे ज्यादा प्रतिबंधों वाला देश बन गया है। ट्रंप प्रशासन के ये नए प्रतिबंध इस लंबी सूची में जुड़ गए हैं। सवाल यह है कि अमेरिकी प्रतिबंध भारत को रूसी कच्चा तेल खरीदना बंद करने पर क्यों मजबूर करेंगे, जबकि 25% अतिरिक्त टैरिफ भी ऐसा नहीं कर सके? इसका मूल कारण यह है कि प्रतिबंध टैरिफ से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होते हैं।

टैरिफ और प्रतिबंध में फर्क क्या?

टैरिफ किसी देश में निर्यात होने वाले सामान की लागत बढ़ाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य घरेलू उद्योग की रक्षा करना होता है। वहीं, प्रतिबंध किसी देश या कंपनी के साथ व्यापार करना लगभग असंभव बना देते हैं। टैरिफ के साथ व्यापार जारी रह सकता है। भले ही लागत बढ़ जाए। लेकिन, प्रतिबंधों में उस देश या कंपनी के साथ वित्तीय लेनदेन को रोकना शामिल होता है। इनमें संपत्ति जब्त करना और किसी भी देश या कंपनी के लिए वित्तीय परिणाम शामिल हो सकते हैं जो प्रतिबंधित पक्ष के साथ व्यापार करना जारी रखता है। मैकनैली बताते हैं कि प्रतिबंधों के कारण खरीदारों को वैकल्पिक परिवहन और भुगतान के तरीके खोजने होंगे। इससे अतिरिक्त खर्च और जटिलताएं बढ़ेंगी। यह बिना निर्यात को पूरी तरह से रोके रूस के राजस्व को कम करने के अमेरिकी उद्देश्यों के अनुरूप है।

प्रतिबंधों का भारत और चीन के लिए क्या है मतलब?

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, रोसनेफ्ट और लुकोइल और उनकी सहायक कंपनियां प्रतिबंधों के दायरे में आएंगी। अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुसार, 21 नवंबर तक अनुबंधित डिलीवरी की अनुमति है। वर्तमान प्रतिबंध पिछले उपायों से अलग हैं। ये विशेष रूप से कंपनियों को लक्षित करते हैं। न कि 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लागू करते हैं। इससे तय समय सीमा के बाद उनकी तेल सप्लाई लगभग असंभव हो जाएगी। भारतीय नजरिये से इसका मतलब है कि भारतीय तेल रिफाइनरियों, चाहे वे सरकारी हों या निजी, को रूसी तेल पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी।टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में घरेलू ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। कारण है कि सरकारी स्वामित्व वाली रिफाइनरियां बढ़ती वैश्विक कीमतों के बावजूद मौजूदा बाजार दरों पर वैकल्पिक सप्लाई की सोर्सिंग की अतिरिक्त लागतों को अवशोषित कर रही हैं। रिफाइनरियां वर्तमान में अधिसूचना का मूल्यांकन कर रही हैं। विशेष रूप से भुगतान तंत्र और नियामक आवश्यकताओं के संबंध में। इसके अलावा, वे 21 नवंबर की समय सीमा के बाद रूसी कच्चे तेल के बिना अपने संयंत्रों को संचालित करने की तैयारी कर रही हैं।

प्रतिबंधित कंपनियां सामूहिक रूप से प्रतिदिन 3-4 मिलियन बैरल तेल का निर्यात करती हैं। बाजार से वैश्विक दैनिक सप्लाई का 3% -4% संभावित रूप से हटाए जाने की संभावना से तेल की कीमतों में लगातार दूसरे दिन बढ़ोतरी हुई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड शुक्रवार को 66 डॉलर से ऊपर चला गया। ऐसा गुरुवार को 5% की बढ़ोतरी के बाद हुआ था। इस साल रूस ने भारत की कच्चे तेल की जरूरतों का 34% हिस्सा आपूर्ति किया है। इसमें रोसनेफ्ट और लुकोइल इस मात्रा का लगभग 60% योगदान देते हैं।भारत की सबसे बड़ी रूसी कच्चा तेल आयातक रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करने के लिए परिचालन समायोजन करेगी।

जिम, सैलून, योगा... सब पड़ रहा महंगा

जीएसटी में हुआ ऐसा 'खेल' कि लेने के देने पड़ गए

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में पर्सनल ग्रूमिंग, फिटनेस और वेलनेस सेवाओं पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% कर दिया गया था। यह बदलाव 22 सितंबर से लागू हुआ। लेकिन उम्मीद के मुताबिक कीमतें कम होने के बजाय देश भर के ग्राहकों को सैलून, जिम, योगा स्टूडियो और फिटनेस सेंटरों में 10% से 20% तक की बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है।

इसकी मुख्य वजह यह है कि अब व्यवसायों को अपने खर्चों, जैसे कि उपकरण, बिजली-पानी का बिल और किराया पर लगने वाले टैक्स का पूरा बोझ खुद उठाना पड़ रहा है। पहले उन्हें इनपुट टैक्स क्रेडिट का फायदा मिलता था, जो अब बंद हो गया है। इनपुट टैक्स क्रेडिट एक ऐसी सुविधा है जिससे कंपनियां उन चीजों पर पहले से भरे टैक्स को वापस पा सकती हैं जो वे अपने काम के लिए इस्तेमाल करती हैं,

जैसे कच्चा माल या अन्य सेवाएं। इससे उनका कुल टैक्स बिल कम हो जाता है।एक बड़ी सैलून चेन के फाउंडर ने बताया, 'हमारे जैसे कई सैलून ने नई जीएसटी दरों के लागू होने से ठीक पहले अपनी सेवाओं की कीमतें बढ़ा दीं।

हम ग्राहकों के लिए किफायती बने रहने और मुनाफा कमाने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन आईटीसी के फायदे के बिना, अगर हम ग्राहकों से पुरानी कीमतों पर ही सेवाएं देते तो हमें नुकसान होता।' इंडस्ट्री एक्सपर्ट का कहना है कि सैलून जैसे व्यवसायों के लिए आईटीसी के बिना जीएसटी में हुई कटौती का कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

कई जगह दिख रहा असर

जिन सेवाओं पर आईटीसी का लाभ नहीं मिलता उन्होंने भी अपनी कीमतें थोड़ी बढ़ा दी हैं। यह खासकर असंगठित क्षेत्र में ज्यादा देखने को मिल रहा है।

सिर्फ सैलून ही नहीं, दूसरे क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं। कैटरिंग सेवाएं, टैक्सी लीजिंग और यहां तक कि बीमा कंपनियां भी, खासकर संगठित क्षेत्र में, कीमतें कम करने में हिचकिचा रही हैं।

वीएलसीसी हेल्थ केयर के पूर्व प्रबंध निदेशक और अब स्वतंत्र सलाहकार संदीप आहूजा ने बताया कि ब्यूटी इंडस्ट्री काफी समय से सरकार से ग्रूमिंग सेवाओं पर जीएसटी कम करने की मांग कर रही थी। उन्होंने आगे कहा कि भले ही जीएसटी में कटौती काफी बड़ी है, लेकिन आईटीसी के हटने से यह एक जीरो-सम गेम (यानी जितना फायदा हुआ उतना ही नुकसान) बन गया है।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- इसे संपत्ति माना जाएगा, जानें क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा है कि क्रिप्टोकरेंसी भारतीय कानून के तहत 'संपत्ति' मानी जाएगी। इसका मतलब है कि इसे खरीदा, बेचा, इस्तेमाल किया और ट्रस्ट में रखा जा सकता है। जस्टिस एन आनंद वेंकटेश की सिंगल-जज बेंच ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि क्रिप्टोकरेंसी एक संपत्ति है। यह कोई भौतिक संपत्ति नहीं है और न ही यह कोई मुद्रा है। लेकिन यह एक ऐसी संपत्ति है जिसका आनंद लिया जा सकता है और जिसे अपने पास रखा जा सकता है। इसे ट्रस्ट में भी रखा जा सकता है।'अपने फैसले में मद्रास हाईकोर्ट ने 'संपत्ति' शब्द के अर्थ को व्यापक बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का सहारा लिया।

जस्टिस वेंकटेश ने सुप्रीम कोर्ट के अहमद जी.एच. आरिफ बनाम सी.डब्ल्यू.टी. और जिलुभाई नानभाई खाचर बनाम गुजरात राज्य के मामलों का हवाला दिया।उन्होंने कहा, 'कानूनी तौर पर संपत्ति का मतलब है अधिकारों का एक ऐसा समूह जिसे कानून गारंटी देता है और जिसकी रक्षा करता है। इसमें हर तरह के मूल्यवान अधिकार और हित शामिल हैं... ऐसी हर चीज जिसका कोई विनिमय मूल्य हो या जो धन, संपत्ति या हैसियत बनाने में काम आए।' उन्होंने यह भी बताया कि क्रिप्टोकरेंसी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 2(47ए) के तहत 'वर्चुअल डिजिटल एसेट' (आभासी डिजिटल संपत्ति) की परिभाषा में आती है और इसे सट्टा लेनदेन नहीं माना जाता। जस्टिस वेंकटेश ने न्यूजीलैंड हाईकोर्ट के साल 2020 के एक फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें रुस्को बनाम क्रिप्टोपिया लिमिटेड मामले में कोर्ट ने माना था कि क्रिप्टोकरेंसी 'अमूर्त संपत्ति का एक प्रकार' है जिसे ट्रस्ट में रखा जा सकता है। यह फैसला एक ऐसे मामले में आया जहां याचिकाकर्ता ने वज़ीरएक्स प्लेटफॉर्म पर अपने 3,532.30 एक्सआरपी (रिपल) कॉइन की सुरक्षा मांगी थी। ये कॉइन साल 2024 में हुए एक साइबर हमले के बाद फ्रीज कर दिए गए थे। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के इन कॉइन को उसकी संपत्ति के तौर पर मान्यता दी और मध्यस्थता कार्यवाही लंबित रहने तक इसमें किसी भी तरह के हस्तक्षेप पर रोक लगा दी।जस्टिस ने कहा कि भले ही क्रिप्टोकरेंसी 1 और 0 की धाराएं हैं जो ब्लॉकचेन में रहती हैं और जिसे क्रिप्टोकरेंसी जारी करने वाला नियंत्रित करता है।

हमने चुन लिए हैं '26'देश, पाकिस्तान के छूटेंगे पसीने

1.8 लाख करोड़ का यह महाप्लान कैसा?

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने चावल निर्यात बढ़ाने के लिए 26 देशों को चुना है। इनमें जापान, इंडोनेशिया और सऊदी अरब जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में खास तरह के भौगोलिक संकेत वाले चावलों को भेजा जाएगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, इससे 1.8 लाख करोड़ रुपये के चावल आयात को रिप्लेस किया जा सकेगा। भारत का यह महाप्लान पाकिस्तान की टेंशन बढ़ाएगा। कारण है कि इसमें उन क्षेत्रों को फोकस किया जाएगा जहां पाकिस्तान और थाईलैंड की धाक है।

पाकिस्तान पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है। भारत के उसके प्रभाव वाले मार्केट में उतरने से पाकिस्तान की चुनौती में इजाफा होगा। यह सब भारत इंटरनेशनल राइस कॉन्फ्रेंस (बीआईआरसी) 2025 में होगा। यह कॉन्फ्रेंस 30-31 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में फिलीपींस, घाना, नामीबिया और गाम्बिया के विदेश मंत्री भी शामिल होंगे। एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन अभिषेक देव ने यह जानकारी दी।

भारत का लक्ष्य उन इलाकों में अपनी चावल निर्यात की धाक जमाना है जहां पाकिस्तान और थाईलैंड का दबदबा है। मंत्रालय ने बताया कि बीआईआरसी 2025 का मकसद 1.80 लाख करोड़ रुपये के नए चावल आयात बाज़ारों को खोलना और

25,000 करोड़ के निर्यात के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना है।

इस कॉन्फ्रेंस में चावल की ग्रेडिंग को बेहतर बनाने और बर्बादी कम करने के लिए एक खास मशीन भी पेश की जाएगी। यह मशीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है। इसका मकसद सफेद चावल की 25% बर्बादी को घटाकर 10% करना है। भारत दुनिया के सबसे बड़े चावल उत्पादक और निर्यातक देशों में से एक है। हम 172 से ज्यादा देशों को चावल भेजते हैं। इस बार की कॉन्फ्रेंस में करीब 3,000 किसान और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) हिस्सा लेंगे। 80 से ज्यादा देशों के 1,000 से अधिक विदेशी खरीदारों के साथ 2,500 निर्यातक, मिल मालिक और संबंधित उद्योग भी इसमें शामिल होंगे। भारत ने 2024-25 में करीब 4.7 करोड़ हेक्टेयर जमीन से 15 करोड़ टन चावल का उत्पादन किया। यह दुनिया के कुल उत्पादन का लगभग 28% है। अच्छी किस्म के बीज, बेहतर खेती के तरीके और ज्यादा सिंचाई की वजह से प्रति हेक्टेयर चावल की पैदावार 2014-15 में 2.72 टन से बढ़कर 2024-25 में लगभग 3.2 टन हो गई है।

एलआईसी नहीं, अमेरिकी बीमा कंपनियों ने अदाणी समूह की कंपनियों में किया है भारी निवेश, आंकड़ों से खुलासा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अदाणी समूह की कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का निवेश इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में ये खुलासा किया, जिस पर विवाद हुआ। हालांकि आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि एलआईसी नहीं बल्कि अमेरिकी बीमा कंपनियां ने अदाणी समूह की कंपनियों में खूब निवेश किया है। आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि जून, 2025 में, अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा 57 करोड़ अमेरिकी डॉलर (5,000 करोड़ रुपये) के निवेश के एक महीने बाद, अमेरिका स्थित एथेन इंश्योरेंस ने अदाणी के मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में 6,650 करोड़ रुपये (75 करोड़ डॉलर) का निवेश किया। एथेन की पैरेंट कंपनी अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट की जून 2023 की स्टेटमेंट के अनुसार, कंपनी के प्रबंधित फंड्स और अन्य सहयोगी निवेशकों ने भी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में करीब 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया। कई वैश्विक कर्जदाताओं जैसे डीबीएस बैंक, डीजेड बैंक, रोबोबैंक, बैंक सिनोपैक कंपनी लिमिटेड ने भी अदाणी समूह की अदाणी एनर्जी लिमिटेड में करीब 25 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की अगस्त की एक रिपोर्ट के अनुसार, समूह ने वर्ष की पहली छमाही में बंदरगाह इकाई (एपीएसईजेड), नवीकरणीय ऊर्जा इकाई (एजीईएल), प्रमुख कंपनी (अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड) और बिजली पारेषण इकाई (अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड) में कुल मिलाकर 10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की नई ऋण सुविधाओं पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि सरकारी अधिकारियों ने एलआईसी के निवेश को प्रभावित किया और अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश कराया। शनिवार को एलआईसी ने बयान जारी कर वॉशिंगटन पोस्ट में किए गए दावे को फर्जी, आधारहीन और सच्चाई से परे बताया। एलआईसी ने कहा कि अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश का फैसला स्वतंत्र तौर पर लिया गया और बोर्ड की नीतियों के तहत ही इसकी मंजूरी दी थी। भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में जांच-पड़ताल के आधार पर विभिन्न कंपनियों में निवेश के फैसले लिए गए हैं। भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इसका निवेश मूल्य 2014 से 10 गुना बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये से 15.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अदाणी समूह में इसका निवेश समूह के कुल 2.6 लाख रुपये के कर्ज के दो प्रतिशत से भी कम है। इसके अलावा, अदाणी समूह एलआईसी की सबसे बड़ी होल्डिंग नहीं है, बल्कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आईटीसी और टाटा समूह हैं। एलआईसी ने बताया कि उसके पास अदाणी के चार प्रतिशत (60,000 करोड़ रुपये मूल्य के) शेयर हैं, जबकि रिलायंस में 6.94 प्रतिशत (1.33 लाख करोड़ रुपये), आईटीसी लिमिटेड में 15.86 प्रतिशत (82,800 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक में 4.89 प्रतिशत (64,725 करोड़ रुपये) और एसबीआई में 9.59 प्रतिशत (79,361 करोड़ रुपये) शेयर हैं। एलआईसी के पास टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में 5.02 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसका मूल्य 5.7 लाख करोड़ रुपये है।

एक हफ्ते में 1.55 लाख करोड की कमाई, टॉप 10 कंपनियों में से 7 पर खूब बरसा पैसा, किसने मारी बाजी?

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिली। देश की दस सबसे बड़ी कंपनियों में से सात का मार्केट कैप (बाजार पूंजीकरण) 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। यह हफ्ता छुट्टियों की वजह से थोड़ा छोटा था। बीएसई सेंसेक्स पिछले हफ्ते 259.69 अंक यानी 0.30% चढ़ा। गुरुवार को सेंसेक्स 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर 85,290.06 पर पहुंच गया था। घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक माहौल के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।

इन कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ा

टॉप 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम का मार्केट कैप बढ़ा। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर को नुकसान हुआ।

किस कंपनी के मार्केट कैप में कितना इजाफा?

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 46,687.03 करोड़ बढ़कर 19,64,170.74 करोड़ हो गया। यह कंपनी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद टीसीएस का नंबर आया, जिसका मार्केट कैप 36,126.6 करोड़ बढ़कर 11,08,021.21 करोड़ हो गया। इंफोसिस का मार्केट कैप 34,938.51 करोड़ बढ़कर 6,33,712.38 करोड़ पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक को 13,892.07 करोड़ का फायदा हुआ और यह 8,34,817.05 करोड़ पर बंद हुआ।बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 11,947.17 करोड़ बढ़कर 6,77,846.36 करोड़ हो गया। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 9,779.11 करोड़ बढ़कर 11,57,014.19 करोड़ हो गया। एलआईसी का मार्केट कैप 2,340.25 करोड़ बढ़कर 5,62,513.67 करोड़ हो गया।

इन कंपनियों को हुआ नुकसान

दूसरी तरफ आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 43,744.59 करोड़ घटकर 9,82,746.76 करोड़ रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 20,523.68 करोड़ गिरकर 5,91,486.10 करोड़ हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,983.68 करोड़ घटकर 15,28,227.10 करोड़ पर आ गया।

इस हफ्ते शेयर बाजार में तेजी की उम्मीद

रेंज 25,600 से 26,200 के बीच रह सकती है, 5 फैक्टर जो बाजार की चाल तय करेंगे

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोमवार 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में तेजी का अनुमान है। दूसरी तिमाही के नतीजे, अमेरिका की भारत-चीन के साथ ट्रेड डील, ग्लोबल मार्केट संकेत, विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री से लेकर टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे।

चलिए समझते हैं कि इस हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है...

सपोर्ट जोनः 25,722 | 25,694 | 25,593 | 25,468

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका मिल सकता है।

रेजिस्टेंस जोनः 25,874 | 25,920 | 26,045 | 26,146 | 26,372

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर नई तेजी आ सकती है।

मार्केट डायरेक्शन

अगला ट्रेडिंग डे (27 अक्टूबर): मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक सोमवार को मार्केट करीब 50 पॉइंट ऊपर 25,850 के आसपास खुल सकता है। दिन के कारोबार में इसके 25,900–26,000 तक जाने की उम्मीद है। इमिडिएट सपोर्ट 25,700 पर है। यानी, 25,700 का लेवल ब्रेक होने पर 25,600 तक जा सकता है। बोलिंगर के लोअर बैंड के करीब होने से इंट्राडे में उछाल की उम्मीद। वीआईएक्स का 11.59 पर होना डर कम होने का सिग्नल दे रहा है। डीआईआई की खरीदारी बजार को ज्यादा नीचे गिरने से बचा रही है। पीसीआर 0.66 होने से कॉल अनवाइंडिंग का फायदा मिलने की उम्मीद।

पूरे हफ्ते (27–31 अक्टूबर): पूरे हफ्ते बाजार के बुलिश रहने की संभावना हैं। निफ्टी 50 की रेंज 25,600 से 26,200 तक रह सकती है। ये लेवल टेक्निकल एनालिसिस, ऑप्शन चेन के ओआई डेटा और डीआईआई की खरीदारी पर आधारित हैं। सावधानी **जरूरीः** बाजार में कभी भी उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है, इसलिए कोई भी ट्रेड लेने के बाद रिस्क मैनेजमेंट और स्टॉप-लॉस का इस्तेमाल जरूर करें। ग्लोबल मार्केट या ट्रेड डील जैसे फैक्टर्स भी बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। अब 5 फैक्टर्स जो बाजार की दिशा तय कर सकते हैं...

भारत-अमेरिका ट्रेड डीलः भारत और अमेरिका की ट्रेड डील फाइनल हो सकती है। इससे भारत के एक्सपोर्ट पर लगे 50% टैरिफ में ढील मिल सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-13
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-48
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष सोमवार 27 October
तिथि - षष्ठी 06-05 तक अहोरात्र
नक्षत्र - मूल 13-27 तक पूर्वाषाढा
योग - अतिगण्ड 07-26 तक सुकर्मा
करण - कौलव 19-06 तक उप तैतिल
विशेषः व्रत सूर्य षष्ठी डालाछठ
त्योहार वृश्चिक मे भौम १५-४१ से

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला	मे	तुला	05-35 बजे
चंद्र - धनु	मे	वृश्चिक	07-48 बजे
मंगल-तुला	मे	धनु	09-58 बजे
बुध - तुला	मे	मकर	12-05 बजे
गुरु कर्क	मे	कुंभ	13-55 बजे
शुक्र - कन्या	मे	मीन	15-33 बजे
शनि मीन	मे	मेष	17-09 बजे
राहु कुंभ	मे	वृष	18-52 बजे
केतु सिंह	मे	मिथुन	20-54 बजे
		कर्क	23-07 बजे
		सिंह	01-18 बजे
		कन्या	03-25 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-40 से 09-07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-13 - 07-40	शुभ	चंचल	17-46 - 19-19	शुभ
काल	07-40 - 09-07	अशुभ	रोग	19-19 - 20-53	अशुभ
शुभ	09-07 - 10-33	शुभ	काल	20-53 - 22-26	अशुभ
रोग	10-33 - 11-59	अशुभ	लाभ	22-26 - 23-59	शुभ
उत्पात	11-59 - 13-26	अशुभ	उत्पात	23-59 - 01-34	अशुभ
चंचल	13-26 - 14-53	शुभ	शुभ	01-34 - 03-07	शुभ
लाभ	14-53 - 16-19	शुभ	अमृत	03-07 - 04-41	शुभ
अमृत	16-19 - 17-46	शुभ	चंचल	04-41 - 06-13	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है । व्यय बढ़ेंगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त होने के आसार है।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं। आज यात्रा के लिए न कोई योजना बनाये और न ही कोई भुगतान करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है तो इस सलाह को माने क्यों की ये आपके पेशेवर जीवन के लिए इस समय बहुत ही प्रासंगिक होगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा । आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

संक्रमित खून चढ़ाने से 5 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव

सिविल सर्जन समेत कई अधिकारी सस्पेंड, हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

रांची/चाईबासा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा के सदर अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही का मामला सामने आया है। थैलेसीमिया पीड़ित 5 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्हें संक्रमित खून चढ़ाया गया था।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिविल सर्जन समेत संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने पीड़ित बच्चों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का निर्देश दिया है।

संक्रमित बच्चों का पूरा इलाज भी राज्य सरकार कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, 'बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।'

साथ ही झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में राज्य के स्वास्थ्य सचिव और जिला सिविल सर्जन से रिपोर्ट मांगी है।

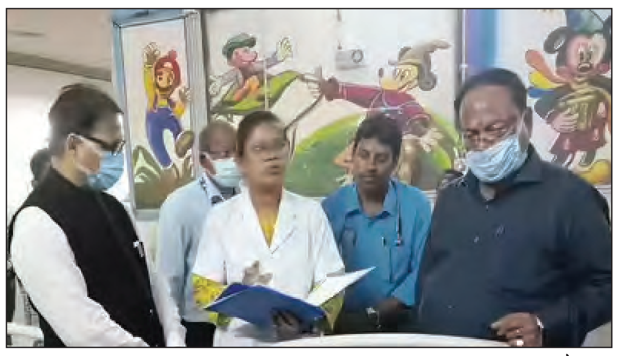

हाईकोर्ट के आदेश पर जांच की गई

दरअसल, 3 सितंबर को यहां थैलेसीमिया पीड़ित 7 साल के बच्चे को संक्रमित खून चढ़ा दिया गया। 18 अक्टूबर को उसकी जांच की गई तो वह एचआईवी पॉजिटिव मिला।

मामला सामने आया तो हाईकोर्ट ने जांच के आदेश दिए। फिर शनिवार को रांची से झारखंड सरकार की 5 सदस्यीय टीम चाईबासा सदर अस्पताल पहुंची और जांच की।

इसमें सामने आया कि 4 और बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाया गया था और उनकी भी एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनमें से दो बच्चे अभी भी सदर अस्पताल के पीकू वार्ड में भर्ती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बच्चों में संक्रमण कैसे फैला। जांच की जा रही है कि क्या उन्हें संक्रमित खून चढ़ाया गया या किसी अन्य माध्यम से यह संक्रमण पहुंचा।

उन्होंने बताया कि चाईबासा जिले में फिलहाल 515 एचआईवी संक्रमित मरीज हैं, जबकि 56 बच्चे थैलेसीमिया से पीड़ित हैं। टीम ने ब्लड बैंक, पीकू वार्ड और लैबोरेटरी का निरीक्षण किया। संबंधित कर्मियों से पूछताछ की। सभी कर्मचारियों और डॉक्टरों को जांच के दायरे में लाने का निर्देश दिया गया है।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल टीम ने ब्लड बैंक और लैबोरेटरी में कई गंभीर अनियमितताएं पाईं। रिकॉर्ड रखरखाव से लेकर ब्लड स्क्रीनिंग तक की प्रक्रिया में गड़बड़ियां सामने आईं।

डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर सभी खामियां दूर करने का निर्देश दिया गया है। तब तक ब्लड बैंक केवल आपात स्थिति में ही कार्य करेगा।

इस घटना ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। लोगों में गुस्सा है कि आखिर इतने बड़े स्तर पर लापरवाही कैसे हुई। छोटे बच्चों की जिंदगी दांव पर क्यों लगाई गई।

जिले में 515 एचआईवी पॉजिटिव, 56 थैलेसीमिया मरीज आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार पश्चिम सिंहभूम जिले में 515 एचआईवी पॉजिटिव मामले और 56 थैलेसीमिया मरीज हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों को संबंधित ब्लड ट्रांसफ्यूजन से जुड़े सभी डोनर्स का पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि संक्रमण को और फैलने से रोका जा सके।

मिथुन चक्रवर्ती की घाटशिला उपचुनाव में एंट्री

रोड शो की तैयारी पूरी, भाजपा ने उतारा 'सुपरस्टार' प्रचारक

जमशेदपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला उपचुनाव के लिए आक्रामक अभियान शुरू कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पार्टी सीमावर्ती निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं को लुभाने के लिए फिल्म स्टार मिथुन चक्रवर्ती और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी समेत पश्चिम बंगाल के अपने कई दिग्गजों को मैदान में उतार रही है।

मिथुन चक्रवर्ती आ रहे चुनाव मैदान में प्रचार करने

बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि मिथुन चक्रवर्ती घाटशिला शहर में एक रोड शो करेंगे, जबकि नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी कुछ चुनावी रैलियां करेंगे। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और जी किशन रेड्डी भी घाटशिला में रैलियों को संबोधित करेंगे। विधायक अग्निमित्र पॉल, लॉकेट चटर्जी और बंगाल के कुछ अन्य नेता घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में रैलियों को संबोधित करेंगे, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।

घाटशिला बना बीजेपी और जेएमएम के लिए साख का सवाल एक अखबार को घाटशिला उपचुनाव के लिए भाजपा संगठन प्रभारी अभय सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 'केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी घाटशिला और जादूगोड़ा इलाकों में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे, जहां तांबे और यूरेनियम की खदानें हैं। सिंह ने आगे कहा, 'वह क्षेत्र में चल रही और आगामी विकास परियोजनाओं और खनन संबंधी मुद्दों पर प्रकाश डालेंगे। एचसीएल-आईसीसी की कम से कम तीन तांबे की खदानों - चापरी, राखा और केंदाडीह - को हाल ही में मिली मंजूरी, खासकर रोजगार सृजन के संदर्भ में, उनकी रैलियों में चर्चा का विषय बने रहने की उम्मीद है।'

2014 में मिथुन चक्रवर्ती ने बाबूलाल मरांडी के लिए मांगे थे वोट

मिथुन चक्रवर्ती ने 2014 के झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन के समर्थन में एक रोड शो किया था। सिंह ने कहा, 'घाटशिला, जहां 45% आदिवासी आबादी है, जिसमें 70-75% संथाल हैं, में लगभग 25,000-30,000 बंगाली भी हैं। लगभग 70-75% मतदाता बंगाली भाषी हैं, क्योंकि कुड़मी (महतो) और कुछ आदिवासी भी बंगाली बोलते हैं। ये नेता, खासकर मिथुन चक्रवर्ती और शुभेंदु अधिकारी, बंगाली भाषी मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं।'

घाटशिला के उपचुनाव प्रचार के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

भाजपा ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिनमें केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, रघुबर दास, मधु कोड़ा और चंपई सोरेन, सांसद विद्युत बरन महतो, प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू और कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। आदित्य साहू घाटशिला में डेरा डाले हुए हैं। अभय सिंह ने कहा,

'स्टार प्रचारकों के कार्यक्रम और तिथिवार यात्रा कार्यक्रम को छठ पर्व के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू 9 नवंबर को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक घाटशिला में डेरा डाले रहेंगे।'

झारखंड में हल्की बारिश की संभावना

बीते 24 घंटे में जमशेदपुर सबसे गर्म शहर, 31 अक्टूबर तक मौसम में होता रहेगा उतार-चढ़ाव

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम का मिजाज बीते दो दिनों से मिलाजुला बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के अधिकतम तापमान में सामान्य से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

राजधानी रांची सहित राज्य के कई शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस से लेकर 4.2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी करते हुए बताया है कि राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। जबकि 30 और 31 अक्टूबर को ओलावृष्टि होने का भी पूर्वानुमान है।

मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के आंकड़े के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान जमशेदपुर में 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वहीं, बोकारो में 32.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। यह सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा।

रांची का अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तापमान में भी सामान्य से 1.5 से 2.3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 26 अक्टूबर को राज्य के पश्चिमी भाग में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। वहीं, 28 अक्टूबर को राज्य के उत्तरी-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा की संभावना है।

20 लाख के सामान के साथ पकड़े गए 8 जुआरी

6 निकले सरकारी अफसर, प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने शनिवार देर रात रमन नगर में जुआ खेल रहे आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि पकड़े गए जुआरियों में राजस्व पटवारी संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सहित छह पटवारी शामिल हैं। पुलिस ने मौके से नकद 40 हजार रुपये, ताश की गड्डी, छह मोबाइल फोन, दो कार, दो स्कूटी सहित लगभग 20 लाख रुपये का सामान जब्त किया है। यह कार्रवाई प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा गई है और पटवारी संघ की साख पर सवाल खड़े हो गए हैं।

जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

कोतवाली थाना प्रभारी मणिकांत पांडेय ने बताया कि रमन नगर निवासी रवि राठौर के मकान में लंबे समय से जुआ खेलने की शिकायतें मिल रही थीं। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार रात दबिश दी, जहां जुए का फड़ चल रहा था। मौके से ज्योतिष कुमार सार्वे (कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, राजस्व पटवारी संघ), हेमचंद तिवारी, रवि राठौर, उमेश कुमार पटेल, गोविंद कांवर, राहुल प्रताप सिंह, देवेश अंबष्ट और पटवारी के निजी कंप्यूटर ऑपरेटर हरीश सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

एसपी बोले-बख्शा नहीं जाएगा

इस मामले में पुलिस भी सख्त हो गई है। एसपी विजय कुमार पांडेय ने कहा कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'ऐसे मामलों में किसी को बख्शा नहीं जाएगा।' इस घटना से राजस्व विभाग में भी भारी नाराजगी और चर्चा का माहौल है।

झारखंड के जेलों में भी छठ की आस्था

56 कैदी कर रहे महापर्व, हर जेल में की गई है विशेष व्यवस्था, भक्ति में डूबा कारागार

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के विभिन्न जेलों में इन दिनों आस्था और भक्ति का माहौल है। कारागार की दीवारों के भीतर भी छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं। राज्य भर में कुल 56 बंदी इस साल महापर्व छठ का व्रत कर रहे हैं। इनमें 25 महिला और 31 पुरुष कैदी शामिल हैं।

सबसे अधिक व्रती बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, रांची में हैं। जहां 8 पुरुष और 8 महिला कैदी छठ का व्रत कर रहे हैं। इन कैदियों ने जेल परिसर में ही भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना के लिए विशेष स्थान तैयार किया है।

हर जेल में बनी विशेष व्यवस्था

कारा प्रशासन ने छठव्रती कैदियों के लिए पूजन सामग्री, नए वस्त्र, नैवेद्य सामग्री और पूजा से जुड़ी अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराई हैं। जेल अधीक्षकों की देखरेख में इन व्रतियों के लिए अर्घ्य अर्पित करने की विशेष व्यवस्था की गई है। अर्घ्य के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए जेल परिसर में समुचित प्रकाश और सुरक्षा की व्यवस्था भी की गई है।

जिला प्रशासन और स्थानीय समितियों के सहयोग से जेल प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और वे परंपरा के अनुरूप पूजा कर सकें।

रांची के अलावा दुमका केंद्रीय कारा में 2 महिला कैदी व्रती हैं, जबकि केंद्रीय कारा हजारीबाग में 5 महिला और 7 पुरुष कैदी छठ मना रहे हैं। केंद्रीय कारा पलामू में 4 महिला और 6 पुरुष, मंडल कारा धनबाद में 4 महिला और 6 पुरुष, मंडल कारा चतरा में 2 पुरुष व्रत कर रहा है। बात मंडल कारा गिरिडीह की करें तो यहां 1 पुरुष, मंडल कारा पाकुड़ में 1 महिला और मंडल कारा साहिबगंज में 1 पुरुष कैदी छठ व्रत कर रहे हैं। मंडल कारा चास में भी एक महिला कैदी व्रती हैं। हर जगह कारा अधिकारियों ने छठ पर्व की तैयारी को लेकर पूरी तत्परता दिखाई है।

जेलों में बंद ये व्रती भले ही सजा काट रहे हों, लेकिन उनकी आस्था और श्रद्धा में कोई कमी नहीं है। सूर्योपासना और छठी मैया के प्रति उनकी निष्ठा ने जेलों का वातावरण आध्यात्मिक बना दिया है। कारा अधीक्षक भी इसे सकारात्मक पहल मान रहे हैं, क्योंकि धार्मिक पर्वों के आयोजन से कैदियों में संयम और आत्मचिंतन की भावना विकसित होती है।

चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में कैदियों के उत्साह और अनुशासन ने जेलों को भक्ति के केंद्र में बदल दिया है।

कोडरमा में छठ पर बाजारों में रौनक

कश्मीर से सेब, नागपुर से संतरा, सिलीगुड़ी से आया अनानास, 10 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

कोडरमा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक आस्था के महापर्व छठ का आज दूसरा दिन है। आज खरना होगा। इसके साथ ही 36 घंटे का व्रत शुरू हो जाएगा। इससे पहले लोग फल बाजार में उतरे और सुबह से ही खरीदारी कर रहे हैं। कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया सहित आसपास के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है।

झुमरीतिलैया की बाजार समिति जिले की सबसे बड़ी फल मंडी है। यहां सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस वर्ष छठ पर्व के दौरान लगभग 10 करोड़ रुपए के कारोबार की उम्मीद जताई जा रही है। कोडरमा के बाजारों में देश के विभिन्न हिस्सों से फल मंगवाए गए हैं। फल विक्रेता प्रभात सिंह ने बताया कि इस बार 25 ट्रक सेब (लगभग 3.75 करोड़ रुपए), 25 ट्रक केला (लगभग 1.25 करोड़ रुपए), 20 ट्रक संतरा (लगभग 1 करोड़ रुपए) और 8 ट्रक नारियल (लगभग 80 लाख रुपए) बाजार में आए हैं। इसके अलावा लगभग 3 करोड़ रुपए के अन्य फल व सामग्री भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में कुछ कमी जरूर है, लेकिन छठ की मुख्य पूजा तक मांग बढ़ने की संभावना है। वहीं, फल व्यवसायी गिरधारी सोनकर ने बताया कि झुमरीतिलैया की इस मंडी में हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह के अलावा बिहार के नवादा जिले से भी खरीदार पहुंच रहे हैं। उनके अनुसार, आने वाले रविवार को एतवारी छठ होने से बाजार में बिक्री अगले कुछ दिनों तक बनी रहेगी।

फल व्यापारी राजू केशरी ने बताया कि इस वर्ष सेब और संतरा 80 से 100 रुपए प्रति किलो, नारियल 35 से 40 रुपए प्रति पीस, केला 300 से 400 रुपए प्रति कांदी, अमरूद 60 से 100 रुपए प्रति किलो, शरीफा 100 से 120 रुपए प्रति किलो, अनानास 35 से 50 रुपए प्रति पीस, केतारी 30 रुपए और महताब 40 रुपए प्रति पीस बिक रहे हैं।

रायपुर में राज्योत्सव से पहले छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ी

क्रांति सेना-पुलिस में झड़प, सीएम बोले-आरोपी को बख्शेंगे नहीं, भूपेश बोले-सरकार की करतूत तो नहीं

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर में राज्योत्सव से पहले छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति से तोड़फोड़ हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना मौके पर पहुंची और जमकर हंगामा किया। इस दौरान क्रांति सेना और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी देखने को मिली। पुलिस ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी प्रमुख अमित बघेल और क्रांति सेना के सदस्यों को हिरासत में लिया है।

संगठन के सदस्यों ने इस घटना को छत्तीसगढ़ की अस्मिता पर हमला बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई है। प्रदर्शन के दौरान एक शख्स छत्तीसगढ़ महतारी के लिए रोते हुए नजर आया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

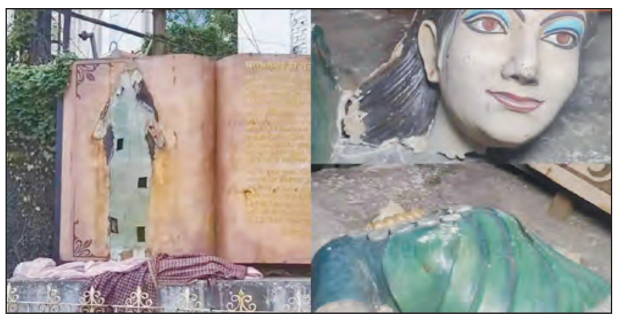

सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

वहीं, मामले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जिसने ने भी इस घटना को अंजाम दिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा ने यदि जन आक्रोश को अनदेखा किया तो अच्छा नहीं होगा।

वहीं इस पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा बघेल ने लिखा कि कहीं यह शासन-प्रशासन के कार्यक्रमों से छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीरों को हटाने वाली भाजपा सरकार की करतूत तो नहीं? भाजपा समझ ले कि अगर जनआक्रोश को अनदेखा किया, तो अच्छा नहीं होगा। छत्तीसगढ़ महतारी की जय! बात हे अभिमान के, छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान के। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद से छत्तीसगढ़ की अस्मिता खतरे में है। हमारी संस्कृति से छेड़छाड़ करने वालों को जनता माफ नहीं करेगी। वहीं बजरंग दल ने अपराधी का मुंडन करके जुलूस निकालने और 36 फीट की मूर्ति स्थापित करने की मांग की है।

रायपुर निगम लाएगा 100 करोड़ की म्यूनिसिपल बॉन्ड पॉलिसी

शासन से मिली मंजूरी, छोटे-बड़े सभी निवेशक कर सकेंगे इन्वेस्ट, मुनाफा-घाटे की पूरी जिम्मेदारी निगम की

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम अब शेयर मार्केट की तरह कमाई का जरिया बनेगा। शासन ने 100 करोड़ रुपए की म्यूनिसिपल बॉन्ड योजना को स्वीकृति दे दी है। इसके तहत आम नागरिकों को निगम की परियोजनाओं में निवेश करने का अवसर मिलेगा।

खास बात यह है कि इस योजना में 10 रुपए से लेकर लाखों रुपए तक निवेश किया जा सकेगा। यानी छोटे निवेशक से लेकर बड़े निवेशक तक सभी इन्वेस्ट कर सकेंगे। इस सिस्टम के तहत निगम निवेशकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बॉन्ड खरीदने की सुविधा देगा। ऑनलाइन माध्यम से निवेश की प्रक्रिया पारदर्शी होगी।

केंद्र सरकार सब्सिडी के रूप में 25 प्रतिशत राशि नगर निगम को देगी। 100 करोड़ की म्यूनिसिपल बॉन्ड पॉलिसी के तहत निगम को 25 प्रतिशत यानि 25 करोड़ रुपए केंद्र सरकार से मिलेगा।

बता दें कि म्यूनिसिपल बॉन्ड का मकसद शहरों के विकास कार्यों के लिए फंड जुटाना है, ताकि निगम अपने स्तर पर वित्तीय संसाधन बढ़ा सके और राज्य सरकार पर निर्भरता घटे। इस व्यवस्था से निगम के अधीन सड़कों, जलापूर्ति, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट और ग्रीन जोन जैसे प्रोजेक्ट के लिए सीधे जनता से फंड जुटाया जाएगा। नगर निगम रायपुर ने शासन को बॉन्ड जारी करने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। बताया जा रहा है कि शुरुआती चरण में 100 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी किए जाएंगे।

इसके तहत निगम को एक निर्धारित ब्याज दर पर निवेशकों को रिटर्न देना होगा। ब्याज दरें शेयर बाजार की तर्ज पर तय की जाएंगी, ताकि लोगों को आकर्षक मुनाफा मिल सके।

निगम अधिकारियों के अनुसार इस पहल से निवेश के नए अवसर खुलेंगे और आम नागरिकों को भी विकास कार्यों में भागीदारी का मौका मिलेगा।

नशे में धुत एएसआई-आरक्षक को ग्रामीणों ने पीटा

पुलिस चौकी के सामने मारपीट, 4 से 5 थप्पड़ जड़ते हुए दिखा युवक

बलरामपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के बलंगी चौकी के सामने नशे में धुत एएसआई और आरक्षक की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी। दोनों के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। एएसआई और आरक्षक ने मारपीट की शिकायत चौकी में दर्ज नहीं कराई है। जिस एएसआई के साथ मारपीट हुई, उसका जशपुर ट्रांसफर हो चुका था, उसे रिलीव कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पहला वीडियो 21 अक्टूबर की रात का बताया जा रहा है। बलंगी चौकी के सामने संचालित ठेले के पास एक ग्रामीण ने नशे में धुत आरक्षक सुरेंद्र की पिटाई कर दी। आरक्षक को ग्रामीण 4 से 5 थप्पड़ लगाते हुए दिखाई दे रहा है।

सहमे हुए हैं माओवादी! छत्तीसगढ़ के कांकेर में 21 नक्सलियों ने फिर किया सरेंडर

13 महिलाएं भी शामिल

कांकेर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लगातार नक्सलियों की कमर टूट रही है। सुरक्षाबलों के बढ़ते दबदबे के बीच नक्सली अब हथियार डाल रहे हैं। कांकेर जिले में 21 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन 21 नक्सलियों में 13 महिलाएं शामिल हैं। इनलोगों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया है। साथ ही 18 हथियार भी प्रशासन को सौंप दिए हैं। सरेंडर करने वाले नक्सली नॉर्थ सब-जोनल ब्यूरो के हिस्सा थे।

कम हो रही नक्सलियों की संख्या बस्तर रेंज के आईजी पी सुंदरराज ने कहा कि केशकल डिवीजन और दक्षिण बस्तर में बहुत कम संख्या में अब नक्सली बचे हैं। अब हम इन बच्चे हुए समूहों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने नक्सलियों को मुठभेड़ में मारे जाने के बजाए आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन जीने की सलाह दी है। रविवार को हुआ यह आत्मसमर्पण बस्तर रेंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। इस समूह में कई बड़े माओवादी नेता शामिल थे। इनमें डिवीजन कमेटी सचिव मुकेश भी थे। उनके साथ चार डीवीसीएम (डिवीजन कमेटी सदस्य), नौ एसीएम (एरिया कमेटी सदस्य) और कुमरी और किस्कोडो एरिया कमेटी के आठ पार्टी सदस्य भी थे।

आईजी सुंदरराज ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और शांति और प्रगति का मार्ग चुना है। उनके इस फैसले से माओवादी संगठन में फंसे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने भारी मात्रा में हथियार सौंपे। इनमें तीन एके-47 राइफल, चार एसएलआर, दो इनसास राइफल, छह .303 राइफल, दो सिंगल-शॉट राइफल और एक बीजीएल लॉन्चर शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि यह हाल के दिनों में किसी एक आत्मसमर्पण से हथियारों की सबसे बड़ी बरामदगी है। इससे पहले जगदलपुर में केंद्रीय समिति सदस्य रुपेश उर्फ रुपेश के आत्मसमर्पण के बाद 210 माओवादियों ने 153 हथियार सौंपे थे। हिंसक गतिविधियों में शामिल रहे वहीं, आईजी सुंदरराज ने बताया कि ये 21 कैडर उत्तर बस्तर के अंदरूनी जंगली इलाकों में सक्रिय थे और माओवादी बैनर तले हिंसक गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि अब उन्हें राज्य के आधिकारिक कार्यक्रम के माध्यम से समाज में फिर से बसाया जाएगा।

ट्रम्प ने कनाडा पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया

बेसबॉल मैच में टैरिफ के खिलाफ ऐड देख हुए नाराज, अब कनाडा को 45% टैरिफ देना होगा

वॉशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। वे शुक्रवार को एक बेसबॉल मैच में टैरिफ के खिलाफ विज्ञापन दिखाने से नाराज हो गए। 2 दिन पहले इसी विज्ञापन की वजह से ट्रम्प ने कनाडा के साथ टैरिफ पर हो रही बातचीत रोक दी थी।

इस विज्ञापन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें वे टैरिफ को हर एक अमेरिकी के लिए नुकसानदेह बता रहे थे। अमेरिका ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगा रखा है। नए ऐलान के बाद यह 45% हो जाएगा। भारत और ब्राजील के बाद यह सबसे ज्यादा टैरिफ होगा।

यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो राज्य ने बनाया था। हालांकि ट्रम्प के नाराज होने के बाद ओंटारियो के प्रीमियर ने कहा था कि वे रविवार के बाद इस विज्ञापन को वापस ले लेंगे। इसी दौरान शुक्रवार को वर्ल्ड सीरीज के पहले गेम इस विज्ञापन को

चलाया गया था। इस घटना के एक दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ बढ़ाने को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और कहा- कनाडा रंगे हाथों पकड़ा गया है, जिसने रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए भाषण को लेकर एक फर्जी विज्ञापन चलाया। रीगन को राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े मकसद के लिए टैरिफ बहुत पसंद थे, लेकिन कनाडा ने कहा कि उन्हें पसंद नहीं थे। ट्रम्प ने आगे कहा, कनाडा को वह विज्ञापन तुरंत हटा देना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जानते हुए कि यह एक धोखाधड़ी है, कल रात इसे वर्ल्ड सीरीज के दौरान चलने दिया गया। बता दें कि वर्ल्ड सीरीज अमेरिका और कनाडा में खेले जाने वाले बेसबॉल खेल की सालाना चैंपियनशिप सीरीज है।

ट्रम्प के ऐलान के बाद अभी यह साफ नहीं कि वे इस एक्स्ट्रा टैरिफ को लगाने के लिए किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस बात की भी जानकारी नहीं दी है कि यह 10% एक्स्ट्रा टैरिफ किस तारीख से लागू होगा।

ट्रम्प के टैरिफ से कनाडा की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है, और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी उन्हें कम करने के लिए ट्रम्प के साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के मुताबिक इस टैरिफ से अगले 5 साल में कनाडा की जीडीपी में लगभग 1.2% का नुकसान हो सकता है।

कनाडा के तीन-चौथाई से अधिक निर्यात अमेरिका को जाते हैं, और लगभग 3.6 अरब कनाडाई डॉलर (2.7 अरब अमेरिकी डॉलर) मूल्य का सामान और सेवाएं प्रतिदिन सीमा पार करते हैं। अमेरिका ने कनाडा पर 35% टैरिफ लगाने के अलावा स्टील और एल्युमीनियम पर 50% टैरिफ लगा रखा है। हालांकि अमेरिका में अधिकांश सामान यूएस-कनाडा-मेक्सिको समझौते के तहत आते हैं, और टैरिफ से मुक्त हैं।

फ्रांस में 700 करोड़ की चोरी मामले में 2 आरोपी पकड़े गए

7 मिनट में वारदात अंजाम दी थी

पेरिस, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस के मशहूर लूव्र म्यूजियम में हुई 700 करोड़ रुपए की चोरी के एक हफ्ते बाद, फ्रांसीसी पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी फ्रांसीसी समाचार पत्र ले पेरिसियन ने रविवार को दी। पुलिस का मानना है कि यह चोरी चार लोगों की एक गैंग ने की, जिसमें गिरफ्तार किए गए दोनों संदिग्ध जो 30 साल की उम्र के आसपास हैं।

पहले संदिग्ध को शनिवार रात पेरिस चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह अल्जीरिया जाने वाली फ्लाइट में सवार होने की कोशिश कर रहा था। उसी रात बाद में दूसरे संदिग्ध को भी हिरासत में लिया गया। दोनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच में डिजिटल सबूत मिले हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं कि म्यूजियम के एक सिक्योरिटी गार्ड ने चोरों को म्यूजियम की सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण जानकारी दी थी।

मलेशिया में रेड कार्पेट पर नाचे ट्रम्प

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच शांति समझौता कराया अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- हमने असंभव को संभव किया

कुआलालंपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने रेड कॉर्पेट पर स्थानीय कलाकारों के साथ डांस किया। कुआलालंपुर में ट्रम्प की मौजूदगी में थाईलैंड और कंबोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

ट्रम्प ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रम्प का बड़ा रोल था।

ट्रम्प आज सुबह कुआलालंपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुए। यहां मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रेड कार्पेट पर उनका स्वागत किया। वे आसियान समिट में शामिल होने मलेशिया पहुंचे हैं। ट्रम्प 2017 के बाद पहली बार इस सम्मेलन में शामिल होंगे। वे आज मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

मलेशिया में आज से 47वीं आसियान समिट

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आज से आसियान समिट की शुरुआत हो रही है। यह समिट दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 देशों का बड़ा मंच है, जहां व्यापार, सुरक्षा, शिक्षा और संस्कृति जैसे मुद्दों पर बात होगी।

इस साल के आसियान समिट की थीम इनक्लूसिविटी एंड सस्टनेबिलिटी है।

भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समिट में हिस्सा लेंगे।

पहले पीएम मोदी के शामिल होने की खबर थी, लेकिन अब वे वर्चुअली शामिल होंगे।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री की अफगानिस्तान को जंग की धमकी

कहा- अगर सीजफायर वार्ता नाकाम रही तो खुली जंग के अलावा कोई ऑप्शन नहीं

इस्लामाबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान के साथ चल रही सीजफायर वार्ता में समझौता नहीं हुआ तो खुली जंग शुरू हो सकती है।

आसिफ ने कहा- अगर वार्ता नाकाम रही तो पाकिस्तान के पास अफगानिस्तान के साथ खुली जंग के अलावा कोई ऑप्शन नहीं होगा। हालांकि, ऐसा लगता होता है कि दोनों पक्ष शांति चाहते हैं।

यह बयान तब आया है जब शनिवार को तुर्किये के इस्तांबुल में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच दूसरी दौर की शांति होने वाली है। इस्तांबुल में शनिवार को हुई बैठक में दोनों देश शांति बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा

करेंगे, जैसा कि दोहा में तय हुआ था। बातचीत का समय और जगह अभी बताई नहीं गई है। अफगान टीम की अगुआई मंत्री हाजी नजीब कर रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से दो सुरक्षाकर्मी इसमें शामिल हैं।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, ये बातचीत सीमा पर दो हफ्ते से चल रही भारी झड़पों के बाद शांति और स्थायी संघर्षविराम की कोशिश के लिए हो रही है। इन झड़पों में दर्जनों लोग, जिसमें आम नागरिक भी शामिल हैं मारे गए थे। ख्वाजा आसिफ ने दो हफ्ते पहले कहा था कि तालिबान के फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया था।

जियो न्यूज से बातचीत में आसिफ ने तालिबान से हुए सीजफायर पर कहा था- मुझे शक है कि यह सीजफायर टिक पाएगा, क्योंकि अफगान तालिबान को दिल्ली से सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान को उकसाया तो सैन्य कार्रवाई की जाएगी। आसिफ ने कहा कि हमारे पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। अगर उन्होंने युद्ध का दायरा बढ़ाया, तो हम हमला करेंगे। लेकिन हम बातचीत के लिए भी तैयार हैं।

उत्तरी कैरिबियन में तूफान मेलिसा बाढ़ का खतरा

वाशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी मौसम विशेषज्ञों ने बताया है कि उष्णकटिबंधीय तूफान 'मेलिसा' के कारण जमैका में चक्रवात का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर कहा, उत्तर कैरेबियाई क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी पैदा हो गया है। मेलिसा फिलहाल 110 किमी प्रति घंटा की गति से आगे बढ़ रहा है। रविवार तक ये बड़े चक्रवात में बदल सकता है। अमेरिकी नेशनल हरीकेन सेंटर के अनुसार, सोमवार तक ये तूफान जमैका के निकट पहुंच सकता है। जमैका, हैती और डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिणी हिस्सों में सोमवार तक 64 सेंटीमीटर तक बारिश और दक्षिण-पश्चिम हैती में 89 सेंटीमीटर तक बारिश की आशंका है। तूफान के कारण हैती में तीन और डोमिनिकन गणराज्य में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है।

मोहम्मद यूनुस से मिला पाकिस्तान का जहरीला जनरल

ट्रेड, कनेक्टिविटी और डिफेंस पर बात, निशाने पर भारत!

ढाका, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ढाका में शनिवार को पाकिस्तान के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमिटी (सीजेसीएससी) के चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा और बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के बीच अहम मुलाकात हुई है। दोनों देशों के बीच यह बैठक ऐसे समय पर हुई जब क्षेत्र में भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। मई महीने में भारत से संघर्ष के बाद पाकिस्तान के जनरल का ढाका जाना नये समीकरण की तरफ इशारा करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मोहम्मद यूनुस और जनरल मिर्जा की यह मीटिंग मुख्य रूप से व्यापार, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय स्थिरता पर केंद्रित रही, जिसमें रक्षा सहयोग को भी विस्तार देने पर चर्चा की गई है।

आपको बता दें कि पाकिस्तान के बाकी जनरलों की तरफ ये जनरस भी बहुत जहरीला है। पिछले हफ्ते साहिर शमशाद मिर्जा ने असीम मुनीर की तरह ही भारत के खिलाफ जहरीली बयानबाजी की थी। उन्होंने कहा था कि नई दिल्ली क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ रही है। इसके अलावा उन्होंने भारतीय सेना पर राजनीति के प्रभाव में आने का आरोप लगाया था, जैसा खुद पाकिस्तान में होता है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोहम्मद यूनुस के साथ बैठक में जनरल मिर्जा ने बांग्लादेश के साथ मल्टी-सेक्टरल कोऑपरेशन बढ़ाने की बात कही और कहा कि कराची और चिटगांव के बीच सीधा शिपिंग रूट पहले ही शुरू हो चुका है। दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि टू-वे कनेक्टिविटी व्यापार के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक

रिश्तों को भी मजबूत करेगी। मोहम्मद यूनुस के कार्यालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, अब ढाका-कराची एयर रूट शुरू करने की तैयारियां चल रही हैं, जिसका आने वाले महीनों में औपचारिक रूप से उद्घाटन किया जाएगा।

इसके अलावा बैठक के दौरान व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। पाकिस्तानी जनरल ने कहा कि बांग्लादेश के साथ लॉजिस्टिक्स, पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में संयुक्त परियोजनाओं की बड़ी संभावनाएं हैं। वहीं यूनुस ने कहा कि दोनों देशों को पारस्परिक आर्थिक हितों के आधार पर भविष्य की राह तय करनी चाहिए। इसके अलावा दोनों वने कनेक्टिविटी, कारोबार और शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने को लेकर भी बात की है।

इजरायल से हारने के बाद हमास का 'पुनर्जन्म' प्लान

कतर-तुर्की का समर्थन, सऊदी का साथ नहीं मिला तो फंस जाएंगे नेतन्याहू?

गाजा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल ने सैन्य रूप से भले ही गाजा का युद्ध जीत लिया हो, लेरिन हमास को खत्म करने में वो नामुमकिन रहा है। हमास हार जरूर गया हो, लेकिन अब पता चल रहा है कि उसने असल में हार नहीं मानी है और नये सिरे से वो अपने संगठन को फिर से बनाने में जुट गया है। इसीलिए एक तरफ जहां इजरायल की तमाम एजेंसियां अगला '7 अक्टूबर होने से रोकने' की कोशिश में जुट गई हैं, वहीं हमास ने अब संघर्ष का स्वरूप बदलना शुरू कर दिया है। हमास अब उन राजनीतिक ताकतों पर कब्जा करना चाहता है, जिनका मकसद इजरायल के खिलाफ नये युद्ध की शुरूआत करना है।

हमास अब रॉकेटों के बदले डाक टिकट और सुरंगों के बदले कार्यालय लेने को तैयार है। उसे अहसास हो गया है कि असली ताकत जमीन से हटकर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आ गई है और अब वह फतह द्वारा वर्षों के संघर्ष के दौरान विकसित किए गए फिलिस्तीनी प्राधिकरण संस्थानों में एकीकरण के बदले गाजा पर सैन्य नियंत्रण छोड़ने को तैयार है। आपको बता दें फतह, फिलीस्तीन की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसकी स्थापना यासिर अराफात ने 1959 में की थी। ये एक तरह से फिलीस्तियों के लिए बनाया गया फिलिस्तीनी राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन है। 1990 के दशक में, ओस्लो समझौते के बाद, फतह को फिलिस्तीनी अथॉरिटी नेतृत्व करने का मौका मिला। फिलहाल इसकी कमान महमूद अब्बास के पास है, जो फिलीस्तीन के राष्ट्रपति रह चुके हैं। इजरायली सैनिक एक

तरफ जहां गाजा में हमास का सफाया कर रहे थे, वहीं फतह ने चुपचाप राजनयिक गलियारों में काम किया और फिलिस्तीनी अंतरराष्ट्रीय स्थिति को बनाए रखा, यहां तक कि उसे और भी मजबूत किया। जिसका नतीजा ये निकला है कि इजरायल अब गंभीर कूटनीतिक नुकसान का सामना कर रहा है। वह हेग में चल रहे मुकदमों के बोझ तले दबा हुआ है और अमेरिका में, खासकर युवा पीढ़ी के बीच, जनमत में भारी गिरावट आई है। एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग आधे युवा अमेरिकी मानते हैं कि 7 अक्टूबर की घटनाएं उचित थीं। इसके अलावा यूएनआरडब्ल्यूए जैसी एजेंसियां, जिन्हें इजरायल अपनी संप्रभुता के लिए बाधक मानता है, अब भी सक्रिय हैं। मध्य-पूर्व में यह पैटर्न नया नहीं है। लेबनान में हिज्बुल्लाह पहले एक सशस्त्र गुट था, जिसने बाद में संसद और सत्ता में जगह बना लिया। मिस्र में मुस्लिम ब्रदरहुड ने भी ऐसा ही किया, पहले आंदोलन, फिर सत्ता। अब वही रास्ता हमास अपनाने की कोशिश कर रहा है। इसके पीछे दो प्रमुख देशों- कतर और तुर्की का समर्थन है। दोनों देश मुस्लिम ब्रदरहुड के वैचारिक साझेदार हैं और नए हमास को वैध राजनीतिक पहचान दिलाने में जुटे हैं।

पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने लगाई फांसी

रायगढ़, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में एक गर्भवती महिला ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। पति की प्रताड़ना से विवाहिता तंग आ चुकी थी। घटना के बाद जांच में इस बात का खुलासा हुआ। जिससे पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मामला तमनार थाना क्षेत्र का है। आमगांव में अपने पति के साथ किराए के मकान में रह रही 27 वर्षीय शीतल सारथी ने 9 अक्टूबर को घर के म्यार में साड़ी से फांसी लगा ली। जब इसकी जानकारी उसके पति बसंत सारथी को लगी, तो उसने अपने पिता पूनीराम सारथी को इसकी सूचना दी। पूनीराम मौके पर पहुंचे और साड़ी को काटकर महिला को नीचे उतारकर खाट पर लेटाया, फिर घटना की सूचना तमनार थाना में दी।

रूस की बुरेवेस्टनिक मिसाइल क्या है

पुतिन बोले- परीक्षण खत्म, जल्द करेंगे तैनात, अमेरिका परेशान

मॉस्को, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐलान किया है कि रूस ने बुरेवेस्टनिक परमाणु ऊर्जा चालित क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। उन्होंने कहा कि बुरेवेस्टनिक परमाणु ऊर्जा संचालित क्रूज मिसाइल एक अनूठा हथियार है जिसका दुनिया में कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि प्रमुख परीक्षण उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया है। पुतिन ने यह भी कहा कि इस मिसाइल को जल्द ही रूसी सेना में तैनात किया जाएगा, हालांकि इसके लिए काफी काम किया जाना बाकी भी है। इस मिसाइल को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है।

रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव ने राष्ट्रपति व्लादिमीर

पुतिन को बताया 21 अक्टूबर को हुए परीक्षण के दौरान बुरेवेस्टनिक मिसाइल ने 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की और लगभग 15 घंटे हवा में रही। उन्होंने कहा कि यह परमाणु ऊर्जा से चलती है, किसी भी मिसाइल रक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर सकती है और इसकी मारक क्षमता असीमित है। 9 एम 730 बुरेवेस्टनिक मिसाइल को स्टॉर्म पेट्रेल के नाम से भी जाना जाता है। यह एक जमीन से लॉन्च होने वाली और कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाली क्रूज मिसाइल है। यह मिसाइल न सिर्फ परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है, बल्कि परमाणु ऊर्जा से संचालित भी है। नाटो इसे एसएससी-X-9 स्काईफॉल कहता है।

अमेरिका के खिलाफ वेनेजुएला ने तैनात किए भारत वाली 5000 इग्ला-एस मिसाइलें

क्या ट्रंप के जहाजों को बना पाएगा कब्रगाह?

काराकस, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि उनकी सेना के पास देश भर में कम से कम 5,000 रूस निर्मित इग्ला-एस मानव-पोर्टेबल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें हैं। ये वही मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल भारत भी करता है। इन मिसाइलों से वेनेजुएला को कैरिबियन के पास बढ़ते अमेरिका हमलों के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरोध मिल सकती है। 23 अक्टूबर वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि उनकी सेना के पास देश भर में कम से कम 5000 रूस निर्मित इग्ला-एस मानव-पोर्टेबल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआइए को वेनेजुएला में अपने अभियान को शुरू करने के आदेश दे दिए हैं। इसके अलावा अमेरिका का सबसे विशालकाय एयरक्राफ्ट कैरियर भी वेनेजुएला से युद्ध लड़ने ट्रंप प्रशासन के आदेश पर निकल चुका है। आशंका है कि बहुत जल्द अमेरिका, वेनेजुएला पर हमले शुरू कर सकता है, जिसका मकसक राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाना होगा।

बता दें कि इग्ला-एस एक मैनपैड मिसाइल सिस्टम है, जिसका मतलब है एमएएन-पोर्टेबल एयर-डिफेंस मिसाइल सिस्टम। राष्ट्रपति मादुरो ने पिछले 10 सालों से इस मिसाइल पर काफी निवेश किया है, जो वेनेज़ुएला के पॉइंट-डिफेंस लेयर्स की एक व्यापक तस्वीर पेश करता है। ये एक कंधे से दागे जानी वाली मिसाइल है। वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति ने कहा कि यह नेटवर्क देश की राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए बनाया गया है। इग्ला-एस रूस की आधुनिक मैन-पोर्टेबल मिसाइल प्रणाली है, जो करीब 6 किलोमीटर की रेंज और 3.5 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों को मार गिराने में सक्षम है।

वेनेजुएला ने पिछले दशक में अपने लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम को धीरे-धीरे मजबूत किया है।

तुर्की नहीं करवा पाया तालिबान-पाकिस्तान में समझौता

9 घंटे की बैठक बेनतीजा, क्या अफगानिस्तान पर हमला करेगी मुनीर आर्मी?

इस्तांबुल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने डोनाल्ड ट्रंप की तर्ज पर प्रेशर पॉलिटिक्स खेलने की कोशिश की। उन्होंने इंस्ताबुल में तालिबान के साथ होने वाली बैठक से पहले कहा था कि अगर बैठक बेनतीजा रहती है तो पाकिस्तान, अफगानिस्तान पर हमला करेगा। ये बैठक बेनतीजा रही है। करीब 9 घंटे की तालिबान और पाकिस्तान के बीच की बैठक बिना किसी औपचारिक समझौते के खत्म हो गई। इसीलिए अब बड़बोले ख्वाजा आसिफ से सवाल पूछे जा रहे हैं कि क्या पाकिस्तान की औकात अफगानिस्तान पर हमला करने की है?

तुर्की में हुई बैठक के दौरान दोनों देशों ने सीमा तनाव कम करने और तत्काल डी-एस्केलेशन

पर सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक, यह वार्ता दोनों पक्षों के बीच बढ़ते अविश्वास के माहौल में हुई, जहां सैन्य, राजनीतिक और मानवीय मुद्दों पर बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कई बार काफी तीखी बहस हुई। हालांकि इसके बावजूद दोनों पक्षों ने अस्थायी शांति बनाए रखने पर सहमति जताई, जिसे सीनित राहत कहा जा रहा है, स्थायी समाधान नहीं। यानि, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कभी भी सीजफायर का बुलबुला फूट सकता है। दरअसल, बैठक में पाकिस्तान का पूरा फोकस तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानि टीटीपी पर था, जिसका मकसद पाकिस्तान में अफगानिस्तान जैसा इस्लामिक शासन कायम करना है।

बैठक के बाद किसी भी तरह की औपचारिक सहमति नहीं बन पाई और किसी भी समझौते पर दस्तखत नहीं किए गये। इस दौरान पाकिस्तानी वार्ताकारों ने अफगानिस्तान की धरती से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की सीमा पार गतिविधियों को रोकने के लिए एक निगरानी तंत्र बनाने की मांग की। पाकिस्तान का मतलब सीमा पर संयुक्त गश्ती टीम बनाने का विचार था, जिसे तालिबान के वार्ताकारों ने सिरे से खारिज कर दिया।

घटेगी उपखंड मुख्यालयों की संख्या? तहसील-उपखंडों के पुनर्गठन की प्रक्रिया जारी; जल्द तस्वीर होगी साफ

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जिलों के पुनर्गठन के बाद उपखंड और तहसील मुख्यालयों के पुनर्गठन का काम चल रहा है। यह काम इस माह के दूसरे सप्ताह तक पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन अभी तक यह काम पूरा नहीं हो सका है।

माना जा रहा है कि पुनर्गठन के इस काम में अभी दो से तीन माह का समय और लग सकता है। इसके बाद ही राजस्थान के नए उपखंड और तहसील मुख्यालयों की तस्वीर साफ हो सकेगी। माना जा रहा है कि समिति दो या तीन तहसीलों पर एक उपखंड मुख्यालय की सिफारिश कर सकती है। ऐसा होता है तो उपखंड मुख्यालयों की संख्या में कमी भी आ सकती है।

अप्रेल में बनी थी समिति

राज्य सरकार ने प्रशासनिक राजस्व इकाइयों के गठन एवं इनकी समीक्षा, सीमाओं और क्षेत्राधिकार में परिवर्तन संबंधी अनुशंसा करने के लिए इस साल अप्रेल में राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन सलाहकार समिति का गठन किया गया था। सेवानिवृत्त आइएएस ललित के पंवार को इस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया था। राजस्व सचिव, राजस्व मंडल के निबंधक को सदस्य और सेवानिवृत्त आरएएस राजनारायण शर्मा को समिति का सचिव बनाया गया था।

अभी तक 29 जिलों में लिया फीडबैक

राज्य में 41 जिलों के बाद से तहसील और उपखंड मुख्यालयों के पुनर्गठन की मांग को देखते हुए ही समिति का गठन किया गया था। अभी तक समिति 29 जिलों में जाकर ही अध्ययन कर पाई है। अभी 12 अन्य जिलों में जाकर काम करना है।

ऐसे में माना जा रहा है कि समिति को दो से तीन माह का समय और लग सकता है। सभी जिलों का दौरा करने के बाद समिति रिपोर्ट तैयार कर राजस्व विभाग को सौंपेगी।

राज्य में वर्तमान में 426 तहसील, 323 उपखंड मुख्यालय

राजस्थान में वर्तमान में कुल 41 जिले हैं और इन जिलों में 426 तहसीलें तथा 232 उप-तहसीलें हैं।

सबसे अधिक तहसील उदयपुर जिले में हैं, जिनकी संख्या 17 है। प्रदेश में उपखंड मुख्यालयों की कुल संख्या करीब 323 है, जिनमें जयपुर जिले में सबसे अधिक कार्यालय हैं, वहीं जैसलमेर में सबसे कम हैं।

नरेश मीणा के पोस्टर पर प्रहलाद गुंजल को अपनी तस्वीर नहीं आई रास, बोले- मैं प्रमोद जैन भाया के साथ हूं

अंता, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपचुनाव में मुकाबला रोचक हो चला है. पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया के कांग्रेस से पर्चा भरने के साथ ही बीजेपी उम्मीदवार मोरपाल सुमन भी मैदान में है. वहीं, नरेश मीणा की उम्मीदवारी ने चुनाव को रोमांचक बना दिया है. इसी बीच प्रहलाद गुंजल के सोशल मीडिया पोस्ट ने हलचल मचा दी है. नरेश मीणा के समर्थक कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल के रूख का भी इंतजार कर रहे थे. लेकिन उन्होंने साफ किया है कि वह प्रमोद जैन भाया का प्रचार करेंगे. साथ ही कहा है कि उनका नरेश मीणा के साथ फोटो लगाना गलत है. उनका यह सोशल मीडिया पोस्ट काफी चर्चा में है.

उन्होंने अपील करते हुए कहा, ₹मेरी जानकारी में आया है कि खैराली गांव में नरेश मीणा के फ्लेक्स पर मेरा फोटो लगाया हुआ है, जो कतई गलत है. मेरी आप सभी से विनम्र प्रार्थना कोई मेरे फोटो का किसी निर्दलीय या अन्य उम्मीदवार के साथ न लगाए. मैं कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता हूं और कांग्रेस उम्मीदवार के साथ हूं.₹

हालांकि इससे पहले प्रहलाद गुंजल और नरेश मीणा के बीच सियासी समन्वय देखने को मिला. एसडीएम थप्पड़कांड मामले में जेल जाने के बाद नरेश मीणा की रिहाई के लिए प्रहलाद गुंजल ने मोर्चा खोला था. ऐसे में नरेश मीणा के समर्थक अंदरखाने प्रहलाद गुंजल के समर्थन की उम्मीद लगाए बैठे थे. लेकिन अब उन्हें भी झटका लगा है.

आजम खान का अजमेर दरगाह में छलका दर्द

बोले- लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई

अजमेर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर शरीफ दरगाह पर पहुंचकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान ने अपनी पीड़ा खुले शब्दों में बयां की. उन्होंने कहा, "सिर्फ एक मुर्गी चोरी के झूठे आरोप में मुझे 21 साल की सजा और 36 लाख रुपये का जुर्माना सुनाया गया. क्या मैं इतना बड़ा मुजरिम हूं?" आजम खान ने कहा कि उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर अपमानित करने की कोशिश की गई, लेकिन सच्चाई को कभी दबाया नहीं जा सकता. उन्होंने कहा कि सियासत में उनके खिलाफ साजिशें रची गईं, पर न्याय और इंसाफ में उनका भरोसा कायम है.

आजम खान अपने बेटे अब्दुल्ला, करीबी साथियों यूसुफ मलिक और अनवर के साथ ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह अजमेर शरीफ पहुंचे. यह उनकी जेल से रिहाई के बाद का पहला अजमेर दौरा था.

उन्होंने दरगाह में चादर चढ़ाकर अमन, इंसाफ और कौम की सलामती की दुआ मांगी.

दरगाह कमेटी की ओर से उन्हें पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया. उन्होंने कहा कि यहां आकर उन्हें रूहानी सुकून और नई ताक़त महसूस हुई है. आजम खान ने कहा कि उनकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, चुनौतियां अब भी कायम हैं.

दरगाह में मीडिया से बातचीत के दौरान आजम खान ने मौजूदा केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि आज देश का आम आदमी परेशान है, और गरीब को जिल्लत भरी जिंदगी जीनी पड़ रही है. उन्होंने कहा कि सियासत अब इंसाफ से दूर हो चुकी है और विरोधियों को कुचलने का जरिया बन गई है.

अखिलेश यादव के हालिया राजस्थान दौरे के बाद आजम खान की अजमेर यात्रा को सपा की सक्रियता और एकजुटता का संकेत माना जा रहा है, जिससे प्रदेश की सियासत में नए समीकरण बनने के आसार दिख रहे हैं.

अस्पताल पर शव रोककर लाखों रुपए वसूलने का आरोप

मंत्री किरोड़ीलाल बोले- यह शव के साथ खिलवाड़ है

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल में रविवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर बॉडी देने के बदले लाखों रुपए वसूलने का आरोप लगाया।

बता दें कि महुआ कमलेटी निवासी विक्रम मीणा (42) की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद 13 अक्टूबर को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का कहना है कि हॉस्पिटल ने आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना के तहत इलाज से इनकार कर दिया और केवल कैश में भुगतान की मांग की। करीब 13 दिन के इलाज के बाद विक्रम की मौत हो गई।

परिजनों के मुताबिक, उन्होंने इलाज के दौरान 6 लाख 39 हजार रुपए जमा कर दिए थे, इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन ने 1.79 लाख रुपए और जमा करवाने तक शव नहीं सौंपा। इस आरोप के बाद परिजनों ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा से मदद की गुहार लगाई।

सूचना मिलने पर मंत्री रविवार सुबह करीब 10:30 बजे अस्पताल पहुंचे। उनके पहुंचते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल परिसर में जमा हो गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

स्थिति बिगड़ती देख मंत्री ने अस्पताल प्रशासन से बातचीत की। बातचीत के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान मंत्री मीणा ने नाराजगी जताते हुए कहा, यह शव के साथ खिलवाड़ है।

पैसे के अभाव में किसी परिवार को शव से वंचित रखना अमानवीय है। उन्होंने मौके पर मौजूद गांधीनगर थाना पुलिस को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए।

किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि यह मामला केवल एक परिवार का नहीं बल्कि राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की खामियों को उजागर करता है। उन्होंने स्वीकार किया कि सरकार की मॉनिटरिंग कमजोर है, जिसके कारण निजी अस्पताल मनमानी कर रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री ने सरकारी स्कूलों के घटिया निर्माण पर उठाए सवाल

मदन दिलावर बोले- सब कांग्रेस सरकार के काम; जांच कराएंगे

कोटा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर इन दिनों अपने सांगोद विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में घटिया निर्माण को लेकर एक्शन मोड में है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर खड़े रहकर घटिया निर्माण पर स्कूलों में बुलडोजर चलवा रहे हैं। इस पर शिक्षा मंत्री ने कमियां उजागर करने के लिए नागर को धन्यवाद दिया है।

साथ ही मंत्री मदन दिलावर कहा कि इनमें से अधिकांश स्कूलों में निर्माण कार्य शिक्षा विभाग ने करवाया ही नहीं है। ये काम पंचायत समिति ने करवाया। वो भी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के काम हैं।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि जहां भी जा रहा हूं वहां के स्कूलों में घटिया निर्माण की ग्रामीण शिकायतें कर रहे हैं। एक ठोकर मारते ही धूल उड़ने लगती है। इसलिए घटिया निर्माण पर बुलडोजर चलवा रहा हूं। क्या शिक्षा मंत्री से अनबन के चलते स्कूलों की जांच करवा रहे हैं... इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा कतई नहीं है, लेकिन मेरे विधानसभा क्षेत्र में किसी भी विभाग में घटिया काम नहीं चलेगा।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा जो कमियां सामने आई हैं उनकी जांच करवाकर कार्रवाई करेंगे। ऊर्जा मंत्री के स्कूलों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाने पर कहा कि सभी निर्माण पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में निर्माण नहीं करवाया गया है। ऊर्जा राज्य मंत्री की ओर से उठाए गए मुद्दों पर जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ढाणी में लगी आग, 2 जिंदा जले; एक गंभीर झुलसा

बाड़मेर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आग लगने और लोगों के जिंदा जलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। अब बाड़मेर जिले के ग्रामीण इलाके में रविवार तड़के एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया। जस्तानियों की ढाणी, भाड़खा में एक ही कमरे में सो रहे तीन युवकों में से दो की आग में जलकर मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से झुलस गया। हादसा इतना भयानक था कि ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचेए तब तक आग ने पूरा कमरा अपनी चपेट में ले लिया था। गांव के देवीलाल अपने भाई शंकराराम के घर पर गए थे। उनके साथ बेटा जसराम 21 भी था। रात को जसराम अपने चचेरे भाई अरुण 19, और राजूराम 12 के साथ एक कमरे में सो गया। सुबह करीब 5 बजे कमरे में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में लपटें इतनी तेज हो गईं कि तीनों बाहर नहीं निकल पाए।

परिजनों और ग्रामीणों ने शोर सुनते ही भागकर दरवाजा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन तब तक अरुण और राजूराम की मौके पर ही जलकर मौत हो चुकी थी। जसराम को गंभीर झुलसने की हालत में बाड़मेर अस्पताल लाया गयाए जहां से उसे जोधपुर रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। एफएसएल टीम ने मौके से नमूने लेकर जांच शुरू कर दी है। बाड़मेर एएसपी जसाराम बोस, डीएसपी रमेश कुमार शर्मा और तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली।

तलाई में डूबने से चार बच्चों की मौत की घटना के बाद शोक की लहर है

उदयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वल्लभनगर उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत ढावा के अंतर्गत सराय गांव के पास तलाई में डूबने से चार बच्चों की मौत की घटना के बाद शोक की लहर है। परिजन चारों बच्चों को याद करके बेसुध हो गए। तलाई में से शवों को निकालने के बाद परिजन अपने बच्चों को सीने से लगाकर फफक पड़े।

कोमल, मनोहर, पायल और सुमन चारों बच्चों की तलाई में डूबने से मौत हो गई। इनमें से मनोहर कालबेलिया ओर कोमल कालबेलिया सगे भाई बहन थे। वहीं, पायल कालबेलिया और सुमन कालबेलिया चचेरी बहनें थीं। तलाई में चचेरे भाई और बहनों की डूबने के बाद आवाज सुनकर सुमन अपनी जान की परवाह किए बिना बचाने पहुंची। तीनों बच्चों को बचाने के प्रयास में सुमन की भी डूबने से मौत हो गई।

सुमन की बहादुरी देखकर परिजनों के साथ ग्रामीणों की भी आंखें नम हो गईं। ग्रामीणों ने बताया कि सुमन ने अपने चचेरे भाई-बहनों को बचाने के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन अत्यधिक गहराई होने के कारण बचाते हुए वह भी हादसे का शिकार हो गई।

इसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। परिजनों को क्या पता था कि सुबह घर के आंगन में हंस कर खेलने वाले बच्चे शाम को इस दुनिया से अलविदा हो जाएंगे। बच्चों के माता-पिता और अन्य परिजन बार-बार उनको याद करके बेसुध हो रहे थे। जैसे ही चारों बच्चों के शव घर पहुंचे तो माता-पिता बेहोश हो गए।

इस दौरान परिवार के अन्य लोगों ने उनको संभालते हुए ढाढस बंधाया। वल्लभनगर विधायक उदय लाल डांगी ने चार बच्चों की एकसाथ मौत होने पर गहरा दुःख जताया है। साथ ही परिजनों को सांत्वना देते हुए सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

हवा में चली गोली युवक के कंधे में धंसी

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के मानसरोवर इलाके में बाइक पर जा रहे एक युवक को अचानक गोली लगी गई। जबकि युवक को गोली लगने का पता ही नही चला। शरीर और कंधे में दर्द होने पर एसएमएस अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने युवक को कंधे में गोली धंसने की जानकारी दी। मानसरोवर थाना पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार दो दोस्त बाइक पर जा रहे थे,तभी एक दोस्त के लगी गोली। गोली किसने मारी,उसका पता नहीं चला।घटना के अनुसार अज्ञात व्यक्ति की ओर से दूर से मारी गई गोली लोकेंद्र सिंह के कंधे में लगी। पहले तो गोली लगने पर युवक को पता ही नहीं चला। बाद में शरीर में दर्द हुआ ,तो दोनों दोस्त अस्पताल गए। तब पता चला कि कंधे के पास गोली फंस गई है। इसके बाद युवक लोकेंद्र सिंह को अस्पताल में भर्ती कराने के साथ पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद मानसरोवर थानाप्रभारी लाखन खटाना ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित के पर्चा बयान लेकर मामला दर्ज किया है। मानसरोवर पुलिस अब गोली चलाने वाले शख्स की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार गोली लगने के बाद युवक को एसएमएस अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। फिलहाल युवक की हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने युवक के पर्चा बयान के आधार पर गोली चलाने वालों की तलाश शुरू कर दी है।

अधिकारी ने रिश्वत लेने का निकाला नया आइडिया, पत्नी को भी बनाया घूस पार्टनर

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में राजकॉम्प के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रद्युमन दीक्षित ने अपनी पत्नी पूनम दीक्षित के नाम पर 2 निजी कंपनियों से करीब 37.54 लाख रुपए का भुगतान करवाया. जयपुर एंटी करप्शन ब्यूरो में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक अधिकारी ने रिश्वत लेने के बदले अपनी पत्नी को हर महीने में 1.60 लाख रुपये सैलरी दलिवाई. एसीबी में कोर्ट के आदेश के बाद मुक़दमा दर्ज हुआ है. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में राजकॉम्प के ज्वाइंट डायरेक्टर प्रद्युमन दीक्षित ने अपनी पत्नी पूनम दीक्षित के नाम पर 2 निजी कंपनियों से करीब 37.54 लाख रुपए का भुगतान करवाया.

पूनम दीक्षित के 5 अलग-अलग खातों में 21 महीनों में 37 लाख 54 हजार रुपए जमा करवाए. प्रद्युमन ने टेंडर पास करने की एवज में कंपनी से अपनी पत्नी को नौकरी पर रखने के लिए कहा और हर महीने सैलरी मांगी. प्रद्युमन ने पत्नी पूनम दीक्षित को ओरियनप्रो सॉल्यूशंस एलटीडी और ट्रीजेन सॉफ्टवेयर पीवीटी एलटीडी में बिना काम किए ही नियुक्ति दिखाया.

दोनों कंपनियों ने जनवरी 2019 से सितंबर 2020 के बीच उनकी पत्नी के 5 निजी बैंक खातों में 37 लाख 54 हजार 405 रुपए वेतन के नाम पर जमा किए. पूरी अवधि में पूनम दीक्षित कभी भी ऑफिस नहीं गईं. आरोपी यह है कि प्रतिबंधित क्षेत्र के पद पर रहते हुए पद का दुरुपयोग किया है.

पत्नी की उपस्थिति रिपोर्ट भी खुद प्रद्युमन दीक्षित सत्यापित करते थे. दोहरी सैलरी और फर्जी प्रदर्शन रिपोर्ट का खेल एसीबी की जांच में सामने आया कि पूनम दीक्षित ने एक ही समय में दो कंपनियों से वेतन लिया. ओरियन प्रो में नौकरी दिखाते हुए उन्होंने ट्रीजेन से भी 'फ्रीलांसिंग' के नाम पर भुगतान लिया. इसी अवधि में दोनों कंपनियों को सरकारी टेंडर भी मिले, पूरा मामला तब खुला जब एक परिवादी ने राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर की.

अदालत के 6 सितंबर 2024 के आदेश पर एसीबी ने 3 जुलाई 2025 को प्राथमिक जांच दर्ज की. कंपनियों और बैंक खातों के रिकॉर्ड खंगालने पर पूरा घोटाला सामने आया. इसके बाद 17 अक्टूबर 2025 को एसीबी ने मुकदमा दर्ज कर लिया. मामले की जाँच डीएसपी नीरज गुरनानी कर रहे हैं.

3 दिन तक होगी बारिश

10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मानसून जाने के बाद और सर्दी की दस्तक के साथ राजस्थान में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने जा रहा है। मौसम विभाग ने इसका अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो आज से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। जिसके चलते 3 दिन तक कई जिलों में बारिश की होगी। वहीं, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो झालावाड़ जिले के मनोहरथाना में सबसे ज्यादा बारिश हुई। मनोहरथाना में रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ, जो करीब 50 मिनट तक जारी रहा। करीब एक घंटे तक हुई बारिश के चलते सड़कों पर पानी बह निकला। साथ ही लोगों को ठंड का भी अहसास हुआ। प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। 13 शहरों में रात का पारा 15 डिग्री और इससे नीचे दर्ज किया गया। सबसे कम रात का पारा सीकर में 13 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा दौसा में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम केन्द्र के अनुसार एक अवदाब मध्य-पूर्वी अरब सागर में व एक अन्य अवदाब दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना हुआ है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ उतरी-पश्चिमी भारत में 26 अक्टूबर से सक्रिय होने की संभावना है। ऐसे में आज से तीन दिन तक कई जिलों में बारिश की संभावना है।

पुलिसकर्मी पर जानलेवा हमला करने वाले बदमाश की निकली हेकड़ी

हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाते नजर आया

दौसा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में पुलिसकर्मी पर जानलेवा हमला और पुलिस वाहन को टक्कर मारने वाला तीसरा आरोपी भी पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी दिलखुश मीना उर्फ़ डीके को पाटोली बाइपास से गिरफ्तार किया। बता दें कि इस मामले में दो आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके है। मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में हाईवे पर 3 अक्टूबर को पुलिस वाहन को टक्कर मारने के बाद से आरोपी फरार था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रविवार को आरोपी दिलखुश मीना उर्फ़ डीके को पाटोली बाइपास से गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस ने बदमाश का पैदल जूलूस निकाला। इस दौरान आरोपी हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाते हुए कभी भी अपराध नहीं करने की कसम खाते नजर आया।

पुलिस के मुताबिक इस मामले में पुलिस ने आरोपी संजय मीना निवासी लोटवाडा थाना बेजूपाडा और राहुल मीना निवासी करोड़ी थाना मेहंदीपुर बालाजी को जयपुर के बीलवा से गिरफ्तार किया था। बदमाशों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त की थी। आरोपी राहुल मीना पर बांदीकुई, रामगढ़ पचवारा सहित बालाजी थाने में अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों का महिला के भेष में जुलूस निकाला था।

हाईवे पर खेड़ा पहाड़पुर की होटल पर 3 अक्टूबर की रात कुछ लोग झगड़ा कर रहे थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बदमाशों ने हैड कांस्टेबल पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की और पुलिस वाहन को टक्कर मारकर मौके से फरार हो गए थे।

ऑटो चालक का हाथ बचाने के लिए लगा करोड़ों का इलाज

अस्पताल पर चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप

संगारेड्डी, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के गृह जिले संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण ऑटो चालक के बायें हाथ की जान जोखिम में पड़ गई। संगारेड्डी के शांति नगर निवासी के. संगमेश्वर (36) 23 जुलाई को पेट में तेज दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल गए थे। उन्हें सलाइन और कुछ इंजेक्शन दिए गए, लेकिन थोड़ी देर बाद उनके बाएं हाथ में सूजन शुरू हो गई। ड्यूटी डॉक्टर ने बर्फ लगाने की सलाह दी, लेकिन अगले दिनों सूजन बढ़ती गई।

30 अक्टूबर को एमएनआर अस्पताल में जांच के बाद पता चला कि संक्रमण पूरे शरीर में फैल चुका है और उन्नत इलाज के लिए हैदराबाद जाने की सलाह दी गई। संगमेश्वर ने विभिन्न कॉर्पोरेट अस्पतालों में उपचार कराया, जहां डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि हाथ काटना पड़ सकता है। दो महीने की इलाज प्रक्रिया के बाद संक्रमण सिर्फ़ बाएं हाथ तक सीमित रहा। इलाज पर 35 लाख रुपये खर्च करने के बाद, संगमेश्वर को अपना घर बेचकर खर्च जुटाना पड़ा। पिछले चार महीनों से काम न कर पाने के कारण उनका परिवार जीवनयापन में संघर्ष कर रहा है। उन्होंने संगारेड्डी अस्पताल के अधीक्षक से डॉक्टरों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई और मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा से मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

डॉ.एस. वेंकट मोहन विज्ञानश्री से सम्मानित

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी) के ऊर्जा एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य वैज्ञानिक डॉ.एस. वेंकट मोहन को पर्यावरण विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार- विज्ञानश्री से सम्मानित किया गया है। डॉ. मोहन को पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी में अपने अग्रणी अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो ऊर्जा उत्पादन, अपशिष्ट मूल्य निर्धारण और पर्यावरण पुनर्स्थापन में अनुप्रयोगों के लिए सूक्ष्मजीवों के उपापचयी मॉड्यूलेशन पर केंद्रित है।

उन्हें पहले शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी नवाचार राष्ट्रीय फेलोशिप और डीबीटी-टाटा इनोवेशन फेलोशिप से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार - विज्ञान श्री, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के लिए भारत के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है।

सीईओ ने तेलंगाना में विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने शनिवार को तेलंगाना राज्य में मतदाता सूचियों के आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ), कलेक्टरों और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। बैठक के दौरान, सीईओ ने एसआईआर पर टेबल-टॉप अभ्यास सहित सभी लंबित गतिविधियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सभी डीईओ और कलेक्टरों को संबंधित ईआरओ के साथ समन्वय में विधानसभा क्षेत्रवार और मतदान केंद्रवार प्रगति की बारीकी से निगरानी करने का निर्देश दिया ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया की सटीकता और समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके। सीईओ ने यह भी बताया कि अगली समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंस 1 नवंबर, 2025 को आयोजित की जाएगी, ताकि अद्यतन स्थिति का आकलन किया जा सके और किसी भी लंबित मुद्दे का समाधान किया जा सके। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी लोकेश कुमार, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरि सिंह और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस सप्ताह की शुरूआत में, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुदर्शन रेड्डी ने नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जहां मुख्य एजेंडा मतदाता सूची प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने, प्रौद्योगिकी के उपयोग और मतदाता सेवाओं को बेहतर बनाने के सर्वोत्तम तरीकों पर केंद्रित था।

धान खरीद में किसानों को परेशानी, पीपीसी पर प्रदर्शन

नसरुल्लाबाद और बोम्मादेवरापल्ली में किसानों ने अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की

कामारेड्डी, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस सीजन में धान खरीद प्रक्रिया में किसानों को राज्य भर में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नसरुल्लाबाद के पीपीसी पर किसानों ने पुलिसवालों के सामने गिरकर हस्तक्षेप की गुहार लगाई और खरीद अधिकारियों को उनके स्टॉक लेने का निर्देश देने की मांग की। देरी से नाराज़ किसानों ने चेतावनी दी कि अगर उनका धान नहीं खरीदा गया तो वे आत्महत्या तक कर सकते हैं। शनिवार को बोम्मादेवरापल्ली चौराहे पर किसानों ने सड़क पर धरना दिया और नारे लगाए।

बोम्मादेवरापल्ली पीपीसी में कुल 211 किसान पंजीकृत हैं। इसमें से 31 किसानों को 2,099 क्विंटल धान गिरिधर इंडस्ट्रीज को बेचने के लिए आवंटित किया गया था, जबकि 2,000 क्विंटल धान सुगुना राइस मिल को टैग किया गया। अधिकारियों ने खराब गुणवत्ता और औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) मानदंड पूरा न होने का हवाला देते हुए मिल के लिए स्टॉक खरीदने से इनकार किया। किसानों के विरोध के बाद ज़िला अधिकारियों की टीम ने पीपीसी का निरीक्षण किया और दावा किया कि समस्या का समाधान हो गया है।

कृष्णावेणी बजरंग सेना तेलंगानी की महासचिव बनीं

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीमती कृष्णावेणी वोरुगंती को बजरंग सेना तेलंगाना राज्य की महिला मोर्चा की महासचिव नियुक्त किया गया है। एन.आर. लक्ष्मण राव, अध्यक्ष, बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा यह नियुक्ति की गई है। नियुक्ति समारोह में मनोज मोगलगिड्डी (अध्यक्ष, ग्रेटर हैदराबाद), श्रीमती प्रिया चारी (अध्यक्ष, महिला मोर्चा), श्रीमती उमा बिरादर, श्रीमती उषा और कई अन्य सम्मानित सदस्य उपस्थित थे। श्रीमती कृष्णावेणी वोरुगंती को बजरंग सेना के मिशन को आगे बढ़ाने और तेलंगाना भर में महिलाओं को सशक्त बनाने का दायित्व सौंपा गया है।

स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों के बारे में जागरूकता : सीतक्का

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्तन कैंसर के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने जनता में कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने आग्रह किया कि डॉक्टरों को इन जागरूकता कार्यक्रमों में पहल करनी चाहिए और मामलों की संख्या कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। सीतक्का ने कहा, स्तन कैंसर समाज को काफी प्रभावित कर रहा है। जल्दी पता लगने से इसे रोकना बहुत आसान हो जाता है। आज उपलब्ध उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के साथ, यह सोचने का कोई कारण नहीं है कि कैंसर होने पर जीवन समाप्त हो जाता है। यदि चिकित्सक अपने रोगियों में विश्वास जगाएं, तो इस चुनौती पर विजय प्राप्त करना संभव है। रविवार को हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित यशोदा अस्पताल में स्तन कैंसर जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मंत्री सीतक्का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में महिला निगम की अध्यक्ष बंडरू शोभा, कई डॉक्टर, चिकित्साकर्मी और आम जनता भी शामिल हुई। अपने संबोधन में, मंत्री ने स्तन कैंसर पर केंद्रित जागरूकता अभियान आयोजित करने के लिए यशोदा अस्पताल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन पहलों को न केवल शहरी केंद्रों में, बल्कि ग्रामीण समुदायों में भी लागू किया जाना चाहिए, क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र के अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए यह आवश्यक है। सीतक्का ने बताया कि तेलंगाना सरकार महिला एवं बाल कल्याण तथा स्वास्थ्य विभागों की मदद से गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगा रही है, और स्तन कैंसर की जांच के ज़रिए महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ज़ोर दे रही है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सरकार की जागरूकता पहलों का समर्थन करना चाहिए।

पुट्टा मधु ने दुदिल्ला श्रीधर बाबू पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व विधायक पुट्टा मधु ने आईटी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान करने की आड़ में उनका सचिवालय कार्यालय कथित रूप से अवैध सौदों का केंद्र बन गया है। उन्होंने तेलंगाना भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री कार्यालय की तत्काल उच्च-स्तरीय जांच की मांग की।

मधु ने बताया कि मंत्री का कार्यालय अक्सर आधी रात तक खुला रहता है, जिसे लोग नौकरी चाहने वालों की मदद के लिए सराहते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि देर रात चलने वाले सत्र कथित तौर पर अवैध लेनदेन के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने कल्याण राज द्वारा 10 सितंबर को दर्ज कराई गई शिकायत का हवाला देते हुए इसे मंत्री कार्यालय में अवैध वसूली से जोड़कर बताया।

बाघ ने मवेशियों पर किया हमला

आदिलाबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गडिगुडा मंडल के खाडोडी गांव में एक बाघ द्वारा चार बैलों को मार दिए जाने से निवासियों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि बाघ ने तुलसी राम के चार बैलों को मार डाला, जब वे गांव के बाहरी इलाके में जंगल में चर रहे थे। तुलसी राम ने बताया कि प्रत्येक बैल की कीमत 25,000 रुपये है और उन्होंने वन अधिकारियों से नुकसान की भरपाई करने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि ये जानवर उनके खेत में काम करने के बाद जंगल में घुस आए थे। वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी दी और कहा कि बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों को संदेह है कि यह जानवर नए इलाके की तलाश में पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से भटककर आया होगा।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई, 457 गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार को सप्ताहांत विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच में 457 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए। पकड़े गए लोगों में 346 दोपहिया वाहन चालक, 20 तिपहिया वाहन चालक, 86 चौपहिया वाहन चालक और पांच भारी वाहन चालक शामिल हैं। जांच में 24 चालकों का ब्लड अल्कोहल स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाया गया।

आगामी सीजन में 19,000 मेगावाट से अधिक की बिजली की मांग को पूरा करने के लिए सरकार तैयार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बिजली की मांग में वृद्धि को देखते हुए, राज्य के बिजली अधिकारियों को 2026 के रबी और ग्रीष्म सीज़न के दौरान अपेक्षित रिकॉर्ड स्तर की बिजली मांग के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है, जिसके 19,000 मेगावाट से अधिक होने का अनुमान है।

शनिवार को, ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव नवीन मित्तल ने मिंट कंपाउंड स्थित टीजीएसपीडीसीएल मुख्यालय में टीजीट्रांसको, टीएसजीईएनसीओ, सिंगरेनी कोलियरीज, टीजीएसपीडीसीएल, टीजीएनपीडीसीएल और टीजीआरईडीसीओ के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक प्रारंभिक समीक्षा की।

इस अवसर पर, नवीन मित्तल ने कहा कि इस वर्ष 17,162 मेगावाट की अधिकतम माँग के बावजूद, सक्रिय उपायों के कारण आपूर्ति स्थिर रही। उन्होंने इस दिसंबर के अंत तक लाइन की मरम्मत, नए ट्रांसफार्मर लगाने और अन्य विकास कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए, राज्य में दक्षिणी डिस्कॉम में 72 और उत्तरी डिस्कॉम में 31 नए सबस्टेशन स्थापित किए जाएंगे, साथ ही 181 ईएचटी सबस्टेशनों की ट्रांसफार्मर क्षमता में वृद्धि की जाएगी। राज्य भर में 13,600 से अधिक नए वितरण ट्रांसफार्मर लगाए जाएँगे, साथ ही ईएचटी/33/11 केवी लाइनों और पीटीआर क्षमताओं का विस्तार भी किया जाएगा। यदाद्री थर्मल पावर स्टेशन की सभी इकाइयां जल्द ही चालू होने की उम्मीद है, जिससे 4,000 मेगावाट बिजली उत्पादन में वृद्धि होगी।

इसके अलावा, अधिकारियों को ट्रांसफार्मर और फीडरों का स्वचालन लागू करने, ग्रामीण क्षेत्रों में एससीएडीए जैसी प्रणालियों का विस्तार करने और सभी डिस्कॉम में फीडर आउटेज प्रबंधन प्रणाली को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिंगारेणी के सीएमडी बलराम ने कहा कि नवंबर तक कोयला उत्पादन बढ़कर 2.20 मिलियन टन प्रतिदिन हो जाएगा, जिससे ताप विद्युत संयंत्रों को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

पीएम-ईड्राइव पहल के तहत, टीजीएसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ फारुकी ने बताया कि सरकार हैदराबाद को भारत की इलेक्ट्रिक वाहन राजधानी बनाने की योजना बना रही है। इसके लिए 3,121 संभावित इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्थलों की पहचान पहले ही कर ली गई है और निकट भविष्य में और भी स्थलों की पहचान होने की उम्मीद है।

नवीन मित्तल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बिजली क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और उन्होंने अधिकारियों से सभी उपभोक्ताओं को उच्च-गुणवत्ता और विश्वसनीय सेवा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

रघुवंश चावली को 'अर्बन एनिमल्स 2025' में सर्वश्रेष्ठ लेखक पुरस्कार

'विंग्स ओवर कंक्रीट' परियोजना के लिए मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मूल के कनाडाई फोटोग्राफर रघुवंश चावली को शुक्रवार रात प्रतिष्ठित 'अर्बन एनिमल्स 2025' अंतर्राष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ लेखक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिता इटली में आयोजित प्रसिद्ध ट्राइस्टे फोटो डेज का हिस्सा है, जो यूरोप के प्रमुख फोटोग्राफी उत्सवों में गिना जाता है। यह सम्मान चावली को उनकी प्रसिद्ध परियोजना 'विंग्स ओवर कंक्रीट' के लिए मिला, जिसमें उन्होंने शहरी जीवन और वन्यजीवों के बीच सामंजस्य और संघर्ष को बेहद खूबसूरती से दिखाया है।

चावली की तस्वीरें शहर के बीच उड़ते पक्षियों की सुंदरता और प्रकृति के साथ मानव संरचनाओं के संबंध को दर्शाती हैं। उनके काम ने अपनी मौलिकता और गहराई के कारण वैश्विक स्तर पर प्रशंसा पाई है। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर से 11,000 से अधिक तस्वीरें शामिल थीं, जिनमें 7,736 एकल चित्र और 272 पोर्टफोलियो थे। अंतर्राष्ट्रीय जूरी ने चावली को उनके प्रभावशाली पोर्टफोलियो के लिए चुना, जो अपने भावनात्मक असर और विचारों की ताकत के कारण हजारों प्रस्तुतियों में अलग दिखा।

यह पुरस्कार इटली के प्रसिद्ध फोटोग्राफर और शिक्षक डारियो डी डोमिनिकिस ने प्रदान किया। समारोह में चावली ने व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार प्राप्त किया और कनाडा का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों के कलाकार और क्यूरेटर शामिल हुए। पुरस्कार प्राप्त करते हुए चावली ने कहा कि 'विंग्स ओवर कंक्रीट' यह दिखाता है कि कंक्रीट के जंगलों में भी जीवन की सुंदरता कायम रहती है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान इस बात की याद दिलाता है कि कला और प्रकृति खूबसूरती से साथ रह सकते हैं।

गौरतलब है कि रघुवंश चावली ने इस साल की शुरूआत में 10वीं वार्षिक 35 अवाड्र्स फोटोग्राफी प्रतियोगिता में भी प्रथम पुरस्कार जीता था, जिसमें 1.12 लाख से अधिक फोटोग्राफरों ने 4.73 लाख प्रविष्टियां भेजी थीं।

छठ घाटों पर सरकार का सहयोग सराहनीय

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आस्था, अनुशासन और पर्यावरण चेतना का प्रतीक महापर्व छठ पूजा इस वर्ष पूरे तेलंगाना में उल्लास और श्रद्धा के वातावरण में मनाई जा रही है।

बिहार सहयोग समिति, हैदराबाद-तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बताया कि राज्यभर में छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। समिति द्वारा बतुकम्मा घाट, आनंदबाग, मल्काजगिरी, सिकंदराबाद और हैदराबाद के विभिन्न घाटों पर सफाई, सजावट, प्रकाश व्यवस्था और पार्किंग जैसी सुविधाओं का काम पूरा कर लिया गया है।

इस मौके पर जीएचएमसी के एई नविन, डीई लवली मैडम, भास्कर, राजु और सागर सभी लोगों ने मेहनत कर छठ व्रतियों की सुविधा के लिए घाटों पर चेंजिंग रूम, सुरक्षित स्नान क्षेत्र, और शुद्ध जल की उपलब्धता सुनिश्चित की है। नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना के अध्यक्ष राजनरायन सिंह भी सभी व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के तहत प्रशासन द्वारा घाटों पर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह कदम राज्य सरकार की जनसहभागिता और सांस्कृतिक सद्भाव की भावना को और सशक्त बनाता है। समिति के सचिव सागर भगत, मनोज यादव,हरिश यादव,अजय सिंह पंचम भगत, गुलशन कुमार,सतिश यादव, सुनील भगत, लल्लन मिश्रा, बिनोद यादव, एवं भारी मात्रा में युवा कार्यकर्ता ने भरपूर सहयोग दिया।

निर्माणाधीन छठ घाट का निरीक्षण

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति, रमन्तापुर द्वारा छठ पूजा घाट का कार्य पूर्ण कर लिया गया। उक्त जानकारी देते हुए सुरेश सिंह ने बताया कि सत्यनारायण स्वामी टेंपल के पास में एक टैंक का निर्माण किया गया है। जिसमें सोमवार को दस टैंकरों के जरिए शुद्ध जल डाला जाएगा, ताकि व्रतियों को पावन स्नान में किसी भी तरह की असुविधा न हो। आज छठ पूजा समिति के पदाधिकारियों सुरेश सिंह, सुनील सिंह, कमलेश पांडेय, राजीव कुमार, अजय शर्मा, भगवान सिंह, धनंजय सिंह, अनिल झा, निवास सिंह, शिव कुमार वर्मा तथा समिति के सभी सदस्यों ने निर्माणाधीन टैंक का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की रूपरेखा बनाई गई।

सड़क हादसे में 4 लोग घायल

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह शहर के जेएनटीयू फ्लाईओवर पर एक कार के सड़क डिवाइडर से टकरा जाने से चार लोग घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, चार सूडानी नागरिक कार में केपीएचबी से हाईटेक सिटी जा रहे थे।

जेएनटीयू फ्लाईओवर पर चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और एक बाइक को टक्कर मार दी, फिर डिवाइडर से टकरा गई। तीन सूडानी नागरिकों समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है।

सड़क परिवहन सुरक्षा अभियान, कई बसें जब्त, जुर्माना भी लगाया

आरटीए और यातायात पुलिस ने निजी ट्रैवल बसों में गंभीर सुरक्षा उल्लंघन पकड़े

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) और यातायात पुलिस ने शुक्रवार रात और शनिवार को शहर भर में बड़े सुरक्षा प्रवर्तन अभियान के तहत औचक निरीक्षण किया। अभियान का मुख्य लक्ष्य लंबी दूरी पर चलने वाली निजी ट्रैवल बसें थीं। निरीक्षण में कई गंभीर सुरक्षा उल्लंघन पाए गए। एल.बी. नगर और रामोजी फिल्म सिटी मार्गों पर तैनात चार विशेष प्रवर्तन दलों ने दो निजी बसें जब्त कीं। अधिकारियों ने बताया कि कुछ बसों में स्लीपर बर्थ आपातकालीन निकास में बाधक थे, अग्निशामक यंत्रों की अवधि समाप्त हो चुकी थी और अधिकांश बसों में खिड़कियों के पास आपातकालीन हथौड़े नहीं थे।

एसएल ट्रैवल्स की एक बस बिना वैध रोड टैक्स और परमिट के पाई गई, जबकि हैदराबाद-बेल्लारी रूट की एक अन्य बस में आपातकालीन उपकरण मौजूद नहीं थे।

कुकटपल्ली में आरटीए ने यात्रा बसों, कैब, ऑटो और मालवाहक ट्रॉलियों की भी जांच की। कई वाहनों को बिना वैध लाइसेंस, फिटनेस प्रमाणपत्र या करों का भुगतान न करने के कारण नोटिस जारी किए गए। शमशाबाद के गगन पहाड़ इलाके में बेंगलुरू से आई पांच निजी बसों-श्रीवारी ट्रैवल्स, ऑरेंज ट्रैवल्स, सलीम ट्रैवल्स, शिवा ट्रैवल्स और डेल्टा ट्रैवल्स-को अनियमितताओं के कारण जब्त किया गया। इनमें से अधिकांश बसें एक्सपायर हो चुके परमिट और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के बिना चल रही थीं।

इस बीच, बेंगलुरू से हैदराबाद जा रही एक निजी बस, कर्नूल के पास एक कार से बचने के प्रयास में ट्रक से टकरा गई। हालांकि चालक ने बस को हैदराबाद तक चलाया, लेकिन आरटीए टीम ने आरामघर चौराहे पर इसे रोककर जब्त कर विस्तृत यांत्रिक निरीक्षण के लिए बंडलागुड़ा आरटीओ कार्यालय भेजा। आरटीए अधिकारियों ने बताया कि आने वाले हफ़्तों में अभियान जारी रहेगा, जिसमें स्लीपर कोच, फिटनेस प्रमाणपत्र और निजी ऑपरेटरों की आपातकालीन तैयारियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा, यात्री सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑपरेटरों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें परमिट निलंबित करना भी शामिल है।

वेमुला प्रशांत रेड्डी ने 8,000 करोड़ के सड़क घोटाले का लगाया आरोप

एचएएम टेंडरों में बढ़ी लागत और गुप्त सौदों पर विपक्ष ने उठाया सवाल

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) के तहत सड़क परियोजनाओं के टेंडरों में 8,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया। शनिवार को तेलंगाना भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग रोज नए घोटाले सामने आ रहे हैं और सरकार गुप्त सौदों में लिप्त है। रेड्डी ने बताया कि कैबिनेट मंत्री ठेकों को लेकर लड़ते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री बीच में आकर मुनाफे का बंटवारा करते हैं और झगड़ों को बंद कमरे में सुलझा देते हैं। उन्होंने दावा किया कि डेक्कन सीमेंट्स के कर्मचारियों को हथियारबंद लोगों से धमकियां मिल रही थीं और शराब होलोग्राम कांड जैसी घटनाओं में मुख्यमंत्री ने अपनी टीम के भीतर के विवादों को छुपाने के लिए वरिष्ठ अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया।

एचएएम के तहत सड़क परियोजनाओं की प्रति किलोमीटर लागत में 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 9,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं 15,000 करोड़ रुपये में बदल गई हैं। रेड्डी ने कहा कि यह करदाताओं से 8,000 करोड़ रुपये की चोरी के बराबर है। उन्होंने कहा कि एचएएम में प्रति किलोमीटर निर्माण लागत 3.30 करोड़ रुपये है, जबकि केंद्रीय सड़क निधि (सीआरएफ) योजना के तहत यह 1.75 करोड़ रुपये है।

विश्वविद्यालय ने शुरू किया 'हर घर तक बागवानी' कार्यक्रम

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय ने राज्य के हर घर में बागवानी फसलें और उत्पाद पहुंचाने के उद्देश्य से 'हर घर तक बागवानी' कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। कुलपति डॉ. दंड राजी रेड्डी ने बताया कि बागवानी क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रयोग हेतु विशेष तंत्र तैयार किया जा रहा है। कुलपति ने कहा कि छात्रों के कौशल निखारने के लिए जेआरएफ सह प्रतियोगी प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी और जीनोम एडिटिंग व टिशू कल्चर पर शोध हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र बनाया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रोहित शर्मा का जिगरी दोस्त अभिषेक नायर अब आईपीएल में बनेगा हेड कोच, केकेआर खेलने जा रहा बड़ा दांव

कोलकाता, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है, जिसके चलते कई बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं. इसमें 3 बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का नाम भी शामिल है. कुछ महीने पहले ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने हेड कोच चंद्रकांत पंडित के साथ अलग होने का फैसला लिया था. ऐसे में अब केकेआर के नए हेड कोच पर बड़ा अपडेट सामने आया है.

केकेआर का नया हेड कोच बनेगा ये दिग्गज

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के लिए अभिषेक नायर को अपना हेड कोच बनाने की पूरी तैयारी कर ली है. इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक नायर को पिछले हफ्ते फ्रैंचाइजी के इस फैसले के बारे में बता दिया गया है और जल्द ही इसका ऐलान होने की उम्मीद है. बता दें, अभिषेक नायर पिछले साल भी इसी टीम का हिस्सा थे. तब वह सपोर्ट स्टाफ के तौर पर टीम के साथ जुड़े थे.

अभिषेक नायर आने वाले सीजन में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे, जिन्होंने 2022 में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम की जगह ली थी. चंद्रकांत पंडित 3 सीजन तक केकेआर के हेड कोच रहे. उनके नेतृत्व में 2024 में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर तीसरा आईपीएल खिताब अपने नाम किया था. वह घरेलू क्रिकेट में छह रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने वाले कोच के रूप में भी मशहूर हैं.

2024 में भी केकेआर का हिस्सा थे अभिषेक नायर

नायर 2024 में खिताब जीतने वाली कोलकाता के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे. वो असिस्टेंट कोच की भूमिका में कई सीजन से काम कर रहे हैं. लेकिन 2024 में वह बतौर असिस्टेंट कोच टीम इंडिया के साथ जुड़ गए थे. जिसके चलते उन्हें केकेआर से अलग होना पड़ा था. मगर 10 महीने से भी कम समय में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था. जिसके चलते वह एक बार फिर केकेआर की टीम में लौट आए थे.

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप

हंसिका, सारिका को रजत से करना पड़ा संतोष

सर्बिया, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की महिला मुक्केबाज हंसिका लांबा और सारिका मलिक को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में हार मिली जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हंसिका 53 किग्रा वर्ग के खिताबी मुकाबले में जापान की हारुना मोरिकावा से 0-4 से हार गईं। पिछले साल की एशियाई अंडर-20 रजत पदक विजेता सारिका 2024 अंडर-23 विश्व रजत पदक विजेता रुका नतामी से रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार गईं।

भारत ने इस प्रकार महिला वर्ग में अपने अभियान का अंत सात पदकों के साथ किया। निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया मलिक (76 किग्रा) ने टूर्नामेंट में पहले ही कांस्य पदक जीते थे। सविता (62 किग्रा), हन्नी कुमारी (50 किग्रा), दीक्षा मलिक (72 किग्रा) का अभियान पदक दौर से पहले ही खत्म हो गया था।

पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में प्रविंदर (74 किग्रा) कांस्य पदक के प्लेऑफ में जापान के योशिनोसुके आओयागी से 2-8 से हार गए। सुमित मलिक (57 किग्रा), नवीन कुमार (70 किग्रा), चंद्र मोहन (79 किग्रा) दिन में पहले ही बाहर हो गए थे, जबकि सचिन (92 किग्रा) शुक्रवार को ही बाहर हो गए थे। सुजीत कलकल 65 किग्रा भार वर्ग में अगले दो दिनों में भारत के लिए स्वर्ण पदक के लिए सबसे बड़ी उम्मीद होंगे।

कनाडा ओपन स्क्वाश के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनाहत

स्विट्ज़रलैंड की मेरलो को हराया

टोरंटो, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए पीएसए सिल्वर प्रतियोगिता कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज़ दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने पहले दौर में स्विट्ज़रलैंड की सिंडी मेरलो को 17 मिनट में 11-3, 11-3, 11-4 से हराया।

अनाहत का अगला मुकाबला दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी और छठी वरीयता प्राप्त मेलिसा अल्वेस से होगा।

कोग्नीवेरा इंटरनेशनल पोलो कप 2025: रोमांचक मुकाबले में भारत ने अर्जेंटीना को हराकर जीता खिताब

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोग्नीवेरा इंटरनेशनल पोलो कप के फ़ाइनल में टीम इंडिया ने पोलो की दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों से एक अर्जेंटीना को एक रोमांचक मुकाबले में 10-9 से हरा दिया. इस दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला.

भारतीय टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

जयपुर पोलो ग्राउंड पर खेले गए इस फाइनल मुकाबले में गेंद की रफ्तार और खिलाड़ियों की फुर्ती देखने लायक थी. ये मुकाबला केवल एक खेल नहीं, बल्कि जुनून, ताक़त और बेहतरीन साझेदारी का प्रतीक बन गया.

सिमरन सिंह शेरगिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया.

वहीं टीम के स्टार खिलाड़ी सवाई पद्मनाभ सिंह के सटीक स्ट्रोक्स और शानदार रणनीति ने अर्जेंटीना को कहीं टिकने ही नहीं दिया. जीत के बाद भारतीय कप्तान ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मेहमान टीम के खिलाफ जीतना हमारे लिए एक अविश्वसनीय पल है. हर खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाया. ये भारतीय पोलो के लिए गर्व का दिन है.

आयोजकों ने क्या कहा?

मैच के आयोजक कोग्नीवेरा आईटी सॉल्यूशंस के सीईओ और एमडी कमलेश शर्मा ने कहा कि पोलो शालीनता, धैर्य और वैश्विक मित्रता का प्रतीक है. कोग्नीवेरा इंटरनेशनल पोलो कप में भारत की जीत की मेजबानी और साक्षी बनना वाकई काफी खास रहा है. हमें खुशी है कि ये खेल संस्कृतियों को जोड़ता है. इस शानदार मुकाबले को देखने के लिए हजारों लोग मौजूद थे.

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए.

उनके साथ केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, सांसद नवीन जिंदल और मशहूर कवि डॉ. कुमार विश्वास आदि इस दौरान मौजद रहे. पोलो के इस महाकुंभ में भारतीय टीम ने दिखा दिया कि वो किसी से कम नहीं हैं.

श्रेयस अय्यर को सिडनी में मिली बुरी खबर

चोट के कारण कुछ दिन रहेंगे क्रिकेट से दूर

सिडनी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बैटिंग कर रही थी. तभी 34वें ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच उछला. बैकवर्ड पॉइंट पर मौजूद अय्यर ने पीछे की ओर दौड़ लगाई और फिर डाइव करते हुए एक बेहतरीन कैच लपक लिया. मगर जैसे ही गेंद पकड़ने के बाद वो मैदान पर गिरे, वो दर्द से परेशान नजर आए. अय्यर अपनी पेट और छाती के हिस्से को दबाकर दर्द से चीखते दिखे, जिसके बाद मेडिकल टीम उन्हें मैदान से बाहर लेकर गई.

बीसीसीआई ने मैच के दौरान अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि चोट की जांच के लिए अय्यर को अस्पताल ले जाया गया था. उनकी रिपोर्ट में क्या सामने आया, इसकी जानकारी तो फिलहाल बोर्ड ने नहीं दी है लेकिन एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अय्यर के बाईं ओर की पसलियों (रिब केज) में चोट लगी है, जिसके चलते वो अगले कुछ दिनों तक मैदान से बाहर रहेंगे. रिपोर्ट में बीसीसीआई से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शुरुआती जांच में यही लग रहा है कि अय्यर की पसलियों में झटका पड़ा है.

कब तक बाहर रहेंगे अय्यर?

जानकारी के मुताबिक, भारत लौटने पर अय्यर आगे की जांच के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे. रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलहाल तो यही लग रहा है कि अय्यर कम से कम 3 हफ्तों तक क्रिकेट एक्शन से पूरी तरह दूर रहेंगे. इसके चलते उनके साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने पर संदेह बन गया है. ये सीरीज 30 नवंबर से रांची में शुरू होगी. बीसीसीआई सूत्र ने बताया है कि अगर अय्यर की पसलियों में 'हेयरलाइन फ्रेक्चर' पाया गया तो उनकी वापसी में और भी लंबा वक्त लग सकता है. फिलहाल तो यही है कि साउथ अफ्रीका वाली सीरीज में खेलना तय नहीं है.

तवांग इंटरनेशनल मैराथन 3.0: महिलाओं में सरस्वती और पुरुषों में सिकंदर ने मारी बाजी, 6000 से ज्यादा ने लिया भाग

तवांग, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में 10,000 फीट की ऊंचाई पर आयोजित तवांग इंटरनेशनल मैराथन 3.0 ने जोश, जूनून और जज़्बे की नई मिसाल पेश की। 'रन अबव द क्लाउड्स' थीम के तहत आयोजित इस मैराथन में देश–विदेश के 6,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। 42 किलोमीटर मैराथन में महिला वर्ग सरस्वती राय ने पहला स्थान पाया जबकि पुरुष वर्ग में सिकंदर चिंदू तदाखे ने विजय का परचम लहराया। इस आयोजन ने न सिर्फ खेल के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया, बल्कि यह एकता, साहस और आत्मबल का भी प्रतीक बनकर उभरा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, जो इन दिनों जापान की आधिकारिक यात्रा पर हैं, ने वीडियो संदेश के ज़रिए धावकों को शुभकामनाएं दीं।

हौसलों की ऊंचाई पर सफलता की दौड़

मैराथन को गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों - बॉल ऑफ फायर डिवीजन, ब्लेज़िंग स्वॉर्ड डिवीजन और रेड हॉर्न डिवीजन के जीओसी सहित फ्लैग ऑफ किया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर ने कहा, तवांग मैराथन अपने आप में यूनिक है। यहां ऊंचाई की चुनौती है, लेकिन उससे भी ऊंचा है प्रतिभागियों का मनोबल। सिंह ने कहा, इस मैराथन में देश और विदेश से आए धावकों ने हिस्सा लिया है। यह आयोजन तवांग की सुंदरता, अनुशासन और एकता का संदेश दुनिया तक पहुंचाता है। पहले और तीसरे मैराथन में जमीन-आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा कि तवांग इंटरनेशनल मैराथन का यह तीसरा संस्करण पहले की तुलना में कहीं बड़ा और प्रेरणादायक है।

पहले और तीसरे मैराथन में जमीन-आसमान का अंतर है। सबसे बड़ा बदलाव लोगों के जोश और जूनून में दिखता है - जो देखते ही बनता है। कार्यक्रम में तवांग के विधायक नमग्य त्सेरिंग, जिला परिषद अध्यक्ष, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

बेलिंडा बेनसिच बनीं पैन पैसिफिक ओपन की चैंपियन

नोस्कोवा को हराया; करियर का 10वां खिताब जीता

टोक्यो, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्विट्ज़रलैंड की बेलिंड बेनसिच ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट की चैंपियन बनने में सफल रहीं। बेनसिच ने फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराया और करियर का 10वां खिताब जीतने में सफल रहीं। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था। उन्होंने रविवार को खेले गए फाइनल में चेक गणराज्य की अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। बेनसिच ने नोस्कोवा की सर्विस को तीन बार तोड़ते हुए एक घंटे 22 मिनट में आसान जीत हासिल की।

टोक्यो से स्विस खिलाड़ी की सुखद यादें जुड़ी हैं। उन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक महिला एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता था। मैच के बाद बेनसिच ने कहा, आप लोगों के सामने खेलना शानदार रहा। पिछली बार मैंने यहां जब टोक्यो ओलंपिक में जीत हासिल की थी, तब स्टेडियम खाली था, इसलिए माहौल बिल्कुल अलग था, लेकिन आप लोगों के सामने खेलना बहुत अच्छा लगा। मुझे जापान में खेलना बहुत पसंद है, इसलिए मैं यह टूर्नामेंट जीतकर बहुत खुश हूं।

`परफॉर्म कर, वरना बाहर बैठा दूंगा`, गंभीर की चेतावनी से `तूफान` बना हर्षित राणा

सिडनी में तोड़कर रख की कंगारूओं की कमर

खेल डेस्क, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिडनी वनडे से पहले गौतम गंभीर ने एक खिलाड़ी को साफ चेतावनी थी कि `परफॉर्म कर, वरना बाहर बैठा दूंगा` . गंभीर से डांट खाने के बाद इस खिलाड़ी ने सिडनी वनडे में कमाल की बॉलिंग की और मेजबानी टीम पर कहर बनकर टूटा. मैच के बाद इस खिलाड़ी के बचपन के कोच ने बड़ा खुलासा किया है.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी के मैदान पर खेला गया वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम इंडिया ने एकतरफा अंदाज में 9 विकेट से जीता. जीत के हीरो रोहित शर्मा रहे, जिन्होंने करियर का 50वां इंटरनेशनल शतक ठोका और 121 रनों की यादगार पारी खेली. रोहित के अलावा एक और खिलाड़ी ने सिडनी में तूफान मचाया और कंगारू टीम की कमर तोड़कर रख दी. ये वही खिलाड़ी है, जिसे टीम इंडिया के होड कोच गौतम गंभीर का 'खास' कहकर ट्रोल किया जाता है. उसने एक दो नहीं बल्कि पूरे 4 बल्लेबाजों का शिकार किया.

सिडनी वनडे के बाद इस खिलाड़ी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है. इस खिलाड़ी को टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने चेतावनी दी थी कि 'परफॉर्म कर, वरना बाहर बैठा दूंगा'. यहां जिसकी बात हो रही है वो कोई और नहीं बल्कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा हैं, जिन्होंने सिडनी के मैदान पर आग उगलती गेंदबाजी का नजारा पेश किया और आलोचकों का मुंह बंद कर दिया.

दवाब में थे हर्षित राणा

दरअसल, हर्षित राणा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस सीरीज में पिछली परफॉर्मेंस को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे थे, उन्हें पहले 2 मैचों में सिर्फ 2 विकेट मिले थे, लेकिन जब सिडनी में उन्होंने कहर बरपाया तो हर कोई उनका मुरीद बन गया. हर्षित ने अपने बचपन के कोच श्रवण कुमार को फोन पर बताया था कि कोच गंभीर से उन्हें ना सिर्फ डांट खाने मिली बल्कि टीम से बाहर होने की चेतावनी भी मिली. कोच श्रवण के साथ फोन पर बातचीत में राणा ने स्वीकार किया कि उन्हें काफी दबाव का सामना करना पड़ा था.

गंभीर की कड़क चेतावनी बनी टर्निंग पॉइंट

कोच शरवन ने खुलासा किया है कि हर्षित राणा को मैच से पहले टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ शब्दों में चेतावनी दी थी 'परफॉर्म कर, वरना बाहर बैठा दूंगा.' यह चेतावनी उनके लिए किसी टॉनिक से कम नहीं थी. गंभीर की डांट और भरोसे ने इस 23 साल के तेज गेंदबाज के अंदर नई आग भर दी. हर्षित ने अपने बचपन के कोच श्रवण से फोन पर कहा था कि वह अब मैदान पर सबको जवाब देना चाहते हैं और सिडनी के मैदान पर उन्होंने वही किया. हर्षित राणा इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर हैं. उन्होंने 3 मैचों में कुल 6 शिकार किए.

सिडनी में दिखा राणा का कहर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में हर्षित राणा ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर 4 विकेट झटके. उनकी गति और बाउंस के आगे कंगारू बल्लेबाज टिक नहीं पाए. मैच में उन्होंने शानदार लय हासिल की और भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 236 रनों पर समेटने में बड़ी भूमिका निभाई. यह वही खिलाड़ी था, जिसकी टीम में जगह को लेकर सवाल उठ रहे थे. अर्शदीप सिंह के ऊपर उन्हें जगह दी गई थी, इसे लेकर लोगों ने कोच गौतम गंभीर को काफी ट्रोल भी किया था.

आलोचकों को दिया करारा जवाब

हर्षित राणा के पहले 2 मैच अच्छे नहीं गए थे. इसके बाद भी उन्हें अर्शदीप सिंह के ऊपर खिलाया गया. कई पूर्व खिलाड़ियों ने इस पर सवाल खड़े किए थे. सोशल मीडिया पर ये कहा गया कि हर्षित सिर्फ गौतम गंभीर के 'खास' होने की वजह से टीम में शामिल किए गए हैं, लेकिन राणा ने सिडनी में 4 विकेट लेकर अपने प्रदर्शन से सभी को चुप करा दिया. उनके कोच शरवन ने भी पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत पर निशाना साधते हुए कहा कि रिटायरमेंट के बाद कुछ खिलाड़ी यूट्यूब चैनल चलाने के लिए दूसरों की आलोचना करते हैं, लेकिन एक युवा खिलाड़ी को इस तरह निशाना बनाना गलत है.

'गंभीर प्रतिभा को पहचानना जानते हैं'

हर्षित राणा के प्रदर्शन से उनके बचपन के कोच श्रवण बेहद खुश हैं. उन्होंने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में खुलासा करते हुए कहा कि मैंने हर्षित से बस इतना कहा, खुद पर भरोसा रखो. मुझे पता है कि कुछ क्रिकेटर कहते हैं कि वो गंभीर के करीब हैं, लेकिन गंभीर प्रतिभा को पहचानना जानते हैं और उनका समर्थन करते हैं।.उन्होंने कई क्रिकेटरों का समर्थन किया है और उन्होंने अपनी टीम के लिए कमाल का प्रदर्शन किया है. उन्होंने हर्षित को बुरी तरह डांटा भी था. उन्होंने उससे सीधे कहा था 'परफॉर्म कर, वरना बाहर बिठा दूंगा, वो चाहे जो भी हो, सबको साफ संदेश देते हैं'.

डीसीपी समेत पुलिसकर्मियों ने साहस का परिचय दिया : शिवधर रेड्डी

डीजीपी ने घायल डीसीपी और उनके गनमैन से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी और हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त, वी.सी. सज्जनार, एस. चैतन्य कुमार, डीसीपी दक्षिण पूर्व जोन और उनके गनमैन मूर्ति से मिलने गए, जो कल (25 अक्टूबर, 2025) को विक्टोरिया ग्राउंड, चादरघाट में हुई घटना में घायल हुए थे। उन्होंने निजी अस्पताल में घायल अधिकारियों से मुलाकात की, उनके साहस और बहादुरी की सराहना की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मीडिया से बात करते हुए, डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि मोबाइल झपटमारों के खिलाफ अभियान के दौरान चादरघाट इलाके में गोलीबारी की घटना हुई। मोबाइल फोन झपटमारी में शामिल आरोपियों को पकड़ने की कोशिश करते समय, डीसीपी चैतन्य कुमार और उनके गनमैन मूर्ति ने लगभग 750 मीटर तक आरोपियों का पीछा किया। इस दौरान, आरोपियों ने उन पर चाकुओं से हमला कर दिया। मुख्य आरोपी उमर अंसारी के खिलाफ पहले भी 22 मामले दर्ज हैं और कालापत्थर पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ एक राउडीशीट दर्ज है। हमने डीसीपी और गनमैन की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पूछताछ की है, जिन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान अदम्य साहस दिखाया। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है और कल उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। दो अन्य फरार आरोपियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। मुख्य आरोपी उमर अंसारी की सर्जरी हुई है और उसकी हालत भी स्थिर है। मीडिया से बात करते हुए, पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि डीसीपी दक्षिण क्षेत्र के नेतृत्व में, विशेष टीमें फरार ऑटो चालक और एक अन्य आरोपी को पकड़ने के लिए काम कर रही हैं। जांच के दौरान कई सुराग मिले हैं। हम उमर अंसारी की हालिया गतिविधियों और उसके साथियों

के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। हमने पूरे शहर में पुलिस व्यवस्था को बढ़ा दिया है। नागरिकों को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। हैदराबाद सिटी पुलिस हमेशा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। राउडीशीटरों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मोबाइल छीनने वाले गिरोहों पर भी विशेष निगरानी रखी गई है। डीसीपी चैतन्य कुमार की गर्दन में चोटें आईं, जबकि गनमैन मूर्ति के पैर में चोट आई। ड्राइवर संदीप ने सतर्कता से काम किया और स्थिति में अहम भूमिका निभाई। तीनों - डीसीपी चैतन्य कुमार, गनमैन मूर्ति और ड्राइवर संदीप ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया। दोनों फरार आरोपियों की तलाश में पांच विशेष टीमें काम कर रही हैं। चिंतामनेनी श्रीनिवास, आईपीएस (डीसीपी पश्चिम क्षेत्र), श्रीमती स्नेहा मेहरा, आईपीएस (डीसीपी दक्षिण क्षेत्र), और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने नशे में वाहन चलाने वालों को आतंकवादी करार दिया

कर्नूल बस हादसा रोकने योग्य नरसंहार बताया, कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी

हैदराबाद, 26 अक्टूबर 2025 (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने रविवार को कहा कि नशे में वाहन चलाने वालों की हरकतें सड़कों पर किसी आतंक से कम नहीं हैं और उन्हें आतंकवादी माना जाना चाहिए, उनकी यह टिप्पणी कर्नूल में हुई भयावह बस दुर्घटना के संदभर्ज में आई, जिसमें 20 लोगों की मौत हुई थी। सज्जनार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कर्नूल हादसा कोई सामान्य दुर्घटना नहीं बल्कि रोका जा सकने वाला नरसंहार था, जो एक नशे में धुत बाइक सवार के लापरवाह व्यवहार के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि बाइक सवार ने डिवाइडर से टकराकर बाइक सड़क पर गिरा दी, जिसको

बस ने टक्कर मार दी और कुछ ही सेकंड में आग लगने से अनेक परिवारों की ज़िंदगियां तबाह हो गईं।

उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलाने के उनके फैसले ने अहंकार के एक पल को भयावह त्रासदी में बदल दिया और वे अपने इस कथन पर कायम हैं कि नशे में गाड़ी चलाने वाले हर मायने में आतंकवादी हैं, क्योंकि वे ज़िंदगियां, परिवार और भविष्य बर्बाद कर देते हैं। सज्जनार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शहर की पुलिस नशे में वाहन चलाने को बर्दाश्त नहीं करेगी और (शराब के नशे में) पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति को कानून की पूरी सज़ा का सामना करना पड़ेगा, उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की जान जोखिम में डालने वालों के लिए कोई रियायत, कोई छूट और कोई दया नहीं होगी और समाज के रूप में अब नशे में गाड़ी चलाने को एक 'गलती' कहना बंद किया जाना चाहिए।

बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस पर धोखा देने का आरोप लगाया

जुबली हिल्स उपचुनाव में विकास और वादों की तुलना पर जोर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कांग्रेस पर मतदाताओं को धोखा देने का आरोप लगाते हुए जुबली हिल्स उपचुनाव में उसके विकास वादों का मजाक उड़ाया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से कहा कि वे उपचुनाव में उम्मीदवार की जीत के बाद किए गए विकास कार्यों का ब्यौरा दें। रविवार को तेलंगाना भवन में वड्डेरा संगम नेताओं से बात करते हुए, रामाराव ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों में जुबली हिल्स के मतदाताओं ने बीआरएस के नेतृत्व में विकास का समर्थन किया, लेकिन कांग्रेस की बयानबाजी का नहीं। उन्होंने रेवंत रेड्डी सरकार पर गरीब परिवारों के घर गिराने और डबल बेडरूम वाले आवास तथा मंत्रालय में अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व जैसे वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

रामाराव ने कहा कि बीआरएस ने हैदराबाद को निर्बाध बिजली, सांप्रदायिक सद्भाव और सभी के कल्याण के साथ सुरक्षित और रहने योग्य शहर बनाया, जबकि कांग्रेस केवल वादों तक सीमित रही। उन्होंने मतदाताओं से बीआरएस की दस साल की प्रगति का आकलन करने और उम्मीदवार मगंती सुनीता को वोट देने का आग्रह किया। टी हरीश राव ने वड्डेरा समुदाय के लिए बीआरएस की कल्याणकारी पहलों का ज़िक्र किया, जैसे सिद्दीपेट में ट्रैक्टर और हैदराबाद में सामुदायिक भवन के लिए जमीन आवंटन। उन्होंने रेवंत रेड्डी सरकार पर कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार और गरीबों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया। दोनों नेताओं ने लंबित डबल बेडरूम वाले घरों के निर्माण के लिए दबाव बनाने और वड्डेरा समुदाय के राजनीतिक और आर्थिक उत्थान के लिए काम करने का वादा किया।

हवाई अड्डे पर 4.15 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने शनिवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 4.15 करोड़ रुपये मूल्य का 4.15 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया। अधिकारियों के अनुसार, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई ने बैंकॉक से हैदराबाद आ रहे एक यात्री को रोका। उसके सामान की तलाशी लेने पर हरे रंग के गांठदार पदार्थ से भरे पैकेट मिले, जो उसके बैग के नकली तल में छुपाए गए थे। जांच में यह गांजा पाया गया। यात्री को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक के अलमट्टी बांध की ऊंचाई बढ़ाने के प्रयास से तेलंगाना में चिंता

तेलंगाना सुप्रीम कोर्ट जाने का ऐलान, जल संसाधन विवाद बढ़ा

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक कृष्णा नदी पर अलमट्टी बांध की ऊंचाई चार साल के भीतर बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इस परियोजना के लिए राज्य 75,000 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण पर खर्च करने की योजना बना रहा है। लेकिन इस कदम से पड़ोसी तेलंगाना चिंतित है, क्योंकि इसे अपने जल हिस्से में कटौती का डर है।

तेलंगाना ने 12 अक्टूबर से पहले केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को लिखित आपत्तियां भेजी हैं। यह योजना 2000 के सुप्रीम कोर्ट फैसले पर आधारित है, जिसमें बांध की ऊंचाई 524.256 मीटर तक

बढ़ाने की अनुमति दी गई थी। केंद्रीय मंत्री मल्लिकार्जुन पाटिल ने अगस्त में सभी संबंधित राज्यों से शांतिपूर्वक सहयोग करने का आह्वान किया था।

तेलंगाना में विपक्षी और बीआरएस नेता बी. विनोद कुमार ने केंद्र की चुप्पी को पक्षपातपूर्ण करार दिया। राज्य के नेता परियोजना को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में विशेष याचिका दायर करने का वादा कर चुके हैं। सिंचाई अधिकारियों का कहना है कि वे याचिका दायर करने से पहले जल प्रवाह के रिकॉर्ड, विशेषज्ञों के बयान और पुराने मामलों पर केंद्र के जवाब को इकट्ठा कर रहे हैं।

महाराष्ट्र भी सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है और उसे यह पसंद नहीं कि कर्नाटक नदी के ऊपरी हिस्से पर अधिक नियंत्रण कर रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बांध की ऊंचाई बढ़ने से नदी घाटियों में पानी की कमी और सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त परियोजनाओं के जल प्रवाह और खरीफ फसलों पर भी असर पड़ सकता है।

कर्नाटक और तेलंगाना दोनों में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद, विशेषज्ञों ने कहा कि राजनीतिक मित्रता सभी तटवर्ती राज्यों के लिए निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने में बाधा नहीं बने।

अलमट्टी बांध की ऊंचाई बढ़ाने के 17 सितंबर के कर्नाटक कैबिनेट फैसले ने तेलंगाना में किसानों और शहरी जल उपयोगकर्ताओं के बीच नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

पुलिस शहीदों के सम्मान में 'साइक्लोथॉन' का आयोजन किया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति सप्ताह के उपलक्ष्य में, हैदराबाद सिटी पुलिस, सेंट्रल ज़ोन ने एचसीएल और हैदराबाद साइक्लिस्ट्स के सहयोग से आज एक 'साइक्लोथॉन' का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

यह साइक्लोथॉन पीपुल्स प्लाजा से लेकर तोलीचौकी स्थित सेवन टॉम्ब्स तक चला। इसमें 380 साइकिलिस्टों और 100 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम माननीय महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी और सीपी हैदराबाद वी.सी. सज्जनार के निर्देशानुसार आयोजित किया गया था। के. शिल्पावल्ली, डीसीपी सेंट्रल ज़ोन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ यादगिरी, एसीपी गांधीनगर, वेंकट रेड्डी, एसएचओ खैरताबाद और एचसीएल के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, डीसीपी श्रीमती के. शिल्पावल्ली ने कर्तव्य पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस शहीदों की स्मृति में पुलिस विभाग के सहयोग से इस साइक्लोथॉन के आयोजन के लिए एचसीएल प्रबंधन और हैदराबाद साइक्लिस्ट्स का धन्यवाद किया। उन्होंने सभी से बड़ी संख्या में भाग लेने और 27 सितंबर को हैदराबाद शहर के सभी क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे 'मेगा रक्तदान शिविर' को सफल बनाने का अनुरोध किया।

डीसीपी ने अनुरोध किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत डायल 100 या स्थानीय पुलिस स्टेशन को दी जाए। डीसीपी श्रीमती के. शिल्पावल्ली ने कहा, हम जनता के सहयोग से ही एक सुरक्षित और अपराध-मुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

बीआरएस सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर जनता का आक्रोश

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने जुबली हिल्स चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं से हाथ मिलाने का समर्थन करने और क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए कांग्रेस सरकार को समर्थन देने की अपील की। कोमटिरेड्डी ने बीआरएस पर 'लोगों को धोखा दे' और अपने दस साल के राज में जुबली हिल्स को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। लोगों को बताते हुए उन्होंने सवाल किया, क्या राशन कार्ड मिला? क्या आपको शानदार चावल या डबल-बेडरूम वाला घर मिला? उन्होंने कहा कि जनता का जोरदार 'नहीं' जवाब बीआरएस सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर जनता का आक्रोश है। उन्होंने कहा, लोगों ने बीआरएस को अपनी बेईमानी और घमंड के लिए सबक सिखाने का फैसला लिया है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, कोमटिरेड्डी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा गरीबों के साथ खड़ी रही है, जबकि सोनिया गांधी के तेलंगाना को राज्य का समर्थन देने के बाद बीआरएस नेताओं ने तेलंगाना को लूटा।

सिरपुर में खजाने की तलाश में आठ गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के जंगलों में कथित खजाना खोजने के आरोप में शनिवार रात आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। सिरपुर (तटीय) वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि हीरापुर गांव के आदतन अपराधी राजेश और सात अन्य को जंगल में मिट्टी खोदने के आरोप में हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल, पॉल रवि, दुर्गम मारुति, गोंगल किशोर, चलदुरकर साजन, रामतेनकी सुनील और दुर्गम राजाराम शामिल हैं, जो सिरपुर (तटीय) और कौटाला मंडल के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं। पूछताछ में राजेश ने कबूल किया कि जल्दी पैसा कमाने के लिए उसने अपराध किया और खजाने की खोज के लिए एक गिरोह बनाकर जंगल में खुदाई करवाई। वन अधिकारियों ने बताया कि इस अनधिकृत खुदाई से जंगली जानवरों के आवास नष्ट हुए और उनकी आवाजाही प्रभावित हुई।

दिवाली के बाद आदिवासी नृत्य मंडलियां वित्तीय मदद के इंतजार में

डंडारी-गुस्साड़ी टोलियाँ पिछले दो सप्ताह से सरकारी सहायता की प्रतीक्षा कर रही हैं

आदिलाबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली त्यौहार समाप्त होने के बावजूद आदिलाबाद जिले की डंडारी-गुस्साड़ी नृत्य मंडलियां दो सप्ताह से अधिक समय से सरकार से वित्तीय सहायता का इंतजार कर रही हैं। त्योहार के दौरान आदिवासी युवाओं द्वारा गठित ये टोलियां आस-पास के गांवों में जाकर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करती हैं। मंडलियों को मोर के पंखों से बने मुकुट, सजावटी सामान, तंबू, कुर्सियां, भोजन, धार्मिक वस्तुएं और वाद्य यंत्रों पर भारी खर्च करना पड़ता है।

पूर्ववर्ती आदिलाबाद ज़िले में ऐसी 1,051 मंडलियां हैं। इन्हें 2018 से सरकारी सहायता मिल रही है, जिसमें कोविड-19 के दौरान अस्थायी रुकावट आई थी। 2024 में कांग्रेस सरकार ने राशि बढ़ाकर प्रत्येक मंडली को 15,000 रुपये देने का निर्णय लिया।

मंडलियों के सदस्य बताते हैं कि दिवाली मनाने के लिए उन्होंने 50,000 से 80,000 रुपये तक खर्च किए, लेकिन राशि अभी तक जारी नहीं हुई है।

केरामेरी मंडल के चौपंगुडा निवासी के. सोने राव ने कहा कि पैसे उधार लेकर और दोस्तों-रिश्तेदारों से जुटाए गए। पूर्व आदिलाबाद ज़िला समन्वयक अर्का वसंत राव ने कहा कि सरकार की मंज़ूरी मिलते ही वित्तीय सहायता जारी कर दी जाएगी, जिससे मंडलियों को राहत मिलेगी।

नेहरू प्राणी उद्यान में नर जिराफ सनी को मिलेगी मादा साथी

चिड़ियाघर में नये जानवर प्रजातियों के आगमन की तैयारियां

नेहरू प्राणी उद्यान में कई जानवर गोद लिए गये

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन कंपनी ब्लू यॉन्डर ने यूनाइटेड वे हैदराबाद के सहयोग से शनिवार को नेहरू प्राणी उद्यान में एशियाई शेरों की एक जोड़ी, रॉयल बंगाल टाइगर्स की एक जोड़ी, एक पैंथर, एक शेर-पूंछ वाला मकाक और कई अन्य जानवरों को गोद लिया। गोद लेने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने के लिए चिड़ियाघर आए ब्लू यॉन्डर और यूडब्ल्यूएच के प्रतिनिधियों ने बाड़ों के रखरखाव, स्वच्छता मानकों और जानवरों को दिए जाने वाले चारे की गुणवत्ता की सराहना की। तेलंगाना चिड़ियाघर पार्क के निदेशक डॉ. सुनील8 एस. हिरेमठ और क्यूरेटर जे. वसंथा ने वन्यजीव संरक्षण के समर्थन के लिए ब्लू यॉन्डर का आभार व्यक्त किया।

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू प्राणी उद्यान में नर जिराफ सनी का एकांत खत्म होने वाला है, क्योंकि जल्द ही एक लगभग दो साल की मादा जिराफ मैसूर चिड़ियाघर से यहां लायी जाएगी। चिड़ियाघर की क्यूरेटर जे वसंता ने बताया कि सनी को अब मादा साथी के साथ जीवन व्यतीत करने का अवसर मिलेगा।

सनी को 2019 में बुबली नामक मादा जिराफ के साथ कोलकाता चिड़ियाघर से पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत लाया गया था, लेकिन बुबली का 2021 में निधन हो गया। तब से सनी अकेले है।

वर्तमान में, नेहरू चिड़ियाघर में सनी के अलावा तीन दरियाई घोड़े और आठ उड़ने में असमर्थ दक्षिण अमेरिकी शुतुरमुर्ग रिया पक्षी हैं।

चिड़ियाघर आगामी दिनों में

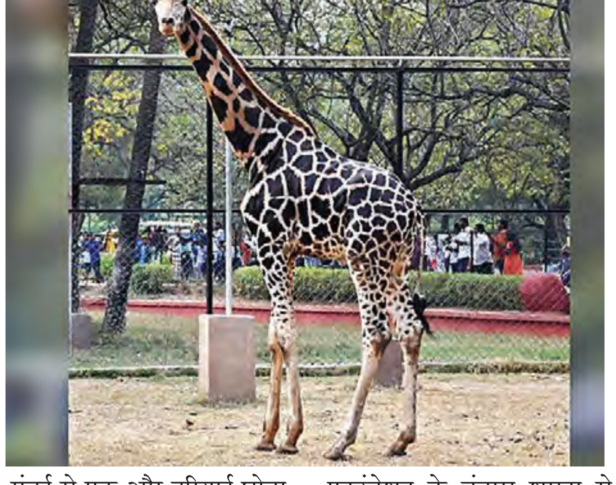

मुंबई से एक और दरियाई घोड़ा, टाटा जूलॉजिकल पार्क, जमशेदपुर से मैनड्रिल और नागालैंड चिड़ियाघर से हूलॉक गिब्बन लाने की योजना भी बना रहा है। हाल ही में वार्षिक दिवस समारोह में तीन ज़ेब्रा-दो नर और एक मादा-का भी अनावरण किया गया, जिन्हें गुजरात स्थित रिलायंस फाउंडेशन के वंतारा शाखा से पशु विनिमय के तहत लाया गया। नेहरू चिड़ियाघर में वर्तमान में कुल 199 प्रजातियां हैं, जिनमें 51 स्तनधारी, 109 पक्षी, 37 सरीसृप और 2 उभयचर शामिल हैं। कुल संग्रह में 518 स्तनधारी, 1,361 पक्षी, 328 सरीसृप और 8 उभयचर मौजूद हैं।

'वीकेंड पर्यटन अर्थव्यवस्था का निर्माण' विषय पर पहला सम्मेलन 15 नवंबर को

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) की पर्यटन समिति, तेलंगाना सरकार का पर्यटन विभाग और राष्ट्रीय पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईटीएचएम) ने मिलकर 15 नवंबर को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक हैदराबाद के गच्चीबावली स्थित एनआईटीएचएम में 'वीकेंड पर्यटन अर्थव्यवस्था का निर्माण' विषय पर एक आधे दिन का सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। एफटीसीसीआई की पर्यटन समिति के अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष प्रकाश अम्मानबोलू और डी. रामचंद्रम ने आज शहर में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। इसका आयोजन तेलंगाना चैंबर ऑफ इवेंट्स इंडस्ट्री (टीसीईआई) और प्रगति रिसॉर्ट्स के सहयोग से किया जाएगा। यह भारत का पहला पूर्ण पैमाने का सम्मेलन है जो विशेष रूप से वीकेंड पर्यटन अर्थव्यवस्था को समर्पित है। पिछले साल आयोजित अतुल्य भारत पर्यटन निवेशक शिखर सम्मेलन ने महानगरों के आसपास सप्ताहांत पर्यटन स्थलों की पहचान को प्रोत्साहित किया था, लेकिन यह सम्मेलन इस विषय पर पहली संरचित, राष्ट्रीय स्तर की बातचीत का प्रतिनिधित्व करता है। यह सम्मेलन सप्ताहांत पर्यटन को केवल मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि सतत विकास के लिए एक नए आर्थिक मॉडल के रूप में देखने का एक अग्रणी प्रयास है। यह हैदराबाद को भारत की सप्ताहांत राजधानी के रूप में स्थापित करने के दृष्टिकोण के साथ, सरकार, उद्योग, शिक्षा, मीडिया और प्रभावशाली लोगों को एक 360ओ पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण में एक साथ लाता है। तेलंगाना की रणनीतिक स्थिति, अच्छी तरह से जुड़ा हुआ बुनियादी ढांचा और 150-250 किलोमीटर के दायरे में दर्शनीय स्थल- विरासत स्थलों से लेकर इको-रिट्रीट तक - इसे सप्ताहांत पर्यटन स्थलों के विकास के लिए एक आदर्श पायलट राज्य बनाते हैं। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा, हर सप्ताहांत स्थानीय अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान कर सकता है। सप्ताहांत पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर, तेलंगाना भारत को सतत पर्यटन विकास, मजबूत ग्रामीण आजीविका और शहरी नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर की ओर ले जा सकता है। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (उद्योग, वाणिज्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी) जयेश रंजन ने मुख्य अतिथि बनने की सहमति दे दी है और वे सम्मेलन का उद्घाटन एवं मुख्य भाषण देंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.